रायपुर। रविवार, 09 अगस्त, 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष एकादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 8 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल अश्मिता चालिहा ने बनाई फाइनल में जगह... | @ साहित्य केसरी समिधा... | @ व्यापार उपभोक्ता निश्चिंत होकर ई20 पेट्रोल का कर सकते...

आईआईटी छात्रों से बोले पीएम मोदी–'मैं बाबा बागेश्वर नहीं हूं'

बदलती दुनिया में वही जीतेगा, जो नई तकनीक और चुनौतियों के लिए तैयार रहेगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद छात्रों को संबोधित किया। संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री का मजाकिया अंदाज भी देखने को मिला।

छात्रों से बातचीत करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आप लोगों के मन के किसी कोने में कुछ और चल रहा होगा। मैं तो बाबा बागेश्वर नहीं हूं, लेकिन कुछ तो चलता होगा।'

पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है। कोई नहीं कह सकता कि आज से 20-30 साल बाद क्या होगा? लेकिन यह बदलती दुनिया और टेक्नोलॉजी नए मौके लाएगी और जो सीखेगा, वही जीतेगा। जो लोग नई स्थितियों और चुनौतियों के लिए तैयार रहते हैं, वे चुनौतियों को मौकों में बदल देते हैं। यही बात आपने आईआईटी दिल्ली में सीखी है।

उन्होंने कहा कि इन भावुक पलों में मैं एक बात आपसे जरूर कहूंगा। जब जब जीवन आपको पीछे मुड़कर देखने का अवसर देगा, तो ये प्रेरित जीवन, आपके दोस्त, टीचर, मेंटर और सपोर्ट स्टाफ जो आपका परिवार बन गए, आपके प्रोफेसर जिन्होंने आप जैसी प्रतिभाओं को गढ़ने की जिम्मेदारी उठाई और आपका ये संस्थान जो धीरे-धीरे आपका घर बन गया और आप अपनी हर सफलता में इन सबको याद करेंगे, इन सबके

लिए आभारी होंगे।

उन्होंने कहा कि जीवन में जिज्ञासा बनाए रखिए। अपनी सीखने की प्रवृत्ति को जगाए रखिए। जो बातें बिना सोचे-समझे स्वीकार कर ली जाती हैं, उन्हें परखिए। उन पर सवाल उठाएं लेकिन सिर्फ सवाल पूछकर मत रुकिए। उनका समाधान खोजने का साहस भी रखिए। आज भारत (आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीकी आत्मनिर्भरता, औद्योगिक आत्मनिर्भरता) ऐसे हर सेक्टर में आत्मनिर्भर बनने के लिए काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर सेक्टर का उदाहरण हमारे सामने है। जब हमने इस दिशा में कदम बढ़ाया, तो कुछ लोगों ने सवाल उठाए कि भारत ये नहीं कर सकता लेकिन आज पहली सेमीकंडक्टर यूनिट में उत्पादन शुरू हो चुका है। मैं साफ मानता हूं कि चिप से लेकर शिप तक सब कुछ यहीं पर आप ही के हाथों से बनेगा।

इस मजबूत आधार के साथ आपको 'विकसित भारत' का निर्माण करना होगा। 'विकसित भारत' की यात्रा में आपकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। युवा जितने मजबूत होंगे, देश उतना ही मजबूत होगा। इसी सोच के साथ, हमने कई ऐसे सेक्टर खोले हैं जहां पहले एंट्री पर रोक थी। गवर्नेंस में आधुनिक सोच के साथ, युवाओं के लिए अवसर पैदा किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमारे ड्रोन सेक्टर में युवा नई-नई संभावनाएं तैयार कर रहे हैं। कहीं ड्रोन से खेतों में काम लिया जा रहा है तो कोई दवाइयां पहुंचा रहा है। ड्रोन देश की रक्षा-सुरक्षा में मदद कर रहा है और आज कहीं कोई युवा कह रहा है कि फर्स्ट इन माय ब्लडलाइन टू मेक ए ड्रोन।

भारत के स्टार्टअप क्रांति को आप जैसे युवाओं ने ही तराशा भी है, ताकत भी दी है। इसी संस्था से कितने ही संस्थापक निकले हैं। अगर एक संस्था से इतना कुछ हो सकता है, तो सोचिए पूरे देश में कितनी बड़ी ताकत तैयार हो रही है।

> **पीएम मोदी ने आईआईटी दिल्ली के छात्रों से कहा कि बदलती दुनिया में नई तकनीक सीखना और चुनौतियों को अवसर में बदलना जरूरी है। उन्होंने युवाओं से जिज्ञासा बनाए रखने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।**

केश शिल्पियों के कल्याण को सरकार प्रतिबद्ध : सीएम साय

सेन समाज को 50 लाख, चौक का नामकरण

संवाददाता ■ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सेन समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। इस समाज ने सदियों से भारतीय समाज की सामाजिक व्यवस्था, संस्कारों और समरसता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर जैसे महान नेता का इस समाज से होना पूरे सेन समाज के लिए गौरव की बात है। सेन समाज केवल अपनी पारंपरिक सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जन्म से लेकर विवाह और मृत्यु तक समाज के प्रत्येक संस्कार में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यह समाज सनातन परंपराओं और संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री साय शनिवार को राजधानी रायपुर के चिकित्सा महाविद्यालय परिसर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित सेन शक्ति सम्मेलन एवं केश शिल्पी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सेन समाज को सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सेन समाज के कल्याण के लिए केश शिल्पी कल्याण बोर्ड का गठन पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में हुआ था। उन्होंने कहा कि सेन समाज और अन्य पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उस समय अनेक महत्वपूर्ण पहल की गईं। सैलून संचालन के लिए सेन समाज के लोगों को किट, कुम्हारों को बैटरी चलित चाक और बढ़ई समाज के लोगों को कारपेंट्री किट देने की शुरुआत भी इसी दिशा में की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेन समाज की आज की आवश्यकताओं और मांगों पर राज्य सरकार गंभीरता से विचार करेगी।

> **कर्पूरी ठाकुर के आदर्शों को आगे बढ़ा रहा सेन समाज**
>
> मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुनर और प्रतिभा का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर वंचित वर्गों के अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष के प्रतीक रहे हैं। आज उनके सुपुत्र रामनाथ ठाकुर केंद्र सरकार में मंत्री के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी सेन समाज से विधायक रिकेश सेन और छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुमोना सेन समाज की सेवा और प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब केश शिल्प कल्याण बोर्ड को युवा नेतृत्व मिला है, निश्चित रूप गौरी शंकर श्रीवास के नेतृत्व में सेन समाज को आगे बढ़ाने का काम तेजी से होगा।

पीडीएस प्रणाली में पारदर्शिता के लिए राज्य सरकार की बड़ी पहल

रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में तीन 'अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम' का शुभारंभ

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडएस) को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने आज प्रदेश के पहले तीन 'अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम' का रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में ऑनलाइन शुभारंभ किया। इस नवाचार के साथ छत्तीसगढ़ देश के उन चुनिंदा राज्यों में शामिल हो गया है, जहां ग्रेन एटीएम के माध्यम से हितग्राहियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। यह पीडएस प्रणाली में पारदर्शिता के लिए राज्य सरकार बड़ी पहल है।

अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के माध्यम से राशनकार्डधारी हितग्राही अब अपनी सुविधा के अनुसार 24म7 घंटे चावल प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए मशीन की स्क्रीन पर राशनकार्डधारी को अपना आधार नंबर अथवा राशनकार्ड नंबर दर्ज करना होगा और बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न प्राप्त किया जा सकेगा। इस सुविधा से उचित मूल्य की दुकानों में राशन लेने के लिए लगने वाली कतार और समय की बाध्यता से हितग्राहियों को राहत मिलेगी।

जेपीएससी-जेएसएससी विवाद : सरकार और छात्रों के बीच दूसरे दौर की वार्ता बेनतीजा

एजेंसी ■ रांची

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ रांची में छात्रों का आंदोलन 15वें दिन भी जारी है। शनिवार को राज्य सरकार और आंदोलनकारी छात्रों के बीच दूसरे दौर की वार्ता भी बेनतीजा रही। मोरहाबादी स्थित स्टेट गेस्ट हाउस में यह बैठक करीब पौने दो घंटे तक चली।

इस बैठक में सरकार के चार मंत्री और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा से जुड़े छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्य शामिल हुए। वार्ता में छात्रों ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक विवादित परीक्षाएं पूरी तरह रद्द नहीं की जातीं, उनका आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों ने 10 अगस्त को पूर्व निर्धारित विधानसभा घेराव करने की घोषणा भी दोहराई है।

सरकार की ओर से मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, दीपिका पांडेय सिंह, चमरा लिंडा और संजय प्रसाद यादव ने छात्रों का पक्ष सुना। मंत्रियों ने अभ्यर्थियों से धरना स्थगित करने की अपील की। सरकार ने कहा कि वह परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए गंभीर है। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि सरकार किसी एक संगठन तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार पूरे राज्य के युवाओं और सभी हितधारकों से सुझाव लेगी। इसके लिए सरकार ने एक विशेष ईमेल आईडी (जेपीएसएसी डॉट फीडबैक ऐट जीमेल डॉट कॉम) जारी की है। राज्य का कोई भी नागरिक या छात्र इस ईमेल पर परीक्षा सुधार से जुड़े सुझाव भेज सकता है। नीति तैयार करते समय इन सुझावों को शामिल किया जाएगा।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि संवाद की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। सरकार अन्य छात्र समूहों से भी बातचीत करेगी। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार शुरू से संवेदनशील रही है। सरकार ने मामले में सीआईडी जांच कराई, छापेमारी की और गिरफ्तारियां भी कीं।

ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत की खबर का दावा

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान का सुप्रीम लीडर बनाए जाने के बाद से मोजतबा खामेनेई को किसी भी सार्वजनिक स्थल या कार्यक्रम में देखा नहीं गया है। ऐसे में इजरायली मीडिया 'चैनल14' ने दावा किया है कि मोजतबा की हालत बेहद गंभीर है और किसी भी वक्त उनकी मौत की खबर सामने आ सकती है।

बता दें, अमेरिका और इजरायल की तरफ से 28 फरवरी 2026 को ईरान पर किए गए हमले में पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई। इसके बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सुप्रीम बनाया गया था। ईरान ने लंबे समय से उनकी सेहत पर सवाल उठाने वाली खबरों को गलत बताया है, लेकिन इजरायल के नए दावों से पता चला है कि उनकी हालत अभी गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इजरायली मीडिया आउटलेट चैनल 14 ने ईरान के अंदर के सूत्रों का हवाला देते हुए मोजतबा के स्वास्थ्य को लेकर ये दावा किया है। इजरायली मीडिया के रिपोर्ट में ईरानी एजेंसी के दावों का भी जिक्र किया गया है। ईरानी एजेंसी की रिपोर्ट में राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन की सरकार के करीबी सूत्र का जिक्र था, जिन्होंने ऐसे ही दावे किए थे।

चंबा बस हादसे में 7 मौतों पर पीएम मोदी ने जताया दुख

हादसे में सात लोगों की मौत पर प्रधानमंत्री ने शोक जताया, पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की

एजेंसी ■ नई दिल्ली/शिमला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के चंबा जनपद में हुई बस दुर्घटना में सात लोगों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हिमाचल प्रदेश के चंबा में हुए हादसे में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है। जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। घायल लोग जल्द स्वस्थ हों।'

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी इस दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'चंबा जिला के तीसा-बैरागढ़ मार्ग पर चालुज मोड़ के पास हुए बस हादसे में 7 लोगों के निधन और अन्य 11 के घायल होने का समाचार अत्यंत दुखद है। इस दुखद हादसे में अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर दिवंगत जनों की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजन को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें।' मुख्यमंत्री

सुक्खू ने जिला प्रशासन को भी सभी घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराकर उनके समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही, सीएम सुक्खू ने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

भाजपा के सांसद सुरेश कश्यप ने लिखा, 'जिला चंबा के बैरागढ़ क्षेत्र में चलूंज मोड़ के समीप चंबा-बैरागढ़ मार्ग पर शर्मा बस के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार अत्यंत दुखद है। इस भीषण सड़क हादसे में कई लोगों के असामयिक निधन की खबर अत्यंत पीड़ादायक है। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।'

यह दुर्घटना उस समय हुई, जब एक प्राइवेट बस सुबह करीब 6:30 बजे बैरागढ़ से चंबा जा रही थी। तीसा-बैरागढ़ मुख्य मार्ग पर देवीकोठी के पास चालुज मोड़ पर बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे जा गिरी। बस में कुल 18 लोग सवार थे। हादसे के बाद कुछ लोग बस के नीचे दब गए।

बाद में चंबा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 7 लोगों की मौत और 11 लोगों के घायल होने की पुष्टि की। हादसे के कारणों और मृतकों व घायलों की पहचान की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

भोपाल में ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक, मंत्री शेखावत ने भारत की भूमिका को बताया अहम

विश्व केसरी■

भोपाल। भोपाल में ब्रिक्स सम्मेलन के आखिरी दिन (शनिवार) सदस्यीय देशों के संस्कृति मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई। भारत की अध्यक्षता में हो रही बैठक को संबोधित करते हुए भारत के संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इस समूह के लिए भारत की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, 'हम ये मानते हैं कि संस्कृति केवल बीते हुए कल का प्रतिबिंब नहीं होता बल्कि ये आने वाले कल यानी भविष्य का आधार है। भारत मानता है कि कल्चर एक जीवंत शक्ति है जो हमारे अस्तित्व का निर्माण करती है और रचनात्मकता के साथ इनोवेशन के लिए हमें प्रेरित करती है। इतना ही नहीं, ये सामाजिक सामंजस्य को बनाए रखने में मददगार साबित होती है। ये हमें सतत विकास के लिए शांति के साथ संवाद कायम करने के लिए प्रेरित करती है।

शेखावत ने पीएम मोदी के विजन का जिक्र करते हुए आगे कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा निर्देश पर भारत थीम लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के साथ आगे बढ़ रहा है। इसका केंद्र में हुनरमंदों, समुदायों और खासकर युवाओं को आगे बढ़ने के लिए मंच प्रदान करना है। ज्ञान भारतम मिशन इसका सटीक उदाहरण है। मंत्री ने आगे कहा कि भारत की समृद्ध सभ्यागत विरासत और सांस्कृतिक विविधता ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

बैठक में ब्रिक्स सदस्य और भागीदार देशों के बीच सांस्कृतिक विरासत, संग्रहालयों, रचनात्मक अर्थव्यवस्था, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया गया।

मंत्री शेखावत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट पर बताया, 'भोपाल में ग्यारहवें ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक हुई, जिसमें सदस्य और साझेदार देशों के संस्कृति मंत्री और प्रतिनिधिमंडल का शीर्ष नेतृत्व आया। इस दौरान मैंने बातचीत को बढ़ावा देने, लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने और देशों के बीच पुल बनाने में संस्कृति की अहमियत पर बल दिया। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा कि भारत की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक विविधता ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को गहरा करने और संस्कृति को हमारे साझा ग्लोबल जुड़ाव का एक मजबूत स्तंभ बनाने में मदद करता है।

राघव चड्ढा ने पीएम मोदी को भेंट की भगवान गणेश की मूर्ति, बोले-एक सुबह जो हमेशा याद रहेगी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भाजपा राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को यादगार बताया है। सांसद ने पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीर 'एक्स' पर शेयर की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'एक सुबह जो हमेशा याद रहेगी रखूंगा। पीएम मोदी से मिलने का सौभाग्य मिला। विस्तृत और समृद्ध बातचीत हुई। उनके बहुमूल्य समय और मार्गदर्शन से सीखने का अवसर देने के लिए हृदय से आभारी हूं।

एक्स पर शेयर की गई तस्वीर में राघव चड्ढा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भगवान गणेश की मूर्ति भेंट करते नजर आए। 6 अगस्त को राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने संसद में कुछ डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक सेंटरों के बीच 'कट मनी' या रेफरल कमीशन के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि इस अनौपचारिक व्यवस्था का आर्थिक बोझ आखिरकार मरीजों को ही उठाना पड़ता है। शून्यकाल के दौरान राज्यसभा में राघव चड्ढा ने कहा था कि कुछ डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक सेंटरों के बीच ऐसा तंत्र विकसित हो गया है, जिसमें मरीजों को जांच के लिए भेजने के बदले डॉक्टरों को तय कमीशन दिया जाता है।

उन्होंने कहा था, 'यह एक अनौपचारिक व्यवस्था बन चुकी है। मरीज का इलाज करने के लिए नहीं, बल्कि उसे रेफर करने के लिए डॉक्टर को 3,000 रुपए तक दिए जाते हैं। इसके लिए तय कमीशन रेट, एजेंट और समानांतर इंसेंटिव इकोनॉमी काम कर रही है।'

चड्ढा ने आरोप लगाया था कि डायग्नोस्टिक सेंटर अपने खातों में इन भुगतानों को 'मार्केटिंग एक्सपेंस' बताते हैं, जबकि डॉक्टर इसे 'रेफरल कमीशन' के रूप में दर्ज करते हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि इसकी पूरी कीमत मरीज के बिल में जोड़ दी जाती है।

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम बंगाल में अज्ञात हमलावरों ने हेडमास्टर को मारी गोली, अस्पताल में मौत

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में शनिवार को दिनदहाड़े अज्ञात हमलावरों की गोली का शिकार हुए एक स्कूल हेडमास्टर मौत हो गई। इस्लामपुर के एक स्थानीय स्कूल के हेडमास्टर, नजरुल इस्लाम पर शनिवार सुबह काम पर जाते समय मदारिपुर इलाके में हमला किया गया। गोली लगने के बाद उन्हें इस्लामपुर सब-डिविजनल हॉस्पिटल ले जाया गया और बाद में सिलीगुड़ी के एक बड़े हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया, जहां डॉक्टरों की कोशिशों के बावजूद दोपहर करीब 1 बजे उनकी मौत हो गई। इस्लामपुर पुलिस ने इस घटना की डिटेल में जांच शुरू कर दी है। पुलिस सुराग पाने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। इस मामले में अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस को अभी तक हत्या की कोई वजह पता नहीं चली है। घटना पर हैरानी जताते हुए पीड़ित की बेटी, नैना खातून ने कहा कि परिवार को समझ नहीं आ रहा है कि उन्हें क्यों निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता एक ईमानदार इंसान थे। उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी।

मिथिला मखाना की बढ़ती वैश्विक मांग बिहार के किसानों के लिए पैदा कर रही नए अवसर

विश्व केसरी■

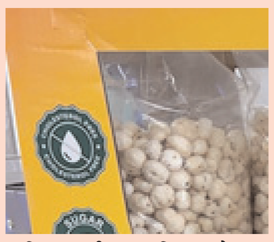

नई दिल्ली। बिहार के प्रसिद्ध जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) टैग प्राप्त 'मिथिला मखाना' ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को बताया कि पहली बार बिहार से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना का ऑस्ट्रेलिया को समुद्री मार्ग के जरिए निर्यात किया गया है। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारत के जीआई-टैग वाले मिथिला मखाना ने वैश्विक बाजार में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा, अपेडा यानी कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के सहयोग से जीआई टैग वाले 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना को बिहार से ऑस्ट्रेलिया निर्यात किया गया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह मखाना सीधे दरभंगा के किसानों से खरीदा गया था। इस पहल से जुड़े किसानों को बाजार भाव की तुलना में लगभग 18 प्रतिशत अधिक लाभ मिला है, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। गोयल ने कहा कि मिथिला मखाना की बढ़ती वैश्विक मांग बिहार के किसानों के लिए नए अवसर पैदा कर रही है ।

उल्फा-द्व के चार कैडरों ने असम राइफल्स के सामने सरेंडर किया, हथियार सौंपे

विश्व केसरी■

ईटानगर। प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) के चार कट्टर कैडरों ने अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में असम राइफल्स के सामने सरेंडर कर दिया और अपने हथियार व गोला-बारूद जमा कर दिए।

रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि लोंगडिंग जिले में चुपखाओ ट्रैक पर खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए एक सुनियोजित ऑपरेशन के दौरान उल्फा-द्व के चार कैडरों ने सरेंडर किया। यह ऑपरेशन सुरक्षा बलों द्वारा लगातार खुफिया जानकारी जुटाने, निरंतर निगरानी रखने, सटीक ऑपरेशनल प्लानिंग और लगातार सक्रिय रहने के बाद चलाया गया। आखिरकार विद्रोहियों को हथियार डालने और हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने के लिए मना लिया।

आत्मसमर्पण के दौरान कैडरों ने सुरक्षा बलों को गोला-बारूद और युद्ध से जुड़ी अन्य सामग्री के साथ चार हथियार सौंपे। कैडरों के सरेंडर और हथियारों व अन्य सामान की बरामदगी को इलाके में विद्रोही संगठन की ऑपरेशनल क्षमताओं के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रक्षा विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि इस सफल ऑपरेशन ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाके में सुरक्षा बलों की लगातार उग्रवाद-विरोधी कोशिशों की प्रभावशीलता को साबित किया है।

सुरक्षा बल मजबूत ऑपरेशनल उपायों के साथ-साथ लगातार लोगों तक पहुंचने और उनसे जुड़ने की कोशिशें कर रहे हैं। इनका मकसद गुमराह युवाओं और विद्रोहियों को हिंसा छोड़ने और शांति व विकास का रास्ता अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि भारतीय सशस्त्र बल पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थायी शांति, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने संकल्प पर अडिग हैं।

असम में बाढ़ से 13 जिलों में 15 लाख से अधिक लोग प्रभावित, मृतकों की संख्या 98 तक पहुंची

विश्व केसरी■

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां 13 जिलों में 15 लाख से अधिक लोग अभी भी बाढ़ के प्रभाव से जूझ रहे हैं, जबकि इस साल की बाढ़ में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 98 हो गई है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, वर्तमान में 13 जिलों के 33 राजस्व सर्किलों में फैले 464 गांवों में 1,55,849 लोग प्रभावित हैं। शिवसागर सबसे अधिक प्रभावित जिला रहा, जहां 48,286 लोग प्रभावित हुए, उसके बाद गोलाघाट में 58,750, जोरहाट में 25,259, चराइदेव में 12,779, नागांव में 5,424, दरांग में 3,367 और धेमाजी में 1,265 लोग प्रभावित हुए। राज्य भर में 10,748.64 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले फसल के खेत अभी भी जलमग्न हैं। एएसडीएमए की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रभावित जिलों में 73 राहत शिविर और राहत वितरण केंद्र कार्यरत हैं, जो हजारों विस्थापित लोगों को आश्रय और सहायता प्रदान कर रहे हैं। फिलहाल कुल 10,326 कैदी राहत शिविरों में रह रहे हैं, जबकि 6,881 लोगों को राहत वितरण केंद्रों के माध्यम से सहायता मिल रही है।

अहमदाबाद नगर निकाय ने 15 दिन में हजारों अतिक्रमण हटाए, 8.62 लाख रुपए का जुर्माना भी वसूला

विश्व केसरी■

अहमदाबाद। अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने शहर भर में 15 दिनों तक चले एक सघन अभियान के दौरान सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों और हाईवे से 708 हाथगाड़ियों और स्टॉलों को हटाया। इसके साथ ही हजारों अन्य अवैध कब्जों को भी साफ किया। नियमों के उल्लंघन के लिए 8.62 लाख रुपए का प्रशासनिक जुर्माना भी वसूला।

एस्टेट डिपार्टमेंट ने 24 जुलाई से 7 अगस्त के बीच एएमसी के सभी सात जोन में कार्रवाई की और उन कब्जों को हटाया जो सार्वजनिक सड़कों पर रुकावट डाल रहे थे और ट्रैफिक की आवाजाही को प्रभावित कर रहे थे। इस अभियान के तहत 313 अवैध शेड और 1,066 तिरपाल हटाए गए, जबकि सार्वजनिक सड़कों पर लगे 1,987 विज्ञापन बोर्ड और लगभग 5,196 अन्य तरह के सामान जब्त किए गए या हटाए गए। इस अभियान के दौरान नगर निकाय ने अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की। कुल 1,159 वाहनों को लॉक किया गया, जबकि 10 वाहनों को टो करके ले जाया गया। विभाग ने सड़कों पर बने 35 पक्के ढांचों को भी हटा दिया। पश्चिम क्षेत्र में ऑपरेशन में गोल्डन ट्रायंगल, स्टेडियम चार रास्ता, स्वास्तिक चार रास्ता, पंचवटी फाइव रोड, परिमल गार्डन अंडरपास, नारणपुरा चार रास्ता, अंकुर चार रास्ता और शास्त्रीनगर शामिल थे।

लगातार बारिश के चलते केरल के सात जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

विश्व केसरी■

तिरुवनंतपुरम। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में तीव्र वर्षा के एक और दौर की चेतावनी जारी करने के बाद शनिवार को केरल में हाई अलर्ट जारी रहा, जिसके तहत सात जिलों को ऑरेंज अलर्ट के अंतर्गत रखा गया है।

पथानामथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टायम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। बाकी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले घंटों में मौसम अस्थिर रह सकता है, जिससे संवेदनशील क्षेत्रों में जलभराव, अचानक बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है।

एहतियात के तौर पर, अधिकारियों ने कई प्रभावित जिलों में शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी है, जिनमें आंगनवाड़ी से लेकर व्यावसायिक कॉलेज तक शामिल हैं। हालांकि, कोझिकोड में व्यावसायिक कॉलेजों को इस बंदी आदेश से छूट दी गई है। पहले से निर्धारित सार्वजनिक और विश्वविद्यालय परीक्षाएं योजना के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी।

अधिकारियों ने तटीय इलाकों में भी प्रतिबंधों को कड़ा कर दिया है, तेज हवाओं और खराब मौसम की संभावना के मद्देनजर मछुआरों को समुद्र में जाने से रोक दिया गया है। केरल तट के किनारे 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है ।

जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच की मांग, सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल

नई दिल्ली। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की कंबाइंड सिविल सर्विसेज (प्रारंभिक) परीक्षा-2025 में कथित अनियमितताओं और गड़बड़ियों की जांच की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई है। यह याचिका सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन द्वारा दायर की गई है।

याचिका में सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया है कि परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराई जाए। वैकल्पिक रूप से सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या झारखंड से बाहर के किसी हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र जांच समिति गठित करने की मांग भी की गई है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र. /34225..../ न. पा. नि. / जोन क्र 3/2026
रायपुर, दिनांक 08-08-2026
इश्तिहार
नामंतरण प्र.क्र. 34225
वार्ड का नाम 29 गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई, डी. RPR334A0175Aजो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SMT. LEELA DEVI DHARWAL पिता/पति श्री श्रीमती SURESH CHAND DHARIWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SMT. PRIYANKA DHARIWAL पिता/पति श्री/श्रीमती W/O AKASH DHARIWAL ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SHAPATH PATR, DEED OF RETIERMENT, DEED OF PARTNERSHIP, AADHAR CARD, NIGAM TAX COPY / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र. /34224..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 08-08-2026
इश्तिहार
नामंतरण प्र.क्र. 34224
वार्ड का नाम 29 गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR334A0175E जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SACHIN DHARIWAL पिता / पति श्री श्रीमती SURESH CHAND DHARIWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SRI AKASH DHARIWAL पिता/पति श्री श्रीमती S/O PRADEEP KUMAR DHARIWAL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SHAPATH PATR, DEED OF RETIERMENT, DEED OF PARTNERSHIP, AADHAR CARD, NIGAM TAX COPY / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र. /34189..../ न. पा. नि. / जोन क्र 3/2026
रायपुर, दिनांक 08-08-2026
इश्तिहार
नामंतरण प्र.क्र. 34189
वार्ड का नाम 47- मदर टेरेसा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 47 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR344G0051B जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती KALA BAI SAHU पिता/पति श्री श्रीमती LT. FUDRU RAM SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्री राम कुमार साहू पिता/पति श्री श्रीमती पिता कंगलू साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र. /34147..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 08-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34147
वार्ड का नाम 65 महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई, डी. RPR662A0101A जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती TULSI RATNANI D/O CHOITH RAM RATNANI, AJAY KUMAR KHATWANI पिता/पति श्री श्रीमती PRAKASHCHAND KHATWANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती मोहम्मद इरशाद मोमिन पिता/पति श्री/श्रीमती पिता मोहम्मद ईस्माइल मोमिन ने ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र. /34146..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 08-08-2026
इश्तिहार
नामातरण प्र.क्र. 34146
वार्ड का नाम 65 महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RP R561A0076A जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती CHOTI BAI SHRIVAS पिता/पति श्री श्रीमती मीनाक्षी श्रीवास पिता/पति श्री BABLU SHRIVAS के पति रिखीराम श्रीवास ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र. /.34145..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 08-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34145
वार्ड का नाम 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई, डी. RP R662E00751 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती KAVITA TIWARI पिता/पति श्री/श्रीमती SATISH TIWARI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री ज्ञानेश्वर धर दीवान पिता/पति श्री श्रीमती पिता नारायण धर दीवान ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
-: : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. /34108/ न. पा. नि. जोन के 7/2026
रायपुर, दिनांक 08-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34108
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 33 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715F00365 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती ROHI KHEMCHAND AGRAWAL पिता/पति श्री श्रीमती KHEMCHAND NETRAMAGRAWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती मनीष कुमार राठौड पिता/पति श्री श्रीमती मोहन लाल राठौड ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पक्षात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया छत्तीसगढ़ का प्रीमियम हैंडलूम ब्रांड 'कोशल फैब'

नवाचारों से 'लोकल टू ग्लोबल' की यात्रा होगी और सशक्त : इन्वेंट्री मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का शुभारंभ

विश्व केसरी

रायपुर। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मुख्यमंत्री साय पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय बुनकर सम्मेलन एवं स्वदेशी प्रदर्शनी में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने रेशम, हथकरघा, हस्तशिल्प, खादी एवं माटीकला बोर्ड के विभिन्न हितग्राहियों तथा मेधावी छात्र-छात्राओं को 10 करोड़ 90 लाख रुपये से अधिक की अनुदान एवं पुरस्कार राशि वितरित की। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा संघ के नए प्रीमियम हैंडलूम ब्रांड 'कोशल फैब' का शुभारंभ करते हुए उसके लोगो एवं कैटलॉग का विमोचन किया। साथ ही उन्होंने हथकरघा इन्वेंट्री मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों, विशेषकर बुनकरों एवं शिल्पकारों को, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि 7 अगस्त 1905 को प्रारंभ हुए स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2015 में इस दिवस को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ का कोसा, बस्तर की बुनाई तथा प्रदेश के पारंपरिक हथकरघा उत्पाद देश-दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य छत्तीसगढ़ के हथकरघा उत्पादों को 'लोकल टू ग्लोबल' की नई पहचान दिलाना है। इसके लिए आधुनिक डिज़ाइन, कौशल उन्नयन, प्रशिक्षण, ब्रांडिंग, विपणन तथा नए बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

बुनकरों के लिए सुशासन सरकार की बड़ी पहल

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बुनकरों एवं शिल्पकारों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में 469 आवासविहीन बुनकर परिवारों के लिए बुनकर शेड सह आवास निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि इसी अवधि में आयोजित 47 प्रदर्शनियों के माध्यम से लगभग 10 करोड़ रुपये के हथकरघा उत्पादों की बिक्री हुई, जिससे बुनकरों को बेहतर बाजार उपलब्ध हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि हथकरघा क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे ध्यान में रखते हुए पिछले ढाई वर्षों में 2,001 महिला स्व-सहायता समूहों को सिलाई पारिश्रमिक के रूप में 68 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है।

स्मार्ट मीटर और मोर बिजली ऐप से बदली ग्रामीणों की बिजली प्रबंधन की तस्वीर

विश्व केसरी

रायपुर। प्रदेश में स्मार्ट मीटर और मोर बिजली ऐप के माध्यम से बिजली उपभोक्ताओं को पारदर्शी, सुविधाजनक और तकनीक आधारित सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बालोद जिले के ग्राम पंचायत ओरमा में स्मार्ट मीटर की स्थापना के बाद ग्रामीणों के बिजली उपयोग के तरीके में उल्लेखनीय बदलाव आया है। अब उपभोक्ता प्रतिदिन अपनी बिजली खपत की जानकारी मोबाइल पर प्राप्त कर रहे हैं, जिससे ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग बढ़ा है और मासिक बिजली बिल में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

ग्राम पंचायत ओरमा की सरपंच श्रीमती मंजूलता साहू ने बताया कि पहले बिजली की वास्तविक खपत का अनुमान लगाना कठिन होता था, लेकिन स्मार्ट मीटर और मोर बिजली ऐप ने इस समस्या का समाधान कर दिया है। अब वे प्रतिदिन अपने घर की बिजली खपत देख पाती हैं और उसी के अनुरूप विद्युत उपकरणों का उपयोग करती हैं।

उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में अधिक उपयोग के कारण उनका बिजली बिल लगभग 1,200 रुपए आया था, लेकिन ऐप के माध्यम से नियमित निगरानी और ऊर्जा के नियंत्रित उपयोग से पिछले महीने उनका बिल घटकर लगभग 600 रुपए रह गया। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद सभी उपभोक्ताओं को मोर बिजली ऐप का उपयोग अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इससे बिजली की खपत, संभावित बिल और ऊर्जा बचत की जानकारी समय पर मिलती है।

ग्राम ओरमा के किसान नंदकुमार साहू ने बताया कि उनके घर और दुकान दोनों में स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं।

मोर बिजली ऐप के माध्यम से वे प्रतिदिन दोनों स्थानों की बिजली खपत अपने मोबाइल पर देख लेते हैं। इससे वे आवश्यकता के अनुसार बिजली का उपयोग नियंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गर्मी के दिनों में कूलर, पंखे और अन्य उपकरणों के अधिक उपयोग से बिजली बिल बढ़ गया था, लेकिन पिछले महीने ऊर्जा के संतुलित उपयोग से बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने यह भी बताया कि अब बिजली बिल जमा करने के लिए कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

शिक्षा विभाग की तबादला सूची जारी, 700 शिक्षकों के हुए ट्रांसफर, विभिन्न कारणों से 400 नाम रुके

विश्व केसरी

रायपुर। प्रदेश के शिक्षकों के लंबे समय से प्रतीक्षित स्थानांतरण को लेकर आखिरकार शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं। स्थानांतरण के लिए तैयार की गई सूची में व्यापक स्तर पर छंटनी और परीक्षण के बाद अंतिम रूप से स्वीकृत शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं।विभागीय स्तर पर तैयार की गई प्रारंभिक सूची में करीब 1,600 शिक्षकों के नाम शामिल थे। इसके बाद सूची की समीक्षा करते हुए समन्वय से संख्या कम करने के निर्देश दिए गए और करीब 1,000 शिक्षकों की संशोधित सूची तैयार की गई। अंतिम परीक्षण में भी निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं पाए गए करीब 400 नामों को सूची से बाहर कर दिया गया। इसके बाद शेष शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं।इन मामलों में नहीं हुआ स्थानांतरण-शिक्षा विभाग द्वारा स्थानांतरण प्रक्रिया में विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था और विद्यार्थियों के हित को प्राथमिकता दी गई। युक्तियुक्तकरण से प्रभावित शिक्षक, एकल शिक्षकीय विद्यालयों में पदस्थ शिक्षक, ऐसे शिक्षक जिनके स्थानांतरण से विद्यालय शिक्षकविहीन हो सकता था, अधिसूचित क्षेत्र से गैर-अधिसूचित क्षेत्र में स्थानांतरण के प्रकरण तथा अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों के मामलों का परीक्षण करते हुए उन्हें अंतिम सूची में शामिल नहीं किया गया।विभाग का स्पष्ट मानना रहा कि किसी शिक्षक के स्थानांतरण के कारण विद्यालय में शिक्षकों की कमी नहीं होनी चाहिए और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए।अनुशंसा और प्राप्त आवेदनों के आधार पर तैयार हुई थी सूची। सूत्रों के अनुसार, स्थानांतरण के लिए प्राप्त आवेदनों एवं विभिन्न स्तरों से प्राप्त अनुशंसाओं के आधार पर प्रस्ताव तैयार किए गए थे। इसके बाद विभागीय स्तर पर प्रत्येक प्रकरण का परीक्षण किया गया। प्रारंभिक सूची से लेकर अंतिम सूची तक कई स्तरों पर जांच के बाद करीब 400 नामों को हटाया गया।अब अंतिम रूप से स्वीकृत शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी होने के साथ ही इस पूरी प्रक्रिया को लेकर चल रहा इंतजार समाप्त हो गया है।

अबूझमाड़ की लाल माटी पर खिंची विकास की नई रेखा, एनएच-130डी बना उम्मीदों का नया सवेरा

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के घने जंगलों और दुर्गम पहाडि़यों से घिरे अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा शिविरों के विस्तार, सड़कों के निर्माण और प्रशासनिक पहलों के जरिए लाल आतंक की छाया पीछे छूट रही है और बुनियादी विकास की एक नई रेखा खिंच रही है। वर्षों तक दुर्गम पहाडि़यों, सघन वनों और भौगोलिक बाधाओं के कारण विकास की मुख्यधारा से कटा अबूझमाड़ अब अपनी पुरानी पहचान पीछे छोड़ रहा है। कभी जहां सड़कों का नामो-निशां नहीं था, वहां आज विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-130डी का नारायणपुर से कुतुल तक निर्माण इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक कायाकल्प की सबसे बड़ी मिसाल बनकर उभरा है। यह सड़क केवल कंक्रीट का मार्ग नहीं, बल्कि अबुझमाड़ के आदिवासियों की जीवनरेखा और स्वर्णिम भविष्य का द्वार बन गई है।

अबूझमाड़ की 'लाल माटी' पर खिंची विकास की नई रेखा

एक दौर था जब मानसून की पहली बारिश के साथ ही अबूझमाड़ के दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट जाता था। स्वास्थ्य, शिक्षा और दैनिक जरूरतों के लिए ग्रामीणों को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था। गंभीर मरीजों को खाट पर लादकर अस्पताल पहुंचाना मजबूरी थी, जहां घंटों की देरी जानलेवा साबित होती थी। बच्चों का स्कूल जाना और किसानों का अपनी उपज बाजार तक ले जाना एक कठिन संघर्ष था। राष्ट्रीय राजमार्ग-130डी के आकार लेने के साथ ही परिदृश्य तेजी से बदला है। मार्ग पर निर्मित आधुनिक पुलों और पक्की संरचनाओं ने बारहमासी आवागमन को संभव बना दिया है। इसके चलते अब दूरस्थ अंचलों तक प्रशासनिक पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के पहुंच रहा है। सड़क बनने से अबूझमाड़ के जन-जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। अब गंभीर मरीजों को समय पर एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। दुर्गम रास्तों के डर से दूर रहने वाले बच्चे अब आसानी से स्कूल और कॉलेज पहुंच रहे हैं। इसी तरह किसानों और स्थानीय कारीगरों को अपनी उपज और हस्तशिल्प को बड़े बाजारों तक ले जाने की सुविधा मिली है, जिससे स्थानीय व्यापार को संबल मिला है। एनएच-130डी सिर्फ नारायणपुर और कुतुल को नहीं जोड़ता, बल्कि यह अबूझमाड़ को राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़ता है। आने वाले समय में यह मार्ग क्षेत्र में इको-टूरिज्म, नए निवेश, व्यापार और समग्र सामाजिक परिवर्तन की मजबूत आधारशिला साबित होगा। अबूझमाड़, जो कभी अपनी दुर्गमता के लिए जाना जाता था, आज विकास और समृद्धि की एक नई पहचान के साथ देश के मानचित्र पर मजबूती से उभर रहा है।

नक्सल हिंसा प्रभावित 15 परिवारों को 2.25 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता

विश्व केसरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और छत्तीसगढ़ नक्सलवाद पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में 15 पीड़ित परिवारों के लिए 2 करोड़ 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

यह सहायता उन परिवारों को दी गई है, जिनके परिजनों की नक्सली हिंसा में मृत्यु हो गई थी और विभिन्न कारणों से उन्हें शासकीय सेवा प्रदान करना संभव नहीं था। ऐसे मामलों में नीति के तहत शासकीय सेवा के बदले प्रत्येक मृतक के परिजनों को 15 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। स्वीकृत सहायता राशि का लाभ कल्लू ताती, भदरू सोढ़ी, कुमेश कुंजाम, सितु मंडावी, लांचा पुनेम, विज्जा पुनेम, इम्तियाज अली, मंगली सोढ़ी, रिशू पुनेम, रमेश ओयाम, लक्ष्मण ओयाम, बोटी ओयाम, गड़िया कुंजाम, सुदरू कारम और माड़वी आयता के परिवारों को मिलेगा। वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में पीड़ित परिवारों को समय पर राहत और पुनर्वास सहायता उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान कर उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने में सहायता देना है। छत्तीसगढ़ नक्सलवाद पुनर्वास नीति के तहत नक्सली पीड़ित परिवारों और आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के लिए सुरक्षा, आर्थिक सहायता और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस एवं 17 अगस्त को मॉप-अप दिवस

विश्व केसरी

रायपुर। बच्चों की सेहत, पढ़ाई और बेहतर भविष्य के रास्ते में सबसे बड़ी लेकिन अक्सर अनदेखी समस्या है पेट में होने वाला कृमि संक्रमण। यही संक्रमण कई बार बच्चों में कुपोषण, एनीमिया, कमजोरी, भूख न लगना, बार-बार बीमार पड़ना तथा पढ़ाई में एकाग्रता की कमी जैसी समस्याओं का कारण बनता है। इन चुनौतियों से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रदेश में 10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर राज्यभर में 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को एल्बेंडाजोल की खुराक खिलाई जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित इस राज्यव्यापी अभियान का उद्देश्य केवल कृमि संक्रमण का उपचार करना नहीं, बल्कि बच्चों को बेहतर पोषण, बेहतर स्वास्थ्य और बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना भी है। अभियान के तहत प्रदेश के लगभग 1.10 करोड़ बच्चों एवं किशोर किशोरियों तक पहुंच उन्हें कृमि मुक्ति हेतु एल्बेंडाजोल खिलाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए शासकीय एवं निजी विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा अन्य संस्थानों के माध्यम से व्यापक स्तर पर दवा सेवन करवाने की व्यवस्था की गई है। कृमि संक्रमण मुख्य रूप से अस्वच्छ वातावरण के कारण फैलता है। ये संक्रमण आमतौर पर खुले में शौच और खराब स्वच्छता के कारण मिट्टी के संक्रमित होने, संक्रमित मिट्टी के संपर्क के बाद बिना हाथ धोए भोजन करने, दूषित पानी पीने या दूषित भोजन खाने, मानव मल से दूषित मिट्टी पर नंगे पैर चलने तथा शौच के बाद हाथ नहीं धोने जैसी परिस्थितियों में फैलते हैं।

संक्रमण होने पर बच्चों के शरीर को भोजन से पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जिससे उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास प्रभावित हो सकता है। यही कारण है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाएं नियमित दवा सेवन को बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण का प्रभावी उपाय मानती हैं।

आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले पन्नालाल को न्यायिक रिमांड पर भेजे गए जेल

विश्व केसरी

रायपुर। सोशल मीडिया पर हिंदू देवी देवी-देवताओं पर टिप्पणी करने वाले क्रिश्चियन फोरम के पदाधिकारी अरुण पन्नालाल को सीजेएम कोर्ट ने शनिवार को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है, वे 21 अगस्त तक जेल में रहेंगे। पन्नालाल ने जमानत याचिका भी दायर की थी जो खारिज कर दी गई। सोशल मीडिया पर हिंदू देवी देवी-देवताओं पर टिप्पणी करने के बाद भाजपा के प्रवक्ता अमित चिमनानी ने क्रिश्चियन फोरम के पदाधिकारी अरुण पन्नालाल की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सिविल लाईन थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हिन्दू देवी-देवताओं को लेकर की गई टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की मांग की। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और अरूण पन्नालाल को गिरफ्तार कर ले गई और आज कोर्ट में पेश किया जहां विशेष न्यायाधीश ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने के निर्देश दिए।

उदंती-सीतानदी में शुरू हुआ स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम-एआई तकनीक से वन और वन्यजीवों की 24×7 होगी निगरानी

विश्व केसरी

रायपुर। स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम एक उन्नत सुरक्षा निगरानी तकनीक है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग करती है। पारंपरिक सीसीटीवी के विपरीत, यह केवल रिकॉर्डिंग नहीं करता, बल्कि असामान्य गतिविधियों, चेहरे और संदिग्ध हरकतों को पहचानकर वास्तविक समय में अलर्ट भेजता है। एआई तकनीक वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा रही है। यह तकनीक कैमरा ट्रैप, ड्रोन और सैटेलाइट डेटा का उपयोग करके जानवरों की गिनती, अवैध शिकार और वनों की कटाई की वास्तविक समय में पहचान करने में मदद करती है

छत्तीसगढ़ सरकार वन और वन्यजीव संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) आधारित स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम का ट्रायल शुरू किया गया है। यह व्यवस्था वन्यजीवों की सुरक्षा, मानव-हाथी संघर्ष की रोकथाम और वन अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ऊंचे टावरों से जंगलों पर 24 घंटे नजर

इस परियोजना के तहत 70 से 80 फीट ऊंचे टावरों पर एआई कैमरे और पीयर-टू-पीयर (पी2पी)

वायरलेस सिस्टम लगाए जा रहे हैं। इन कैमरों की मदद से दूरस्थ और दुर्गम जंगलों में भी चौबीसों घंटे निगरानी की जा सकेगी।

संवेदनशील क्षेत्रों में ट्रायल शुरू

स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम का ट्रायल कुल्हाडीघाट, इंदागांव, रिसगांव, दक्षिण उदंती और पायलीखण्ड उत्तर उदंती रेंज में किया जा रहा है। ये क्षेत्र हाथियों और अन्य वन्यजीवों के प्रमुख आवागमन मार्ग हैं और अवैध शिकार, लकड़ी तस्करी तथा अतिक्रमण की दृष्टि से संवेदनशील माने जाते हैं। शिकारी गतिविधियों और पेड़ों की अवैध कटाई की आवाज़ सुन कर तुरंत अलर्ट भेजेगा।

एआई कैमरे करेंगे वन्यजीवों की स्वतः पहचान

इस प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एआई कैमरे हाथी, बाघ, तेंदुआ और भालू जैसे प्रमुख वन्यजीवों की स्वतः पहचान कर सकेंगे। साथ ही शिकारी, लकड़ी तस्कर और अवैध घुसपैठ जैसी संदिग्ध गतिविधियों का भी तुरंत पता लगा सकेंगे। बाघ या हाथियों के रिहायशी इलाकों के पास आने पर वन विभाग को तुरंत सूचना देगा।

व्हाट्सएप अलर्ट से तुरंत होगी कार्रवाई

जैसे ही किसी वन्यजीव या संदिग्ध व्यक्ति की पहचान होगी, सिस्टम व्हाट्सएप के माध्यम से वन कर्मियों और अधिकारियों को तुरंत अलर्ट भेजेगा। इससे मौके पर तेजी से कार्रवाई करना संभव होगा और वन्यजीवों की सुरक्षा बेहतर होगी।

दुर्गम जंगलों तक पहुंचेगी कनेक्टिविटी

पी2पी वायरलेस तकनीक के माध्यम से दूरस्थ वन क्षेत्रों में भी इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे एंटी-पोचिंग कैंपों और वन चौकियों तक लाइव वीडियो और रियल-टाइम निगरानी संभव हो सकेगी। पी2पी का अर्थ 'पीयर-टू-पीयर' या 'पॉइंट-टू-पॉइंट' सीधा कनेक्शन है। इसमें किसी केंद्रीय सर्वर या बीच के माध्यम की जरूरत नहीं होती है और दो या दो से अधिक डिवाइस या स्थान सीधे आपस में जुड़कर डेटा साझा करते हैं।

दफ्तरों में कर्मचारियों की कमी होगी दूर

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने संभागीय आयुक्त (कमिशनर) और जिला कलेक्टर कार्यालयों में कर्मचारियों की भारी कमी को देखते हुए एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिया है। नए निर्देशों के तहत अब आवश्यकता पडने पर स्कूलों में पदस्थ गैर-शैक्षणिक स्टाफ (लिपिक एवं भृत्य) को इन प्रशासनिक कार्यालयों में प्रतिनियुक्ति (क्मचनजंजपवद) पर भेजा जा सकेगा।

विभिन्न जिलों में प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन के लिए स्कूलों के गैर-शैक्षणिक अमले को अस्थायी रूप से कलेक्टर व कमिशनर कार्यालयों में संलग्न किया गया था। हाल ही में जब इन कर्मचारियों को उनके मूल शैक्षणिक संस्थानों के लिए कार्यमुक्त किया गया, तो जिला व संभाग स्तरीय दफ्तरों का कामकाज बुरी तरह प्रभावित होने लगा। इस समस्या के समाधान के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, यदि कलेक्टर या कमिश्नर कार्यालयों में कर्मचारियों की अत्यंत आवश्यकता है, तो वे अपने स्वीकृत सेटअप के रिक्त पदों के विरुद्ध लिपिक व भृत्यों की प्रतिनियुक्ति का प्रस्ताव भेज सकते हैं। यह प्रस्ताव सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से स्कूल शिक्षा विभाग को अंतिम विचार हेतु भेजा जाएगा। शासन ने आदेश में यह स्पष्ट हिदायत भी दी है कि प्रतिनियुक्ति प्रक्रिया के दौरान यह सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा कि कोई भी मूल शैक्षणिक संस्थान (स्कूल) पूरी तरह से कर्मचारी-विहीन न हो, ताकि वहां का प्रशासनिक व शैक्षणिक माहौल प्रभावित न हो।

कहानी

सुषमा त्रिपाठी

समिधा

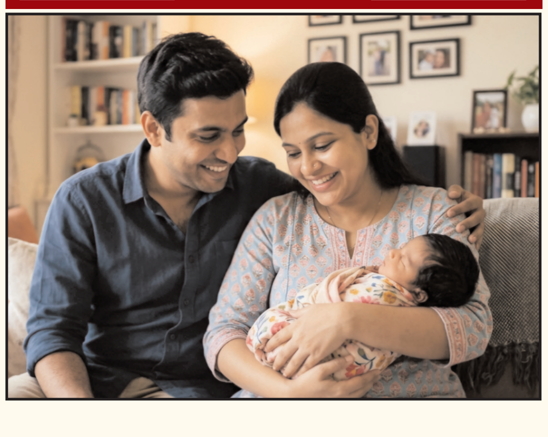

मेरा नाम समिधा है पर मैं स्वयं को उपेक्षित करके अपनी आहुति नहीं दूंगी। मैंने जब से अपने नाम का अर्थ जाना कि समिधा का अर्थ हवन सामग्री होता है तब से अपने मन में यह निर्णय ले लिया था कि मैं अपनी आहुति नही देने दुंगी । जहां तक हो सकता है मैं अपने जीवन की कमान अपने हाथ में रखूंगी ।

संयुक्त परिवार में मेरा जन्म हुआ था । तीन पीढ़ियों से मेरी बुआ के सिवाय मेरे परिवार में किसी को भी बेटी नहीं हुई थी । बुआ इकलौती होने के कारण सभी से अतिरिक्त दुलार पाकर बड़ी हुई थी। मेरे जन्म पर उन्होंने ही मेरा नामकरण किया था।

मेरी मां को मेरा नाम पसंद नहीं था उन्होंने दादी से मेरे नाम को लेकर पुन: विचार करने की बात की तो दादी ने कहा –' लड़कियों का जीवन हवन –सामग्री जैसा ही तो होता है। ' जैसे घर में हवन होने से घर के सभी सदस्य पांच –पांच आहुतियां अवश्य डालते हैं वैसे ही लड़की ससुराल में अपने पद के अनुसार सभी सदस्यों के प्रति कर्तव्यनिष्ठ होती हैं। सास – ससुर की सेवा, देवर ,ननद को अपने भाई –बहन जैसा स्नेह और मां बनकर अगली पीढ़ी का उचित लालन–पालन करना होता है , यह सब करने में हम स्त्रियों को स्वयं की इच्छाओं का दमन ही करना पड़ता है , और अपनी अतिरिक्त क्षमताओं की भी उपेक्षा करनी पड़ती है । यही तो हम स्त्रियों का जीवन होता है ; परिवार और अगली पीढ़ी के लिए अपना जीवन स्वाहा कर देना ।

तुम्हारी जेठानी कितनी सुंदर पेंटिंग बनाती थी , जैसे जीवंत हो । जो भी देखता यही कहता था कि ऐसी पेंटिंग तो कोई बड़ा कलाकार ही बना सकता है । उनका क्या हश्र हुआ , तुम जानती ही हो । गृहस्थी और चार बच्चों का जन्म और लालन–पालन में ही स्त्री चुक जाती है । पहले तो वह रंग– तूलिका लेकर बैठती भी थी ,उसके बाद जैसे –जैसे बच्चों और गृहस्थी का बोझ बढ़ता गया , सब धरा रह गया . स्टोर रूम में उनकी सारी पेंटिंग्स धूल – गर्दा में पड़ी –पड़ी बेरंग हो गई ।

' समिधा नाम तो लड़कियों के जीवन से ही मेल खाता है, अपनी जिंदगी स्वाहा कर देना । ' किंचित यह कहते –कहते उनका मन भारी हो गया था ।

मैं सही गलत समझ रखने वाली लड़की थी।अपने परिवार और समाज में स्त्रियों के मान–सम्मान , स्थितियों को देख सुनकर बड़ी हुई थी। पढ़ाई के साथ साथ मैंने प्रण किया था मैं स्वयं को सक्षम बनाउंगी जिससे आगे जीवन में मेरी उपेक्षा न हो और न ही केवल कर्तव्यों के हवनकुंड स्वाहा हो जाऊं ।

मैंने सबसे पहले अपने परिवार के सदस्यों के मन में अपनी इच्छा को स्पष्ट तौर पर बताया कि मेरी रूचि वकील बनने में है। क्योंकि वह महिलाओं के जीवन का उत्थान चाहती है। वह उन्ही प्रताड़ित महिलाओं के मुकदमें लड़ेगी , जिनको पति अपनी संपति समझते हैं और ससुराल वाले अपना अधिकार समझकर बिना वेतन की सेविका ।

मेरे परिवार ने कक्षा बारहवीं तक तो विरोध नही किया । उसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए बहुत विरोध हुआ । तरह –तरह के तर्क दिए जाते जैसे –बिरादरी में लड़का ढूंढना मुश्किल हो जायगा ।'

'नौकरी में कोई भी पराये पुरूष के निर्देश से काम करना पडेंगा । उसका हुकुम मानना पड़ेगा ।'

'जो धन तुम्हारी पढ़ाई में खर्च होगा वह तुमको दहेज में देकर विदा करेंगें तो ससुराल में तुम्हारा मान बढ़ेगा। '

'आजतक सात पुश्हतों में हमारे घर में किसी लड़की ने नौकरी नही की है ।'

प्राय: ही इस तरह की बाते होती । मेरी जिद के आगे सबसे पहले मेरी मां ने अपनी सहमति दी , उसके बाद पिताजी भी मेरे पक्ष में खड़े हो गए । और मेरी पढ़ाई जारी रही ।

मैंने अति उत्तम परिणाम लेकर अपनी वकालत की डिग्री प्राप्त की थी। मुझे शहर के प्रसिद्ध बैरिस्टर की शिष्या बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । उनके सानिध्य में सीखने के साथ–साथ मेरी प्रतिभा निखरने लगी और लोग मुझे जानने लगे । इसके बाद ही मैने अपने विवाह के लिए हामी भरी। परिवार के अनुकूल ; देख–सुन कर कालेज में प्रवक्ता पद पर कार्यरत नीलेश के साथ मेरा विवाह हुआ।

अब सास ने मुझे सिर्फ एक गृहणी की तरह देखना चाहा । मेरा कोर्ट जाना,केस की स्टडी आदि में अधिक समय देना आदि उन्हें खलने लगा । यहीं से मेरे जीवन में कठिनाइयों का दौर आरंभ हो गया ।

परिवार में मेरी भूमिका और कोर्ट कचहरी के बीच में तालमेल का अक्सर अभाव दिखाई देने लगा । परिवार और वकालत के बीच टकराव बढ़ता जा रहा था । मेरी हालत कोल्हू के बैल जैसी हो गई थी , किंतु मैं अपने लक्ष्य से नही डिगी ।

मेरे ऊपर परिवार के सभी सदस्यों के कार्यों में व्यस्त रहने का भार पड़ने लगा । मैंने नीलेश को अपनी समस्या बताई ।

उनका जवाब था –' घरेलू व्यवस्था घर की महिलाएं देखती हैं मैं क्या कर सकता हूं ?'

–' लेकिन घर के पुरुषों का भी सहयोग होता है ।' मैने कहा। यह सुनकर उन्होंने कुछ कहना चाहा किंतु फिर कुछ नही बोले ।

एक दिन जब पूरा परिवार एकट्ठा था मैंने कहा –

' मां ! पिताजी ! मुझे गृहस्थी और वकालत एक साथ चलाने में काफी दिक्कत हो रही है ।'

'तो तुम क्या चाहती हो , समाज में अपनी निंदा कराऊं कि बहू के रहते सास बना –बना कर खिलाती है ! ' मेरी सास ने कहा ।

' समस्या के समाधान के लिए कुछ तो उपाय करना होगा ।' मैने शांतिपूर्वक कहा ।

'बहू तुम क्या कहना चाहती हो ।' पिताजी बोले

मैने कहा कि पिताजी ,सभी सदस्य आसानी से कुछ कार्य स्वयं कर सकते हैं , तो कर लेना चाहिए और जो नहीं हो पातें हैं उसके लिए सहायिका रख लेते हैं। '

खाना बनाने लिए किसी को रखने के लिए शायद ही कोई राजी होता इसलिए मैने कहा ' खाना बनाने की सारी व्यवस्था करने और ऊपरी अन्य कार्य करने के लिए किसी को रखा जा सकता है इससे काफी मदद मिल जायेगी । '

एकाएक तो सब राजी नही हुए पर कुछ समय बाद सहमति हो गई । इसके बाद भी परिवार की महिलाएँ बीच –बीच में अधिक पढ़ी लिखी और नौकरी पेशा वाली महिलाओं के नकारात्मक किस्से बताती । समाज में चली आ रही परंपराओं का हवाला देतीं जैसे –– 'अच्छी मां बनकर अपने बच्चों का लालन–पालन कर सकती हैं। बच्चों को उचित संस्कार दे सकती हैं। जो स्त्री दिनभर घर से बाहर रहेगी वह बच्चों को कितना सिखा पायेगी ।' मुहल्ले की स्त्रियां जब गप–शप करने बैठती नौकरी करने वाली बहू और परिवार के बीच असंतोष के कारण हुए विवाह–विच्छेद का उदाहरण देतीं ।

इसी बीच मुझे पहला स्वतंत्र रूप से लड़ने के लिए एक केस दिया गया । मुझे सफलता मिली । मैने एक सैनिक की विधवा को उसके परिवार में उचित न्याय दिलाया । उसके पति की आय पर परिवार वालों का कब्जा पहले से ही था , उसके पास से पेंशन तक ले ली जाती थी । हिस्से की अचल संपत्ति से भी उसको बेदखल कर दिया था । मेरी इस उपलब्धि से मुझे सभी वरिष्ठ वकीलों और कानून के जानकारों से भी प्रशंसा मिली।

मैं महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए जागरूक कर रही थी। इस दुरूह कार्य में पति का सहयोग भी मिल रहा था । सास– ससुर बहू की सफलता से खुश जरूर होते थे लेकिन मन में एक कांटा खटकता रहता था कि वह परिवार पर ध्यान केंद्रित करें और वंश वृद्धि में भी सफलता प्राप्त करे।

दो ग़ज़लें

डी.एम. मिश्र

1.

कब तलक बचके अब जाएँगे
ये धुआँ हर जगह पाएँगे

फूँककर पाँव धरना यहाँ
गर्म है भूमि, जल जाएँगे

कैसे पहचानिएगा उन्हें
पहनकर वो नक़ाब आएँगे

सच न बोले यहाँ भूलकर
बेवजह गालियाँ खाएँगे

पास रहकर भी देंगे दगा
दूर जाकर भी तड़पाएँगे

ये परिंदे तो नादान हैं
बिन ख़ता के सज़ा पाएँगे

खिड़कियाँ क्यों खुली छोड़ दीं
शाम है, कीड़े आ जाएँगे

सब के सब हैं चतुर दोस्तों
देखना, सब लुटे जाएँगे

2.

अब सरेआम पगड़ियाँ उछाली जाएँगी
मरने से पहले अर्थियाँ निकाली जाएँगी

वक़्त इतना बुरा आएगा कहाँ सोचा था
घरों से बहन-बेटियाँ उठा ली जाएँगी

मेरी पीढ़ी के लोगों, सँभल जाओ कि अब तुममें
सिर्फ़ और सिर्फ़ खामियाँ निकाली जाएँगी

यही बातें हमें बेचैन बहुत करती हैं
जो फली होंगी डालियाँ झुका ली जाएँगी

यही सिला हमें देंगे हमारे यार-दोस्त
हमारे साथ दूरियाँ बना ली जाएँगी

रहिए तैयार, जब कहेंगे आपके बेटे
बुढ़ऊ, तुम से न चाभियाँ सँभाली जाएँगी

मो. 7985934703

लघुकथा

जागरूकता !

प्रदीप शशांक

आदिवासी जिले के सरकारी अस्पताल में दो दिन से महिलाओं का नसबंदी शिविर चल रहा था। नसबंदी कराने के लिये गरीब, मजदूर महिलाओं की बहुत भीड़ थी। महिलाओं में परिवार नियोजन के प्रति बढ़ती जागरूकता से डॉक्टर भी मन–ही–मन बहुत खुश हो रहे थे।

उत्सुकतावश डाक्टर ने एक औरत से नसबंदी कराने का कारण पूछा तो वो बोली 'हम मजदूरी करवे जात हैं तो ठेकेदार परेशान करत है। फिर नौ महीना तक उसका पाप हम ढोवत हैं। इस बीच मजदूरी भी नहीं मिलत, सो हमरे बाल–बच्चन भूखे रह जात हैं। ऐई से ई सब झंझट से मुक्ति पावे हम ओरें नसबन्दी करवा रए हैं।'

श्रीकृष्णम ईको सिटी,
श्रीराम इंजीनियरिंग कॉलेज के पास
कटंगी रोड, माढ़ोताल, जबलपुर-482002 मोबाइल-9131485948

कविता

संकल्प

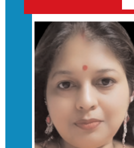

निमिषा सिंघल

रखना कदम जहाँ तुम
संकल्प साथ लेना,
लक्ष्य को पा ही लोगे
कठिनाइयाँ निगलकर।
लौ को जलाए रखना
मन में बिठाए रखना,
संकल्प के दिए को
हर पल जलाए रखना।
मिट जाएगा अंधेरा
चमकीला बन सवेरा,
तुमसे गले लगेगा
लक्ष्य खड़ा मिलेगा।
संकल्प अमूल्य धन है
संकल्प तेरी लगन है,
संकल्प जीत ही है
तेरे साथ हर घड़ी है।
संकल्प ही तुम्हारा
है जीत की पताका
रहे संकल्प के धनी गर
संसार है तुम्हारा।

मैं और तुम

अतीत के फफोले,
मरहम तुम।
अध्याय दु:ख के
सहारा तुम।
तपस्या उम्रभर की,
वरदान तुम।
बैचेनियाँ इस दिल की,
राहत तुम।
दिल में फैली स्याही,
लेखनी तुम।
अक्षुण्ण मौन इस दिल में,
धड़कनों का कोलाहल तुम।
रुदन धड़कनों का,
मुस्कुराहट तुम।
लौह भस्म-सा ये दिल,
चुम्बक तुम।
पिंजरबद्ध अनुराग
उन्माद तुम।
बहती धारा-सी मैं
सागर तुम।

आगरा (उत्तरप्रदेश)

बाल कविता

धरती का वंदन!

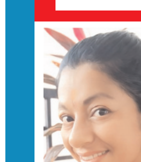

अनुपमा अनुश्री

इस धरती का वंदन है
मातृभूमि का अभिनंदन है
जिसकी आजादी के लिए,
न जाने कितने शीश ढहे
कितने शहीद हुए
कितनों ने प्राण उत्सर्ग किये!
अनगिनत देशभक्तों ने
त्याग-समर्पण, बलिदान की
नई गौरव गाथा रची
कितने संघर्षों से मिली हमें यह आजादी
क्या हमने
इसकी कीमत समझी!
खुली हवा में साँस लेकर धन्य हुए
तो देश के साधन-संसाधन संरक्षण
पर्यावरण, स्वच्छता, मर्यादा,अनुशासन,
गौरवशाली संस्कृति-परंपरा, पर्व,परिवार
सामाजिक सरोकार में हमने अपनी कोई
सुंदर भूमिका निभाई!
या हमें प्लेट में सजी हुई
मिल गई आजादी,
तो हमने हर गंभीर बात हवा में उड़ाई ?

भोपाल

दोहे

दोहा रहा समर्थ

प्रभु त्रिवेदी

अपने लघुतम रूप में, दोहा रहा समर्थ।
भरे 'बिहारी 'रस अधिक, 'तुलसी' भरते अर्थ।
परमतत्त्व को जानकर, ख़ूब भरा भण्डार।
'कबिरा''रहिमन''जायसी',दोहों के आधार 77
दोहों में 'रसलीन' हैं, दोहों 'में' कवि 'वृंद'।
गागर में सागर लिए, अद्भुत दोहा छंद।।
छोटी – सी हो बात या, बात बड़ी गम्भीर।
बड़े सलीके से कहे , दोहे की तासीर।।
दोहा सत्ता में रहा , सत्ता से अति दूर।
महलों में रमता रहा, कुटिया का दस्तूर।।
वामन दोहे ने कही , बातें बड़ी विराट।
सभी तृप्त होते रहे, इस कविता के घाट।।
भायी नहीं स्वच्छंदता,अनुशासन का बोध।
दोहों पर चलते रहे, हर युग में नवशोध।
दोहा है अपभ्रंश का, ब्रज – अवधी में घूम।
हिंदी में राजा बना , रही लेखनी चूम।।
जब तक दोहापन रहे, दोहों से अति दूर।
तेरह – ग्यारह से नहीं, बात बने भरपूर।।
दोहा कहे यथार्थ को, कहे हृदय का मर्म ।।
अपने समय विशेष का, दोहे में युगधर्म ।।

पुस्तक समीक्षा

प्रेम का मनोविज्ञान

इंदिरा किसलय

इस कृति में 79 लघुकथाएँ संग्रहित हैं ।सम्पादक हैं बहुभाषाविद् डॉ. शैलेश गुप्त वीर ।यूँ भी प्रेम को कोई नाम कैसे दिया जा सकता है ।वह तो गूंगे का गुड़ है ।शब्दों का सहारा लेकर अंश–अंश ही व्यक्त हो पाता है। प्रस्तुत संग्रह समकाल में प्रेम की विविध स्थितियों , धारणाओं, सामाजिक मान्यताओं और मनोवैज्ञानिक जटिलताओं का सूक्ष्म रूपायन करता है। पुराकाल में निसर्ग के सान्निध्य में परवान चढ़ने वाला लैला–मजनू वाला प्रेम अब इतिहास हो गया या कहें कि छुई मुई संवेदना ने जाग्रत चेतना का दामन थाम लिया है ।स्वतंत्रता, शिक्षा से उत्पन्न जागृति, आर्थिक आत्मनिर्भरता , कानून की स्त्री सापेक्ष स्थिति और टेक्नोलॉजी के बढ़ते चरण मनोभावों को विशाल स्तर पर प्रभावित कर रहे हैं ।उपभोक्तावाद और सोच का खुला आकाश ,स्त्री–पुरुष समान अधिकारों के तल पर सामाजिक संरचना को आंदोलित कर रहा है।

लघुकथाओं के लघुतम कलेवर में प्रेम के बहुआयामी पार्श्व उभरे हैं जो समाज वैज्ञानिकों के लिए चेतावनी भी है और गहन चिंतन का विषय भी। जिज्ञासा सिंह ने ड्रिंक के केवल एक सिप में वर्जनाओं को तोड़ने की झिझक और सामाजिक मान्यताओं के बदलते स्वरूप का दर्शन करवाया है।

सारी कहानियाँ सम्प्रेषणीयता की दृष्टि से अनुपम हैं। कृति में कहीं प्लेटोनिक लव है, कहीं समझदार, कहीं दैहिक आकर्षण, कहीं व्यवहार और कहीं अस्तित्व के प्रति प्रचंड जागरूकता, ऐसे कितने ही रूप रिश्तों में बदलाव की सूचना दे रहे हैं। क्रांति अचानक आकार नहीं लेती शनै: शनै: असंतोष का बारूद इकट्ठा होता है। सामाजिक क्रांति में वर्षों से संचित ताप सतह पर नजर आता है।

शुद्ध शब्दों में इन कथाओं को प्रेम का मनोविज्ञान समझाती , स्वप्निल अनुभूति का रूहानी विस्तार करती हुई कथाएँ कह सकते हैं।

मनोज कुमार झा ने 'लिव–इन रिलेशनशिप 'का एक अलग ही रूप सामने रखा है। रंजना जायसवाल ने विवाह की परंपरागत प्रथा को एक तीखे सवाल से शीशा दिखाया है----' पिता कहते हैं अनजान व्यक्ति से बात नहीं करनी चाहिए पर शादी कर लेनी चाहिए -----?

राजेंद्र वर्मा की '' घर ' 'में भी प्रेम विवाह और तलाक को समान अधिकार की पृष्ठभूमि में उकेरा गया है। शिवानी की आईना भी क्रांतिकारी कथा है। अंजू खरबंदा की दृष्टि में' प्रेम पगे रिश्ते 'जीवन के स्वीकार की दास्तां है। वार्धक्य को भी प्रेम और सलीके से जिया जा सकता है। कमल कपूर की 'बूढ़े प्रेमपाखी 'कहानी यही कहती है। डॉ शैलेश गुप्त वीर की 'सच्चा प्यार 'प्रणयी जोड़ों के लिए नेत्रोन्मीलक है। डॉ मिथिलेश दीक्षित की निर्णयकथा प्रभावित करती है। इन्दिरा किसलय कृत '' चाहे जो हो ' 'कहानी एक नौकरीशुदा स्त्री का असफल जीवन और भटकाव की दास्तां कहती है।

कथितव्य है कि इस संग्रह में प्रख्यात लघुकथाकार --सुकेश साहनी, रामेश्वर काम्बोज हिमांशु, संतोष सुपेकर, अंजु दुआ जेमिनी, रघुविन्द्र यादव, विनोद सागर, उमेश महादोषी, योगराज प्रभाकर, सारिका भूषण आदि ने भी अपनी महनीय उपस्थिति दर्ज की है। शिल्प की दृष्टि से देखें तो कथाएं पर्याप्त न्याय कर रही हैं। कथ्य के वैशिष्ट्य के साथ संदर्भगत संवेदना, भाषा की स्पष्ट सामयिक अभिव्यक्ति पर जोर देने की बात संपादक ने की है।

विगत दो दशक से लघुकथा ने पाठकों के हृदय में भरपूर स्थान पाया है। सुकेश साहनी की 'फेस टाइम' ने एक ज्वलंत मुद्दे पर प्रकाश डाला है ।सोशल मीडिया के रिश्तों पर पड़नेवाले प्रभाव को दर्शाया है। नारी अस्मिता, तकनीकी विस्फोट, परंपरा और इक्कीसवीं सदी के बदलते परिदृश्य को चित्रांकित करती है हर लघुकथा। कथाओं की मारक क्षमता अद्वितीय है ।कथा चयन हेतु संपादक वीर जी बधाई के पात्र हैं। निर्दोष मुद्रण, विषयानुरूप मुखपृष्ठ के साथ समस्त कथाएं लघुकथा के इतिहास में संपूर्ण अर्थवत्ता के साथ मौजूद हैं।

कृति--कोई नाम न दो
संपादक- डॉ शैलेश गुप्त वीर
प्रकाशक- श्वेतवर्णा प्रकाशन, नई दिल्ली
पृष्ठ-200, मूल्य-349/

व्यंग्य

मरने की फुरसत नहीं

डॉ मुकेश असीमित

हॉस्पिटल पहुँचा तो पूरा स्टाफ एक बेंच पर बैठा मोबाइल में रील-दर्शन कर रहा था। मुझे समय से पहले देखकर उनके चेहरों पर वही भाव आया, जो किसी पिकनिक में अचानक प्रधानाचार्य के पहुँच जाने पर आता है।

मेरा स्टाफ मुझसे अत्यंत प्रसन्न रहता है। मैं डॉक्टरी के अतिरिक्त दस काम करता हूँ, इसलिए उन्हें भी ड्यूटी के दौरान मनोरंजन, ऑनलाइन खरीदारी और घरेलू समस्याएँ निपटाने की पूरी स्वतंत्रता मिलती है। न कोई लक्ष्य, न डाँट, न अनुशासन।

फिर भी उस दिन मैंने ठान लिया था कि मुझे 'असली डॉक्टर' बनना है।

श्रीमतीजी अक्सर शहर के सफल डॉक्टरों की सूची सुनाती हैं। उनके अनुसार असली डॉक्टर वही है, जो गंभीर, भावहीन और इतना व्यस्त हो कि उसके पास मरने की भी फुर्सत न हो। उसके चैम्बर के बाहर भीड़ हो, फोन व्यस्त हो और परिवार उससे मिलने के लिए अपॉइंटमेंट ले।

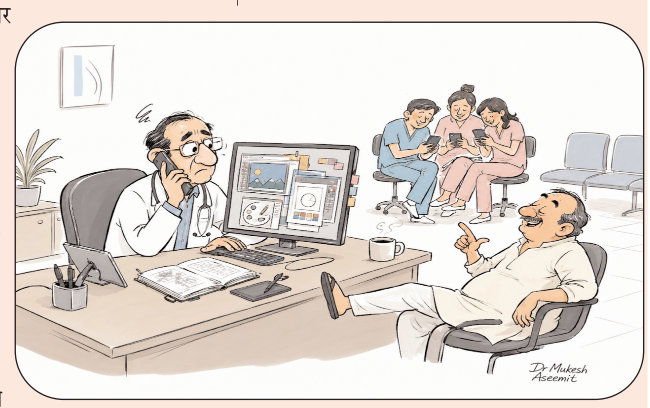

इसके विपरीत मेरे पास समय ही समय है।

मैं निमंत्रण में सबसे पहले पहुँचता हूँ। संस्था का कोई कार्यक्रम नहीं छोड़ता। मैं हर फोन उठा लेता हूँ और मरीजों को प्रतीक्षा भी नहीं करवाता। यही मेरी सबसे बड़ी व्यावसायिक विफलता मानी जाती है।

सफल डॉक्टर की प्रतिष्ठा उसके ज्ञान से नहीं, प्रतीक्षालय की भीड़ से तय होती है। मरीज जितना अधिक प्रतीक्षा करे, डॉक्टर उतना ही बड़ा। कुछ चिकित्सक तब तक मरीज देखना प्रारम्भ नहीं करते, जब तक बाहर पर्याप्त भीड़ जमा न हो जाए। फिर लोग गर्व से कहते हैं—

'देखो, डॉक्टर साहब के यहाँ मरीज टूटकर पड़ते हैं। उन्हें मरने की फुर्सत नहीं!'

मेरे यहाँ मरीजों को टूटकर पड़ने की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे आराम से आते हैं, दिखाते हैं और चले जाते हैं। इससे मेरे प्रति संदेह स्वाभाविक है।

ऊपर से मैंने फोटोग्राफी और लेखन जैसे संदिग्ध शौक पाल रखे हैं। लोग पूछते हैं—

'आपको लिखने का समय कैसे मिल जाता है?'

मानो डॉक्टर के हाथ में कलम दिखना चिकित्सा परिषद के नियमों का उल्लंघन हो। कभी सुबह अँधेरे में फोटोग्राफी करने निकलता था, ताकि कोई पहचान न ले। पहचान भी लेता तो स्वयं को समझाता— 'डॉक्टर साहब तो हो नहीं सकते, कोई हमशक्ल होगा।'

उस दिन ओपीडी में बैठा मरीजों की प्रतीक्षा कर रहा था कि एक परिचित आ पहुँचे। मुझे खाली देखकर उनकी बाँछें खिल गईं। वे कुर्सी पर धम्म से बैठे और एक टाँग आगे फैलाकर बोले—

'टाँगों में दर्द है, सोचा दिखा लूँ। मुझे लगा भीड़ होगी, लेकिन यहाँ तो सन्नाटा है! मरीज कम हो गए क्या?'

मेरे उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना वे स्वयं ही कारण बताने लगे—

'शहर में इतने ऑर्थोपेडिशियन हो गए हैं, फर्क तो पड़ेगा ही। मैंने तो पहले ही कहा था, सरकारी नौकरी कर लो। लेकिन आपने मानी नहीं।'

फिर अपने बेरोजगार बेटे, उसकी प्रतियोगी परीक्षाओं और विवाह की समस्या पर पहुँच गए। अंत में बोले—

'आपने अच्छा किया, जल्दी शादी कर ली।'

इस वाक्य का अर्थ स्पष्ट था—यदि निजी प्रैक्टिस की वास्तविकता पहले सामने आ जाती, तो शायद विवाह भी कठिन हो जाता।

इसके बाद उन्होंने सफल डॉक्टरों की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट सुनानी प्रारम्भ की—

'फलाँ के यहाँ शाम तक नंबर नहीं आता। फलाँ ने चार मंजिला हॉस्पिटल खड़ा कर लिया। फलाँ ने नई जमीन खरीद ली। और एक आप हैं...' अंतिम वाक्य उन्होंने पूरा नहीं किया, पर उसका अर्थ चैम्बर में पर्याप्त देर तक घूमता रहा— 'आपने इतने वर्षों में किया क्या? सिर्फ झक मारी है द्य '

मैं चिकने घड़े की तरह बैठा रहा। उनके व्यंग्य-बाण फिसलते गए। तभी बाहर दो मरीज पर्ची बनवाते दिखाई दिए। मैंने राहत की साँस ली। श्रीमतीजी ने भी चाय भिजवा दी।

वैसे मैंने श्रीमती जी से अलिखित निवेदन कर रखा है कि जब कोई अतिथि चैम्बर में अधिक देर टिके, तो चाय तुरंत भेजी जाए, ताकि 'अतिथि, तुम कब जाओगे?' की भावना सम्मानपूर्वक व्यक्त की जा सके। किंतु मेरा आवेदन सरकारी फाइल की तरह विचाराधीन है।

मैंने मोबाइल कान पर लगाकर किसी काल्पनिक व्यक्ति से अत्यंत आवश्यक बातचीत शुरू कर दी। परिचित संकेत समझ गए। उठते हुए बोले—

'डॉक साहब, मुझे लगता है आप पर किसी ने टोना-टोटका कर दिया है। एक बड़े पंडित को जानता हूँ, अनुष्ठान करवा दूँ?'

मेरी सहमति की प्रतीक्षा किए बिना वे चले गए।

गंगापुर सिटी, राजस्थान

15 अगस्त तक मांगों का समाधान नहीं तो 17 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरना

विश्व केसरी

सरसीवां। क्षेत्र की वर्षों पुरानी मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ग्राम पंचायत सरसभांठा एवं बालपुर के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि 15 अगस्त 2026 तक उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो 17 अगस्त 2026 से ग्रामीण लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करेंगे।

ज्ञापन में सबसे प्रमुख मांग पेड्रावन-सरसभांठा-बालपुर-कोसिर मार्ग के लगभग 7 किलोमीटर लंबे जर्जर सड़क मार्ग का निर्माण है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। बरसात के दिनों में कीचड़ और जलभराव के कारण स्कूली बच्चों, किसानों, मरीजों और आम लोगों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराने तथा तब तक सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

दूसरी प्रमुख मांग बालपुर स्थित स्वामी आत्मानंद हायर सेकेंडरी स्कूल के भवन निर्माण से जुड़ी है। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय भवन के लिए शासन से 1 करोड़ 21 लाख 16 हजार रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। इसके कारण 500 से अधिक छात्र-छात्राओं को असुविधाजनक परिस्थितियों में पढ़ाई करनी पड़ रही है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य के दौरान बनाए गए पुल के बाद निर्माण अधूरा छोड़ दिया गया था। वहीं, बायपास सड़क निर्माण से प्रभावित किसानों का मुआवजा भी एसडीएम कार्यालय में लंबित है। ग्रामीणों ने प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा राशि वितरित कर सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रशासन को स्पष्ट अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि 15 अगस्त तक उनकी मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो 17 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन के साथ पंचायत प्रस्ताव, जर्जर सड़क की तस्वीरें तथा विद्यालय भवन की स्वीकृति से संबंधित दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं।

केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम के नेतृत्व में विधानसभा स्तरीय हुई तिरंगा यात्रा बैठक

विश्व केसरी

कोंडागांव। केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम के नेतृत्व में विधानसभा स्तरीय तिरंगा यात्रा को लेकर जनपद पंचायत कार्यालय केशकाल के सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में यात्रा की तैयारियों, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

तय कार्यक्रम के अनुसार 13 अगस्त को सुबह 11 बजे केशकाल बस स्टैंड से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ होगा, जो राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) से होते हुए लंजोड़ा में समाप्त होगी। यात्रा में 500 से अधिक बाइक शामिल होंगी। इसके साथ ही विधानसभा क्षेत्र के सभी वर्गों के नागरिक तिरंगा लेकर यात्रा में सहभागी होंगे। विधायक नीलकंठ टेकाम ने यात्रा में शामिल होने वाले सभी लोगों को हेलमेट पहनकर सुरक्षित तरीके से यात्रा में शामिल होने के निर्देश दिए।

विधायक टेकाम ने कहा कि जिस तरह विधानसभा क्षेत्र में जंगल यात्रा ने अपनी अलग पहचान बनाई है, उसी तरह तिरंगा यात्रा को भी प्रत्येक वर्ष आयोजित कर एक नई परंपरा और इतिहास बनाया जाए। यह यात्रा राष्ट्रभक्ति, एकता और तिरंगे के सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। बैठक में केशकाल स्छरू आकांक्षा नायक, फरसगांव स्छरू आश्ववन पुशाम, तहसीलदार गणेश सिदार, विश्रामपुरी तहसीलदार फड़ेश्वर सोम, केशकाल SDOP अरुण नेताम, फरसगांव SDOP अभिनव उपाध्याय सहित प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक अध्यक्ष फरसु सलाम, केशकाल विधानसभा के विभिन्न मंडल अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में तिरंगा यात्रा को सफल, व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने को लेकर आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने कार्यक्रम आयोजन कर दी 'स्तनपान ज्ञान'

विश्व केसरी

सारंगढ़/बिलाईगढ़। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सारंगढ़ के आशा निकेतन वृद्धा आश्रम में स्तनपान से जुड़ा कार्यक्रम किया। इस आयोजन में महिला एवं बाल विकास अधिकारी, परियोजना अधिकारी, सेक्टर सुपरवाइजर और सुपरवाइजर सहित कई महिलाएं उपस्थित थीं। प्रशिक्षक और वीडियो प्रदर्शन के माध्यम से स्तनपान सिखाया गया और इस ज्ञान को जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से शिशुवती महिलाओं को समझाने के निर्देश महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने दिए।

कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि, स्तनपान सबसे प्राकृतिक चीजों में से एक है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह माताओं और उनके शिशुओं दोनों के लिए स्वाभाविक रूप से होता है।

इसमें समय और अभ्यास लगता है। और हर माँ की स्तनपान की कहानी अलग होती है, लेकिन इन सभी कहानियों में एक बात समान है, वे अपने बच्चों को जीवन की सबसे स्वस्थ शुरुआत दे रहे हैं। स्तनपान शिशुओं को वह पोषण, ऊर्जा और रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करता है जिसकी उन्हें मजबूत, स्वस्थ और बुद्धिमान बनने के लिए आवश्यकता होती है। स्तनपान कराने वाली माताओं को अपने साथी, परिवार, स्वास्थ्यकर्मियों, नियोक्ताओं और पूरे समुदाय के सहयोग की आवश्यकता होती है।

जन्म के पहले घंटे में स्तनपान कराएं

चाहे आप स्वास्थ्य केंद्र, अस्पताल या घर पर बच्चे को जन्म दें, जन्म के पहले घंटे के भीतर नवजात शिशु को स्तनपान कराने से स्तनपान सफल होने की संभावना बढ़ जाती है। कुछ घंटों की देरी भी स्तनपान को सफलतापूर्वक शुरू करने में मुश्किल पैदा कर सकती है। शिशु के जन्म के तुरंत बाद (और उससे ठीक पहले भी) आपका शरीर शिशु का 'पहला दूध' बनाता है, जिसे कोलोस्ट्रम कहते हैं। यह गाढ़ा, अक्सर सुनहरे रंग का होता है और कम मात्रा में निकलता है, लेकिन शक्तिशाली एंटीबॉडी से भरपूर होता है, और नवजात शिशु को शुरुआती घंटों और दिनों में ठीक यही चाहिए होता है, जब उसकी प्रतिरक्षा प्रणाली अभी विकसित हो रही होती है।

कल्चरल मार्क्सवाद पर अध्ययन एवं विमर्श सत्र आयोजित

विश्व केसरी

रायपुर। आंजनेय विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक मार्क्सवाद अध्ययन केंद्र, रायपुर द्वारा Cultural Marxism के विभिन्न पहलुओं पर अध्ययन एवं विमर्श सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में सांस्कृतिक बदलाव, शिक्षा, मीडिया, फिल्म, वेब सीरीज और OTT प्लेटफॉर्म की भूमिका सहित समकालीन सामाजिक एवं वैचारिक विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्य वक्ता के रूप में कैलाश चंद्र जी, मध्य क्षेत्र प्रचार प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं प्रचारक, तथा विश्वजीत जी, प्रचारक एवं मध्य क्षेत्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संजय तिवारी जी, प्रांत प्रचार प्रमुख, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा एवं आंजनेय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अभिषेक अग्रवाल जी, दिव्या अग्रवाल, टी. रामाराव, वाइस चांसलर तथा रूपाली चौधरी, रजिस्ट्रार, आंजनेय यूनिवर्सिटी भी उपस्थित रहे।

कैलाश चंद्र जी ने कहा कि वर्तमान समय में विचारों और सामाजिक धारणाओं के निर्माण में मीडिया और नैरेटिव की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने Cultural Marxism की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, वैश्विक बाजार शक्तियों तथा भारतीय समाज की पारिवारिक एवं सांस्कृतिक संरचना पर इसके संभावित प्रभावों पर चर्चा की। सत्र में भारतीय चिंतन परंपरा में काम, अर्थ, धर्म और मोक्ष की अवधारणा तथा पश्चिमी विचारधाराओं के साथ उसकी तुलना पर भी विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था, अकादमिक पाठ्यक्रमों और मनोरंजन माध्यमों के जरिए सामाजिक एवं सांस्कृतिक विमर्श का निर्माण होता है। जो विचार अकादमिक संस्थानों में पढ़ाया जाता है, वही धीरे-धीरे समाज के नैरेटिव का हिस्सा बनता है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत उसका परिवार और उसकी पारिवारिक मूल्य-व्यवस्था है।

विश्वजीत जी ने कहा कि सत्र के दौरान इटली के विचारक एंटोनियो ग्राम्शी के Cultural Hegemony (सांस्कृतिक वर्चस्व) के सिद्धांत तथा फ्रैंकफर्ट स्कूल के प्रमुख चिंतकों मैक्स होर्खाइमर, थियोडोर अडोर्नो एवं हर्बर्ट मार्क्यूज़ के विचारों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि आधुनिक वैचारिक संघर्ष केवल राजनीतिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कृति, शिक्षा, मीडिया और सामाजिक संस्थाओं में भी इसके विभिन्न आयाम दिखाई देते हैं।

पशुपालन मंत्री के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले उपसंचालक डॉ. राजीव शर्मा पर कसने लगा शिकंजा

विश्व केसरी

बीजापुर। पशुपालन विभाग में अधिकारियों की मनमानी और आपसी सांठगांठ का एक बड़ा प्रशासनिक मामला बेनकाब हो गया है। विभागीय मंत्री रामविचार नेताम के स्पष्ट आदेशों का उल्लंघन करने वाले उपसंचालक डॉ राजीव शर्मा और 30 सालों से एक ही स्थान पर मलाई काट रहे सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी नरोत्तम समरथ के नेटवर्क पर शासन का बड़ा चाबुक चला है।शासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए AVFO नरोत्तम समरथ को तत्काल प्रभाव से 'एकतरफा कार्यमुक्त' कर दिया है।

इसके साथ ही शासन ने मंत्री के आदेश की अवहेलना करने पर उपसंचालक डॉ राजीव शर्मा के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव विभाग से तलब कर लिया है।30 साल से जमा था ड्ढक्स्नह्न, खुद के व्यय पर 2 बार ट्रांसफर का नाटक।मामले में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि AVFO नरोत्तम समरथ पिछले 30 वर्षों से एक ही जगह पर पैर जमाए बैठा था। उसने नाटकीय अंदाज में कागजों पर खुद के व्यय पर 2 बार अपना ट्रांसफर करवाया, लेकिन तत्कालीन उपसंचालकों से साठगांठ कर कभी अपनी नई पदस्थापना पर गया ही नहीं। पहली बार 2016 में अपना स्थानांतरण स्वैच्छिक आधार पर पशु औषधालय बकावंड जिला बस्तर हुआ और स्थानांतरण के पश्चात इनके रिलीवर तो आये लेकिन ये नहीं गए। इसके साथ ही संबंधित AVFO उपसंचालकों से साठगांठ कर पिछले 20 सालों से नियम विरुद्ध उपसंचालक कार्यालय में संलग्न होकर के मलाईदार शाखा के प्रभारी बने बैठे हैं। इस दौरान उस पर भ्रष्टाचार और गंभीर अनियमितताओं के कई आरोप लगे।शिकायतों का पुलिंदा जब पशुपालन मंत्री रामविचार नेताम तक पहुंचा, तो उन्होंने मामले को बेहद गंभीरता से लिया।

मंत्री का कड़ा आदेश: 26 जून को दिए थे रिलीविंग के निर्देश

पशुपालन मंत्री रामविचार नेताम ने बीते 26 जून को सख्त आदेश जारी करते हुए AVFO नरोत्तम समरथ को तत्काल रिलीव करने का निर्देश दिया था। मंत्री ने अपने आदेश में यह स्पष्ट चेतावनी भी दी थी कि 'यदि AVFO को रिलीव नहीं किया जाता है, तो इसके लिए जिम्मेदार उपसंचालक पर सीधी कार्रवाई की जाएगी।

शिप्रा विद्यालय में एचपीवी टीकाकरण अभियान संपन्न छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

विश्व केसरी

कोंडागांव। कोंडागांव जिला के केशकाल नगर के शिप्रा विद्यालय में छात्राओं के स्वास्थ्य एवं भविष्य को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) टीकाकरण अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान विद्यालय की पात्र छात्राओं को एचपीवी का टीका लगाया गया तथा टीकाकरण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

टीकाकरण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छात्राओं को एचपीवी संक्रमण से बचाव और टीकाकरण के महत्व के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। साथ ही छात्राओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति

जागरूक रहने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि किशोरियों के स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना बेहद आवश्यक है। विद्यालय में आयोजित इस अभियान से छात्राओं एवं उनके अभिभावकों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। टीकाकरण कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय प्रबंधन एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एचपीवी टीकाकरण अभियान के पूर्ण होने पर विद्यालय प्रबंधन ने स्वास्थ्य विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते हुए नियमित रूप से स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

गुरुकुल और एकाडेमिक वर्ल्ड स्कूल ने जीती फुटबॉल प्रतियोगिता

कवर्धा। गुरुकुल पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय अंतर्विद्यालयीन अंडर-19 फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में गुरुकुल व एकाडेमिक वर्ल्ड स्कूल विजयी रहे। फाइनल प्रतियोगिता के अतिथि के रूप में नितेश छाबड़ा ख्यातिप्राप्त क्रीड़ा पत्रकार, संस्था के पदाधिकारीगण तथा शाला के प्राचार्य मंचासीन थे। सेमीफाइनल गुरुकुल पब्लिक स्कूल तथा स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम शाला बोड़ला तथा एकाडेमिक वर्ल्ड स्कूल बेमेतरा तथा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम शाला छुईखदान के मध्य हुआ। इसमें गुरुकुल 3-0 व एकाडेमिक वर्ल्ड स्कूल 2-0 से विजयी हुए।अंत में गुरुकुल पब्लिक स्कूल एवं एकाडेमिक वर्ल्ड स्कूल के साथ संघर्षपूर्ण रोमांचक मैच हुआ। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पूरे जोश एवं उत्साह के साथ एक दूसरे से कड़ा मुकाबला करते हुए प्रतियोगिता को रोमांचक बना दिया।

मिनी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

विश्व केसरी

महासमुंद। 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमापूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने मिनी स्टेडियम पहुंचकर समारोह स्थल का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मंच, मैदान, बेरिकेटिंग सहित विभिन्न तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर लंगेह ने कहा कि समारोह से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूरी कर ली जाएं। उन्होंने मंच की साज-सज्जा के साथ आयोजन स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश

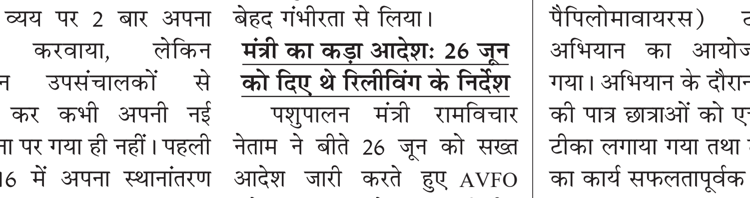

दिए, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी भी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने दर्शकों एवं अतिथियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्रवेश और निकास मार्ग को व्यवस्थित रखने तथा बेरिकेटिंग को मजबूत एवं सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। आयोजन स्थल पर भीड़ प्रबंधन और आवागमन को लेकर भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा गया। कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण बनाने के साथ स्थानीय कला एवं संस्कृति को भी प्रमुखता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम की प्रस्तुति में अनुशासन और गरिमा बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। मौसम की संभावित स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने सभी पंडालों को वाटरप्रूफ रखने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को आयोजन स्थल पर पर्याप्त मात्रा में ओआरएस उपलब्ध रखने तथा मेडिकल टीम की तैनाती सुनिश्चित करने कहा गया, ताकि किसी आपात स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू सहित पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिवासी विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के जिला अधिकारी और आयोजन से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे।

अवैध रूप से करील तोड़ने के खिलाफ की गई कार्रवाई

विश्व केसरी

महासमुंद। वनमंडल अंतर्गत पिथौरा परिक्षेत्र के आरक्षित वन क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 282 में वन विभाग द्वारा अवैध रूप से करील तोड़ने के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के खिलाफ वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया है।

गश्त के दौरान वन विभाग की टीम द्वारा बुधवार को पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम लिमदरहा निवासी विरंची ताण्डी को आरक्षित वन क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 282 में अवैध रूप से करील संग्रहित करते हुए पकड़ा तथा आरोपी के कब्जे से करील की 21 नग तथा एक चाकू जप्त किया गया। उक्त कृत्य के संबंध में आरोपी के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम, 1927 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। मामले में नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग द्वारा आमजनों से अपील की गई है कि वन क्षेत्रों से किसी भी प्रकार की वन उपज का अवैध संग्रहण अथवा वन

संपदा को क्षति पहुँचाना दंडनीय अपराध है। ऐसी किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम वन कार्यालय अथवा वन विभाग को दें।

उपभोक्ता निश्चिंत होकर ई20 पेट्रोल का कर सकते हैं उपयोग, निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है ईंधनः सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर सामने आई चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि उपभोक्ताओं को इस ईंधन का इस्तेमाल पूरी तरह भरोसे के साथ जारी रखना चाहिए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को स्पष्ट किया कि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा ई20 पेट्रोल निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है और इसकी निगरानी के लिए मजबूत गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था लागू है।

मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हाल के दिनों में कुछ मीडिया रिपोर्टों में ई20 पेट्रोल में नमी और क्लोराइड की मौजूदगी को लेकर सवाल उठाए गए थे, जिसके बाद तेल कंपनियों ने पूरे देश में ई20 पेट्रोल की सप्लाई चेन में अतिरिक्त और

व्यापक परीक्षण अभियान चलाया।

सरकार के अनुसार, इन परीक्षणों के नतीजों से यह साफ हुआ है कि ईंधन की गुणवत्ता निर्धारित सीमा से काफी बेहतर स्तर पर बनी हुई है। मंत्रालय ने कहा कि वैज्ञानिक तरीकों से किए गए व्यापक और यादृच्छिक परीक्षणों में ईंधन के दूषित होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

बयान में कहा गया, 'कुछ दावों के विपरीत, वैज्ञानिक आधार पर किए गए व्यापक परीक्षणों से यह स्पष्ट हुआ है कि ईंधन में किसी प्रकार के प्रदूषण या गुणवत्ता संबंधी समस्या को लेकर चिंता की कोई वजह नहीं है। तेल कंपनियों ने भी ग्राहकों को भरोसा दिलाया है कि ईंधन की गुणवत्ता उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि कभी कोई ऐसा मुद्दा सामने आता है जिससे वाहन के प्रदर्शन या उपभोक्ता विश्वास पर असर पड़ सकता हो, तो उसकी तत्काल वैज्ञानिक जांच की जाती है और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाते हैं। मंत्रालय के अनुसार, ईंधन की गुणवत्ता पर निगरानी को और मजबूत बनाने के लिए देश भर के प्रत्येक पेट्रोल पंप पर रोजाना 8 से 12 बार पानी की मिलावट और घनत्व की जांच की जा रही है।

सोना इस हफ्ते 6 हजार रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 2.3 लाख के पार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। डॉलर इंडेक्स पर दबाव और महंगाई कम होने की संभावना के चलते सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमशः 6 हजार रुपए और 13 हजार रुपए से अधिक महंगे हो गए हैं।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 6,761 रुपए बढ़कर 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,42,860 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,37,053 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,30,860 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,12,216 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,07,145 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 3 अगस्त को शाम के सत्र में 1,42,557 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 7 अगस्त को शाम के सत्र में 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है।

चांदी का दाम 13,086 रुपए बढ़कर 2,31,381 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,18,295 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 7 अगस्त को शाम के सत्र में 2,31,381 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 3 अगस्त को शाम के सत्र में 2,17,287 रुपए प्रति किलो देखा गया।

आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,400 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 63 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह कच्चे तेल में कमजोरी आने के कारण महंगाई की संभावना कम होना है।

बिहार की प्रतिभा और उत्पादों को वैश्विक बाजार में मिल रही नई पहचान, एफटीए से खुल रहे निर्यात के नए रास्ते : पीयूष गोयल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि बिहार की प्रतिभा और उत्पाद अब वैश्विक बाजारों में एक नई पहचान बना रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के नए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के साथ 'बिहार के कृषि और कृषि-प्रसंस्कृत, वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर, इंजीनियरिंग, रसायन और फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों के द्वार खुल रहे हैं'।

मंत्री ने कहा कि बिहार के उत्पाद अब केवल घरेलू बाजार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दुनिया के विभिन्न देशों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं, जिससे राज्य के किसानों, छोटे उद्योगों और निर्यातकों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में

863.1 अरब डॉलर के रिकॉर्ड निर्यात का आंकड़ा हासिल किया है, और विभिन्न मुक्त व्यापार समझौते भारतीय कंपनियों और उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच प्रदान कर रहे हैं और निर्यात को अधिक विविध बनाकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों को मजबूत कर रहे हैं।

सरकार ने निर्यात बाजारों में विविधता लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें नए मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर करना, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ व्यापार वार्ता आगे बढ़ाना और विभिन्न निर्यात प्रोत्साहन गतिविधियों को बढ़ावा देना शामिल है। इसके लिए निर्यात संवर्धन मिशन, विदेशों में भारतीय मिशन, निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी), उद्योग संगठनों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है।

पिछले पांच वर्षों में भारत ने 9 महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। इनमें भारत-मॉरीशस सीईसीपीए, भारत-यूएई सीईपीए, भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए, भारत-ईएफटीए टीईपीए, भारत-ओमान सीईपीए, भारत-यूके सीईटीए और भारत-न्यूजीलैंड एफटीए जैसे समझौते शामिल हैं।

सरकार के अनुसार, इन समझौतों का मुख्य उद्देश्य व्यापारिक साझेदार देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना, बाजार पहुंच का विस्तार करना और दोनों पक्षों की आर्थिक क्षमताओं का बेहतर उपयोग करना है।

मुक्त व्यापार समझौतों से भारतीय उद्योगों, किसानों और उद्यमियों को निर्यात के नए अवसर मिलते हैं। साथ ही रोजगार सृजन, निवेश वृद्धि और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में भी मदद मिलती है। विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे टेक्सटाइल, परिधान और चमड़ा उद्योग को इन समझौतों से बड़ा फायदा हो सकता है।

तमिलनाडु के डेयरी नेटवर्क में 22,500 दुधारू गायें जोड़ने की तैयारी, ग्रामीणों को दी जाएंगी मुफ्त

विश्व केसरी

चेन्नई । तमिलनाडु की मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार ने ग्रामीण डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने और कोऑपरेटिव डेयरी ब्रांड आविन द्वारा दूध खरीद में आई गिरावट को दूर करने के लिए सहकारी डेयरी नेटवर्क में 22,500 अतिरिक्त दुधारू गायों को शामिल करने की योजना बनाई है।

इस पहल के तहत वर्ष 2026-27 में ग्रामीण लाभार्थियों को 10,000 दुधारू गायें मुफ्त वितरित करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही मध्यम और मिनी डेयरी योजनाओं के जरिए 12,500 अतिरिक्त गायों की खरीद को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

डेयरी विस्तार कार्यक्रम का विवरण राज्य सरकार द्वारा पशुपालन क्षेत्र को मजबूत करने और ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने के लिए घोषित नवीनतम कदमों के तहत सामने

आया है। सरकार को उम्मीद है कि इन उपायों से आने वाले कुछ वर्षों में आविन की दैनिक दूध खरीद में कम से कम 1.5 लाख लीटर की बढ़ोतरी होगी।

योजना के लाभार्थियों को गांव स्तर की प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों से जोड़ा जाएगा, जिससे वे आविन को दूध की आपूर्ति कर सकेंगे। साथ ही उन्हें पशु चारा सब्सिडी और अन्य सरकारी सहायता भी मिल सकेगी। यह पहल ऐसे समय में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जब आविन की औसत दैनिक दूध खरीद एक साल पहले के लगभग 35 लाख लीटर से घटकर करीब 31.5 लाख लीटर रह गई है।बेहतर खरीद मूल्य मिलने के कारण कुछ डेयरी किसान निजी डेयरियों की ओर रुख कर चुके हैं। इसके अलावा, आविन को खरीदे जा रहे दूध में औसत फैट और सॉलिड्स-नॉट-फैट की मात्रा में गिरावट जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

डेयरी योजनाओं के तहत प्रस्तावित 12,500 गायों में से 2,500 गायें 500 नई मध्यम आकार की डेयरी इकाइयों के लिए खरीदी जाएंगी। प्रत्येक इकाई में पांच गायें होंगी। शेष 10,000 गायें मौजूदा मिनी डेयरी कार्यक्रम के तहत खरीदी जाएंगी, जिसमें 5,000 इकाइयों को शामिल किया जाएगा और प्रत्येक इकाई में दो-दो गायें होंगी।

मीडियम डेयरी योजना के तहत, लाभार्थी शुरू में तीन गायें खरीदेंगे और छह महीने तक उनकी देखभाल करेंगे, जिसके बाद वे और दो गायें खरीदने के लिए आर्थिक मदद पाने के हकदार होंगे।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और बेहतर तिमाही नतीजों से घरेलू बाजार ने दर्ज की लगातार दूसरी हफ्ते बढ़त, निवेशकों का भरोसा मजबूत

विश्व केसरी

मुंबई । कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट और वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के उम्मीद से बेहतर कॉरपोरेट नतीजों ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया, जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार ने लगातार दूसरे सप्ताह बढ़त दर्ज की है। हालांकि सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन मुनाफावसूली देखने को मिली, फिर भी प्रमुख सूचकांक साप्ताहिक आधार पर सकारात्मक बढ़त के साथ बंद हुए।

सप्ताह के दौरान निफ्टी 0.77 प्रतिशत मजबूत हुआ, लेकिन शुक्रवार को इसमें 0.27 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 24,570 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स 455 अंक यानी 0.58 प्रतिशत गिरकर 78,499 पर बंद हुआ। इसके बावजूद पूरे सप्ताह में सेंसेक्स ने 0.52 प्रतिशत की बढ़त हासिल की।

वहीं, व्यापक बाजार ने मुख्य सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.87 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2.73 प्रतिशत उछल गया। यह दर्शाता है कि निवेशकों का रुझान बड़े शेयरों के साथ-साथ मध्यम और छोटी कंपनियों की ओर भी बढ़ रहा है।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, स्मॉल-कैप शेयरों का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा।

मजबूत तिमाही नतीजों और कंपनियों से जुड़े सकारात्मक घटनाक्रमों के चलते निवेशकों का रुझान इस श्रेणी की कंपनियों की ओर बना रहा। दूसरी ओर, पीएसयू बैंकिंग शेयरों में बेहतर बुनियादी स्थिति और मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के कारण अच्छी खरीदारी देखने को मिली।

मेटल सेक्टर को देश में मजबूत मांग और आर्थिक विकास की बेहतर संभावनाओं का फायदा मिला। वहीं ऑटोमोबाइल कंपनियों के शेयरों में भी तेजी रही, क्योंकि बाजार को उम्मीद है कि आगामी त्योहारी सीजन में वाहनों की मांग मजबूत रहेगी।

सप्ताह की शुरुआत कुछ उतार-चढ़ाव के साथ हुई थी, जिसका कारण फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) सेगमेंट में नई क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) व्यवस्था का लागू होना था। हालांकि निवेशकों और बाजार प्रतिभागियों के नई व्यवस्था के अनुरूप ढलने के बाद बाजार में स्थिरता लौट आई।

विश्लेषकों का कहना है कि बाजार की धारणा को सबसे अधिक समर्थन कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट से मिला। तेल सस्ता होने से भारत के लिए महंगाई और आयात लागत संबंधी चिंताओं में कमी आई है। इससे आर्थिक परिदृश्य बेहतर हुआ और निवेशकों का विश्वास बढ़ा।

वैश्विक स्तर पर भी बाजार को सहारा मिला। अमेरिका के श्रम बाजार से जुड़े अपेक्षाकृत नरम आंकड़ों के बाद निकट भविष्य में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाने की संभावना कम हुई है। इसके परिणामस्वरूप अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और डॉलर दोनों में नरमी आई, जिससे उभरते बाजारों, विशेषकर भारत, के लिए निवेश माहौल बेहतर हुआ।

अगले सप्ताह कच्चे तेल की कीमतें और रुपए की चाल तय करेंगी कमोडिटी बाजार की दिशाः विशेषज्ञ

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कमोडिटी बाजार के लिए आने वाला सप्ताह काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी। खास तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी।

इस सप्ताह के दौरान वैश्विक तेल बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.29 प्रतिशत चढ़कर 83.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। हालांकि यह अब भी पिछले सप्ताह के बंद स्तर 90.12 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना

हुआ है। वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) सितंबर डिलीवरी वाला क्रूड 78.18 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ, जो पिछले सप्ताह के 84.67 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कम है।

विश्लेषकों के अनुसार, तेल बाजार में यह अस्थिरता मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रमों के कारण रही, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक माना जाता है। बाजार में यह उम्मीद बन रही है कि इस क्षेत्र में जहाजरानी को लेकर कोई समझौता हो सकता है, जिससे तेल आपूर्ति सुचारू हो सकेगी।

सप्ताह की शुरुआत में डब्ल्यूटीआई क्रूड में तेज गिरावट आई थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई को रोकते हुए कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत दिया।

बाद में जलमार्ग संचालन को लेकर सकारात्मक खबरों के चलते तेल कीमतों में कुछ सुधार देखने को मिला।

वैश्विक टेक सेक्टर में 2026 में गई 1.63 लाख से ज्यादा नौकरियां, एआई के चलते बढ़ी छंटनी की रफ्तारः रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वैश्विक टेक्नोलॉजी उद्योग में इस साल छंटनी का दौर लगातार जारी है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 की शुरुआत से अब तक दुनिया भर की टेक कंपनियां 1.63 लाख से अधिक कर्मचारियों की छंटनी कर चुकी हैं। इनमें से बड़ी संख्या में नौकरियां ऐसी हैं, जहां कंपनियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को प्रमुख कारणों में से एक बताया है।

ट्रेंडिंग प्लेटफॉर्म्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में अब तक कुल 1,63,427 कर्मचारियों की छंटनी की गई है, जिनमें से 91,215 नौकरियों पर एआई का सीधा या परोक्ष प्रभाव बताया गया है। इससे संकेत मिलता है कि कंपनियां तेजी से ऑटोमेशन और एआई तकनीकों को अपनाते हुए अपने कार्यबल का पुनर्गठन कर रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में क्लाउड और सास कंपनियां रहीं, जहां 37,492 कर्मचारियों की छंटनी हुई। इसके बाद ई-कॉमर्स और मार्केटप्लेस सेक्टर में 22,633, आईटी सेवाओं में 16,756 और सोशल मीडिया कंपनियों में 13,592 नौकरियां समाप्त की गईं। एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर सेक्टर में भी कुल छंटनी का करीब 8.14 प्रतिशत हिस्सा रहा।

एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर सेक्टर में हुई छंटनी का सबसे बड़ा प्रभाव अमेरिका में देखने को मिला। इस क्षेत्र में हुई कुल छंटनी का लगभग 88.6 प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी कंपनियों से जुड़ा रहा। वैश्विक स्तर पर दर्ज 13,308 छंटनियों में से 11,792 केवल अमेरिकी कंपनियों में हुईं।

अमेरिकी कंपनियों में सिस्को ने सबसे ज्यादा 4,000 कर्मचारियों की छंटनी की। इसके बाद एमडॉक्स ने 2,900 और ऑटोडेस्क ने 1,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला।

एशिया और मध्य पूर्व में भी तकनीकी क्षेत्र की छंटनी का असर दिखाई दिया। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल इस क्षेत्र में सबसे अधिक प्रभावित देशों में रहा, जबकि उसके बाद भारत और सिंगापुर का स्थान रहा। छंटनी की यह प्रक्रिया एआई स्टार्टअप्स, ई-कॉमर्स कंपनियों और साइबर सुरक्षा फर्मों सहित कई क्षेत्रों में फैली हुई है।

इजरायल की वर्कप्लेस सॉफ्टवेयर कंपनी मंडे डॉट कॉम ने 22 जुलाई 2026 को अपने वैश्विक वर्कफोर्स में लगभग 20 प्रतिशत कटौती करने की घोषणा की थी, जिसके तहत करीब 620 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया। कंपनी ने कहा कि यह कदम उसके एआई वर्क प्लेटफॉर्म के अनुरूप संगठनात्मक पुनर्गठन का हिस्सा है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में सबसे आक्रामक रूप से कर्मचारियों की छंटनी करने वाली कंपनी ओरेकल रही है।

गेहूं की रोटी छोड़ें! आयुर्वेद डॉक्टर से जानें 7 सबसे सेहतमंद रोटियों के फायदे, मिलेगा ज्यादा प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन

क्या आप भी रोज गेहूं की रोटी खाते हैं? आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ. सलीम जैदी के मुताबिक, डाइट में बाजरा, रागी, बेसन और ज्वार जैसी 7 रोटियों को शामिल करने से पाचन बेहतर होता है, शुगर कंट्रोल रहती है और शरीर को भरपूर न्यूट्रिशन मिलता है.

भारत में शायद ही कोई ऐसा घर हो जहाँ बिना रोटी के खाना पूरा माना जाता हो. हम में से ज्यादातर लोग रोज गेहूं की ही रोटी खाते हैं, क्योंकि सालों से हमारे घरों में यही बनती आ रही है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना सिर्फ गेहूं की रोटी खाना आपकी सेहत के लिए उतना फायदेमंद नहीं है जितना आप सोचते हैं? हद से ज्यादा गेहूं की रोटी खाने से वजन बढ़ सकता है और ब्लड शुगर लेवल भी ट्रिगर हो सकता है खासकर उनके लिए जिनकी लाइफस्टाइल ज्यादा एक्टिव नहीं है.

25 से भी ज्यादा सालों का अनुभव रखने वाले जाने-माने आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ. सलीम जैदी के अनुसार, अगर आप अपनी डाइट में गेहूं के अलावा दूसरी रोटियों को शामिल करते हैं, तो इससे आपका पाचन बेहतर होगा, इम्यूनिटी मजबूत होगी और शरीर को दिनभर एनर्जी मिलेगी.

आयरन और मैग्नीशियम से भरपूर बाजरा ठंड के दिनों में शरीर को अंदर से गर्म रखता है. यह खून की कमी (एनीमिया) दूर करने और ब्लड शुगर कंट्रोल करने में बेहद मददगार है.

Anarsa Recipe : सावन में घर पर बनाएं दादी-नानी स्टाइल चावल का अनरसा, हर बाइट में मिलेगा देसी स्वाद, आसान है रेसिपी

रागी रोटी (Ragi Roti): अगर आप हड्डियां मजबूत करना चाहते हैं, तो रागी की रोटी बेस्ट है. इसमें भरपूर कैल्शियम और आयरन होता है. लो-ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण यह डायबिटीज मरीजों के लिए वरदान है.

मक्की की रोटी (Makki Roti): सर्दियों में पसंद की जाने वाली मक्की की रोटी में विटामिन-ए होता है, जो स्टेमिना बढ़ाता है. हालांकि, इसे पचाना थोड़ा भारी होता है, इसलिए इसे सरसों के साग या छाछ के साथ सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए.

चावल के आटे की रोटी (Rice Flour Roti): पेट खराब हो या पाचन कमजोर हो, तो चावल के आटे की हल्की और ग्लूटेन-फ्री रोटी सबसे बेहतरीन ऑप्शन है. यह ब्लड प्रेशर को भी मेंटेन रखती है।

'दाल-चावल ही पसंद है भाई', जानिए क्यों फैंसी मील छोड़ देसी फूड पर भरोसा करते हैं हिटमैन रोहित शर्मा

'दाल-चावल ही खाते हैं हम, मेरे को वही पसंद है भाई...' टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और हिटमैन रोहित शर्मा का यह देसी अंदाज एक बार फिर सुर्खियों में है. जहां आज के दौर में एथलीट खुद को फिट रखने के लिए फैंसी मील्स, एग्जॉटिक डाइट्स और भारी-भरकम प्रोटीन शेक्स का सहारा लेते हैं, वहीं रोहित शर्मा की फिटनेस और एनर्जी का राज बेहद साधारण और भारतीय है. आखिर क्यों दुनिया के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शुमार रोहित शर्मा फैंसी डाइट ट्रेंड्स को छोड़ देसी खाने पर भरोसा करते हैं और कैसे 'दाल-चावल' उनके रूटीन का अहम हिस्सा है? आइए जानते हैं.

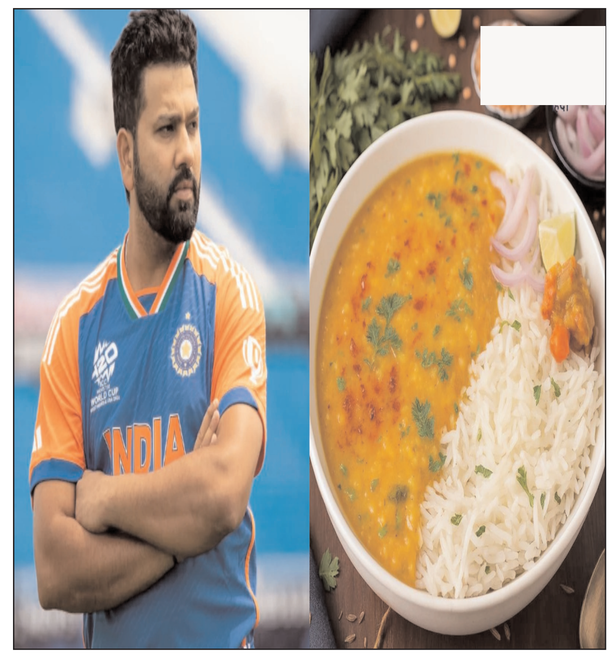

भारतीय क्रिकेट टीम के 'हिटमैन' यानी रोहित शर्मा न केवल अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, बल्कि अपने बेबाक और देसी अंदाज़ के लिए भी जाने जाते हैं. आज के दौर में जहां एथलीट खुद को फिट रखने के लिए फैंसी मील्स, एग्जॉटिक डाइट्स और भारी-भरकम इंटरनेशनल प्रोटीन चार्ट के पीछे भागते हैं, वहीं रोहित शर्मा का फिटनेस फंडा एकदम सिंपल और भारतीय है. रोहित शर्मा का मानना है कि उन्हें अपनी जड़ों से जुड़ा खाना ही सबसे ज्यादा ताकत और मानसिक संतुष्टि देता है. आइए जानते हैं कि फैंसी डाइट को दरकिनार कर हिटमैन कैसे दाल-चावल, रसम राइस और साधारण भारतीय भोजन के दम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना जलवा बिखेर रहे हैं.

'दाल-चावल तो हमारा पेटेंट खाना है'

फैंसी और ट्रेंडिंग डाइट्स का पीछा करने वाले लोगों के लिए रोहित शर्मा की सोच एक बेहतरीन मिसाल है. अपनी फूड हैबिट्स पर खुलकर बात करते हुए रोहित ने कहा, 'दाल-चावल ही खाते हैं हम लोग, दाल-चावल सब जगह मिलता है. पेटेंट खाना है हमारा दाल-चावल, मेरा सबसे फेवरेट है. मतलब मैं कहीं पर भी, कभी भी खा सकता हूं. '

बचपन में कोच के घर जाकर खाते थे अंडे

साधारण देसी खाने के अलावा रोहित शर्मा अपनी डाइट में प्रोटीन के लिए अंडों को अहम मानते हैं. हालांकि, बचपन में उनके घर पर अंडे नहीं बनते थे. अपने बचपन का एक दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए उन्होंने बताया, 'मैं अंडे बहुत पसंद करता हूं, बचपन से खाना पसंद करता हूं. अंडों में काफी प्रोटीन भी होता है. हमारे घर में अंडे बनते नहीं थे, तो मेरे जो कोच थे, वे ऊपर रहते थे।

मेरा बच्चा मेरी हर बात मानता है'.. खुश होने से पहले जान लें इसके साइड इफेक्ट्स, छीन सकती है बच्चे की सोचने की क्षमता

अक्सर हर बात मानने वाले बच्चे को हम अच्छे संस्कार वाला मान लेते हैं. लेकिन हमेशा 'हाँ' कहने की यह आदत उसके मेंटल ग्रोथ के लिए खतरनाक साबित हो सकती है. अत्यधिक आज्ञाकारिता के चक्कर में बच्चे खुलकर अपने विचार व्यक्त करने की क्षमता खो देते हैं. उनमें खुद फैसले न ले पाने और 'ना' न कह पाने की झिझक घर कर जाती है. जानिए अधिक आज्ञाकारी बच्चों में दिखने वाले साइड इफेक्ट्स और सही पैरेंटिंग टिप्स.

हमारी सोसायटी उस बच्चे को सबसे 'संस्कारी' और 'सुलझा हुआ' मान लेती है जो बड़ों की हर बात बिना कोई सवाल उठाए चुपचाप मान लेता है. माता-पिता भी रिश्तेदारों और पड़ोसियों के सामने बड़े गर्व से कहते हैं, 'मेरा बच्चा तो बहुत सीधा है, कभी आगे से जवाब ही नहीं देता, जो कहो चुपचाप कर लेता है.' लेकिन क्या आपने कभी ठहरकर सोचा है कि हर बात में 'हाँ' में सिर हिलाने की यह आदत आपके बच्चे के दिमाग और उसकी पर्सनैलिटी पर क्या असर डाल रही है?

अपनी बात न कह पाने का डर और घुटन-

जब बचपन से ही बच्चों को हर बात पर चुप रहना और हां में हां कहना सिखाया जाता है, तो यह उनके दिमाग की प्रोग्रामिंग का हिस्सा बन जाता है. उन्हें धीरे-धीरे यह लगने लगता है कि अपनी कोई राय रखना या बड़ों के सामने बोलना उनका अधिकार ही नहीं है.

ऐसे बच्चे जब बड़े होते हैं और जिंदगी के किसी मोड़ पर उन्हें अपने हक के लिए बोलना होता है, तब भी वे खामोश रह जाते हैं. बचपन से बैठा यह डर उनके स्वभाव में इस कदर रच-बस जाता है कि बड़े होने के बाद भी वे चाहकर अपनी आवाज नहीं उठा पाते और हमेशा झिझक में जीते हैं.

आज्ञाकारिता या डांट का खौफ?

बच्चा सच में आपकी बात का सम्मान कर रहा है या फिर माता-पिता का प्यार और तारीफ खोने के डर से 'हाँ' कह रहा है—इन दोनों बातों में बहुत बारीक अंतर होता है.

मान लीजिए, आपने बच्चे को किसी काम के लिए कहा और उसने बिना एक पल सोचे अपना पसंदीदा कार्टून देखना या दोस्तों के साथ खेलने का प्लान रद्द कर दिया. यह हमेशा अच्छे संस्कारों की निशानी नहीं होती. कई बार बच्चा ऐसा सिर्फ इसलिए करता है क्योंकि उसके मन में यह खौफ होता है कि 'ना' कहने पर मम्मी-पापा गुस्सा हो जाएंगे या उसे 'बुरा बच्चा' समझ लेंगे।

57 साल के रवि किशन ने घटाया 18 किलो वजन, गाय-भैंस नहीं, इस फल का पीते हैं दूध, कहा- 'मैं शुद्ध शाकाहारी हूं...'

57 की उम्र में 18 किलो वजन कम कर रवि किशन ने अपनी फिटनेस से खूब ध्यान खींचा है. एक बातचीत में उन्होंने अपनी डाइट और एक्सरसाइज रूटीन के बारे में बताया. रवि किशन पूरी तरह शाकाहारी हैं और अंडा भी नहीं खाते. जानिए फिट रहने के लिए कैसी डाइट और लाइफस्टाइल फॉलो करते हैं...

भोजपुरी फिल्मों से लेकर हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बनाने वाले गोरखपुर से सांसद रवि किशन अपनी दमदार एक्टिंग और एनर्जेटिक अंदाज के लिए जाने जाते हैं.

इन दिनों वह सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं, तरह-तरह के फनी मीम्स शेयर हो रहे हैं. इसके अलावा 57 साल की उम्र में भी वह काफी फिट हैं. उन्होंने अपनी फिटनेस जर्नी के दौरान 18 किलो वजन कम करने की बात कही है. एक हालिया बातचीत में उन्होंने अपनी डाइट और फिटनेस रूटीन के बारे में भी खुलकर बताया. रवि किशन के मुताबिक, वह पूरी तरह शाकाहारी हैं और अंडा भी नहीं खाते. वह अपनी डाइट में सब्जियों और प्लांट-बेस्ड फूड्स को खास जगह देते हैं.

पूरी तरह शाकाहारी हैं रवि किशन

रेड इंक को दिए एक इंटरव्यू में रवि किशन ने बताया कि वह प्योर वेजिटेरियन हैं. यानी उनकी डाइट में मांस, मछली और अंडा शामिल नहीं है. उन्होंने यह भी बताया कि प्रोटीन के लिए अंडा खाना जरूरी नहीं है और शाकाहारी भोजन में भी प्रोटीन के कई स्रोत मौजूद हैं. दालें, बीन्स, चना, राजमा, सोया, पनीर और डेयरी उत्पाद जैसे खाद्य पदार्थ शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन के अच्छे स्रोत हो सकते हैं

.कच्ची सब्जियों को भी देते हैं जगह

रवि किशन ने अपनी बातचीत में कच्ची सब्जियों का भी जिक्र किया. सब्जियां फाइबर, विटामिन, मिनरल और कई तरह के प्लांट कंपाउंड्स प्रदान करती हैं. सलाद के तौर पर खाई जाने वाली सब्जियां डाइट में फाइबर बढ़ाने का आसान तरीका हो सकती हैं. हालांकि हर सब्जी को कच्चा खाना जरूरी नहीं है. कुछ सब्जियों को पकाने से उनका पाचन आसान हो सकता है और कुछ पोषक तत्व शरीर के लिए ज्यादा उपलब्ध हो सकते हैं.

रवि किशन ने बताया कि वह अब सामान्य दूध नहीं लेते और इसकी जगह नारियल का दूध इस्तेमाल करते हैं. हालांकि नारियल का दूध और गाय या भैंस का दूध पोषण की दृष्टि से एक जैसे नहीं होते. नारियल के दूध में प्रोटीन अपेक्षाकृत कम होता है, इसलिए अगर कोई व्यक्ति डेयरी मिल्क की जगह इसे लेता है तो उसे प्रोटीन और कैल्शियम जैसे पोषक तत्वों के दूसरे स्रोतों पर भी ध्यान देना चाहिए.

रवि किशन ने बताया है कि एक्सरसाइज उनकी लाइफस्टाइल का जरूरी हिस्सा है. नियमित शारीरिक गतिविधि शरीर को सक्रिय रखने, मांसपेशियों की ताकत बनाए रखने और वजन प्रबंधन में मदद कर सकती है. खासकर 50 की उम्र के बाद स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और पर्याप्त प्रोटीन पर ध्यान देना मांसपेशियों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है ।

क्या आप सही इंसान के साथ हैं? Green Flags और Red Flags बताएंगे रिश्ते की सच्चाई, यही तय करते हैं प्यार का भविष्य

किसी भी रिश्ते की मजबूती केवल प्यार से नहीं, बल्कि सम्मान, भरोसे और स्वस्थ संवाद से तय होती है. Green Flags अच्छे रिश्ते की पहचान हैं, जबकि Red Flags समय रहते पहचान लेना जरूरी है ताकि भविष्य में भावनात्मक परेशानियों से बचा जा सके.

रिश्तों की शुरुआत अक्सर खूबसूरत एहसासों से होती है. प्यार, भरोसा और साथ निभाने के वादे हर रिश्ते को खास बनाते हैं. लेकिन समय के साथ कई बार छोटी-छोटी बातें यह संकेत देने लगती हैं कि रिश्ता मजबूत हो रहा है या धीरे-धीरे कमजोर पड़ रहा है. ऐसे में सिर्फ प्यार ही काफी नहीं होता, बल्कि यह समझना भी जरूरी होता है कि सामने वाला व्यक्ति आपके लिए सही है या नहीं. आजकल सोशल मीडिया पर Green Flags और Red Flags जैसे शब्द खूब सुनने को मिलते हैं.

ये केवल ट्रेंडिंग टर्म नहीं हैं, बल्कि रिश्ते की सेहत को समझने का आसान तरीका भी हैं. अगर इन संकेतों को समय रहते पहचान लिया जाए तो भविष्य में कई भावनात्मक परेशानियों से बचा जा सकता है.

रिश्तों में Green Flags क्या होते हैं?

Green Flags ऐसे सकारात्मक संकेत हैं जो बताते हैं कि आपका रिश्ता स्वस्थ, सम्मानजनक और भरोसेमंद है. अगर आपका पार्टनर आपकी बात ध्यान से सुनता है, आपकी भावनाओं की कद्र करता है और मुश्किल समय में आपका साथ देता है, तो ये अच्छे रिश्ते की निशानी मानी जाती है. हर रिश्ते में मतभेद होना सामान्य बात है, लेकिन जब बहस के बाद दोनों लोग एक-दूसरे को समझने की कोशिश करें और समाधान निकालें, तो यह रिश्ता लंबे समय तक टिकने की संभावना बढ़ाता है. इसी तरह आपकी सफलता से खुश होना, आपके फैसलों का सम्मान करना और आपको बदलने की कोशिश न करना भी Green Flags में शामिल हैं.

1. बातचीत खुलकर और ईमानदारी से होती है.
2. भरोसा बिना किसी अनावश्यक शक के बना रहता है.
3. दोनों एक-दूसरे की निजी सीमाओं का सम्मान करते हैं.
4. गलतियों पर आरोप लगाने के बजाय समाधान तलाशते हैं.
5. भविष्य की योजनाओं में एक-दूसरे को शामिल करते हैं.

सकती हैं ।

'विश्व आदिवासी दिवस' विशेष

विरासत और विकास के दोराहे पर आदिवासी

डॉ. संजय शुक्ला

हर साल 9 अगस्त को भारत सहित दुनिया भर में 'विश्व आदिवासी दिवस' पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष इस दिवस की थीम 'आदिवासी दाइयों का सम्मान, जीवन और कल्याण की रक्षा' रखा गया है। इसका उद्देश्य आदिवासी समुदाय में दाइयों द्वारा पीढ़ियों से सहेजे गए स्वास्थ्य ज्ञान और संस्कृति का सम्मान है। इस थीम का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में जनजातीय दाइयों के योगदान को रेखांकित करना है। बिलाशक आदिवासी समुदाय में स्वास्थ्य को लेकर सदियों से परंपरागत ज्ञान रहा है बल्कि उन्हें वनौषधियों का सर्वोत्तम ज्ञान और अनुभव है। आज जरूरत भारत के इस जनजातीय ज्ञान परंपरा को संरक्षित और संवर्धित करने की है आखिरकार यह बौद्धिक संपदा से जुड़ा मसला है।इतिहास पर गौर करें तो साल 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की शुरुआत की गई। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य जनजातीय समुदायों के अधिकारों, संस्कृति और भाषा को संरक्षित करते हुए उनका सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण करना है।

आधुनिक विकास की आंधी में जब आदिवासी संस्कृति, विरासत और परम्पराओं को तहस-नहस करने के लिए आमादा है तब इस दिवस की सार्थकता और उद्देश्य पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। गौरतलब है कि भारत जैसे चुनावी राजनीति वाले देश में 2011 के जनगणना के मुताबिक आदिवासियों की आबादी का 8.6 फीसदी है। यह आबादी अनेक राज्यों के सियासत और चुनाव परिणामों को प्रभावित करने का ताकत रखती है। आदिवासियों की प्रभावी जनसंख्या के चलते हर सियासी दल इस 'वोटबैंक' को साधने के लिए हरसंभव कोशिश करते हैं। सरकार के साथ ही आदिवासियों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती उनकी सदियों पुरानी विरासत को सहेज कर विकास योजनाओं को क्रियान्वित करना है। दरअसल आदिवासी विकास के विरोधी नहीं हैं बल्कि वे ऐसा विकास चाहते हैं जिसमें उनकी सदियों पुरानी साझा विरासत जल, जंगल, जमीन और लोक संस्कृति, नृत्य , कला, परंपरा, भाषा, शिल्प कला , धार्मिक प्रथाएं और रीति-रिवाज सुरक्षित रहें।

देश की आजादी के बाद सरकारों ने जनजातीय समुदायों के विकास, कल्याण और सशक्तिकरण के लिए दर्जनों योजनाएं लागू की है बावजूद यह समाज अभी भी विकास के कैनवास पर हाशिए पर है। दुर्गम इलाकों के आदिवासी अभी भी अशांति, गरीबी, अशिक्षा, कुपोषण, जबरिया भूमि अधिग्रहण, विस्थापन और मानवाधिकारों के उत्पीड़न से जूझ रहा है। अहम सवाल यह कि आखिरकार आजादी के आठ दशकों बाद भी देश का आदिवासी राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक शोषण का शिकार क्यों हो रहा है? सीधे तौर पर इसके लिए राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक परिस्थितियां जिम्मेदार है। इसके अलावा स्वयं आदिवासी समुदाय में व्याप्त अशिक्षा, रूढ़िवादी परंपरा, अंधविश्वास जैसे कुव्यवस्था भी उनके पिछड़ेपन के लिए जवाबदेह है।हालांकि अब परिस्थितियां करवट बदलने लगी है और जनजातीय समुदाय अपने अधिकारों और विकास के प्रति जागरूक होने लगा है। शिक्षा के प्रसार के चलते आदिवासियों की नयी पीढ़ी जो सोशल मीडिया की ताकत से लबरेज है वह मुखर हो रहा है और सत्ता तथा व्यवस्था से सवाल करने लगा है। बहरहाल आदिवासी समुदाय अभी तक सियासी दलों के लिए महज एक 'वोटबैंक' था लेकिन अब इस समुदाय को सत्ता और संगठन का नेतृत्व भी सौंपा जा रहा है जो सुखद है। इसके बावजूद अभी भी जनजातीय विरासत और विकास से जुड़े काफी सारे सवाल अनुत्तरित हैं ।

गौरतलब है कि आदिवासी समाज वास्तव में एक ऐसा समुदाय है जो आधुनिक विकास की तेज बयार के बावजूद आज भी जंगल, पुरातन सभ्यता, संस्कृति, रीति-रिवाज, लोककला, भाषा, धार्मिक परंपराओं से जुड़ा हुआ है।आदिवासी जिन जंगलों में निवास करते हैं वहाँ देश की 90 फीसदी खनिज संपदा, 71 फीसदी जंगल और 70 फीसदी जलस्रोत हैं।देश के राजनेताओं, नौकरशाही, कॉर्पोरेट घरानों और बिचौलियों का नापाक गठजोड़ की कुदृष्टि इसी बेशकीमती विरासत पर है। आधुनिक विकास की सनक आदिवासियों को बेदखल कर जंगल को उजाड़ने और पहाड़ों को खोदने के लिए आमादा है।दरअसल जंगलों की आदिवासियों के सामाजिक व धार्मिक रीति- रिवाजों में महत्वपूर्ण भूमिका है ऐसे में आदिवासी प्रकृति के साथ हो रहे निर्ममता से उद्वेलित हैं फलस्वरूप उनका सरकार व प्रशासन के साथ टकराव बढ़ रहा है।

आदिवासी समाज एक ओर जहां अपने प्रकृति, संस्कृति और परंपराओं को बचाने के लिए जद्दोजहद कर रहा है वहीं इस समुदाय में हो रहा धर्मांतरण और मानव तस्करी 'ह्यूमन ट्रैफिकिंग' जनजातीय समाज और सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। बिलाशक देश में धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी नागरिक के लिए संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार है परंतु प्रलोभन, गरीबी और अशिक्षा के चलते सुनियोजित धर्मांतरण को उचित नहीं ठहराया जा सकता है। हाल के दिनों में छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों से धर्मांतरण और धर्मांतरित मृतकों के अंतिम संस्कार को लेकर तनाव की खबरें लगातार आ रही है जिससे कानून और व्यवस्था की स्थितियां निर्मित हो रही है। छत्तीसगढ़ सहित जनजातीय बहुल झारखंड और मध्यप्रदेश में आदिवासी महिलाओं और बालिकाओं के मानव तस्करी के बढ़ते मामले चिंताजनक है। अलबत्ता सरकार को अनैतिक ढंग से धर्मांतरण और मानव तस्करी के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत है। राजनीतिक दलों को भी इस समस्या के प्रति एकजुटता दिखानी होगी आखिरकार यह जनजातीय समुदाय के अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा मसला है।

मैं उन्हीं किरदारों को करना पसंद करती हूं, जिनसे मैं जुड़ाव महसूस करती हूं: वेदिका पिंटो

मुंबई । अभिनेत्री वेदिका पिंटो इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। अभिनेत्री ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया कि वे भविष्य में हर तरह के रोल करना पसंद करेंगी।

अभिनेत्री का मानना है कि सुरक्षित विकल्प जैसी कोई चीज नहीं होती है, क्योंकि किसी को नहीं पता कि कौन-सी फिल्म, सीरीज या किरदार दर्शकों के मन को भा जाए। उन्होंने कहा, 'सच कहूं, तो मैं हर तरह के रोल करना पसंद करूंगी, क्योंकि मेरा मानना है कि 'सुरक्षित विकल्प' जैसी कोई चीज नहीं होती क्योंकि एक्टर, प्रोड्यूसर और यहां तक कि प्लेटफॉर्म भी इसका अंदाजा नहीं लगा सकते कि जनता को कौन सा प्रोजेक्ट पसंद आ जाए। इसलिए मैं बस खुद को चुनौती देना चाहती हूं, खुद को हैरान करना चाहती हूं और काम करते रहना चाहती हूं।'

अभिनेत्री ने आगे अपने द्वारा निभाए किरदारों को जिक्र करते हुए कहा, 'अगर आप 'मुसाफिर कैफे' में मेरा सुधा का किरदार देखें और 'निशांची' में रिंकू का, तो दोनों ही किरदार कई परतों वाले, जटिल और कमियों वाले हैं। मैं रोल यह सोचकर नहीं चुनती कि वे मेरी इमेज कैसे बदलेंगे। मैं उन्हें इसलिए चुनती हूं क्योंकि मैं उनसे जुड़ाव महसूस करती हूं।'

मीडिया ने सवाल पूछा, 'इंडस्ट्री में कॉम्पिटिशन बहुत बढ़ गया है। आप अपनी अलग पहचान बनाए रखते हुए उस दबाव को कैसे संभालती हैं? साथ ही, आप उस वेदिका को क्या सलाह देंगी जो अभी शुरुआत कर रही थी?'

अभिनेत्री ने कहा, 'मेरा मानना ??है कि असली कॉम्पिटिशन खुद से ही होता है। हर एक्टर का सफर अलग होता है, इसलिए मैं कभी खुद की तुलना दूसरों से नहीं करती। अगर मैं अपने पुराने रूप से कुछ कह पाती, तो बस यही कहती, 'आगे बढ़ती रहो' मैं आगे बढ़ती रही, और इसीलिए आज मैं यहां बैठी हूं।'

लोकप्रिय रोमांटिक ड्रामा वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' दिव्य प्रकाश दुबे के प्रसिद्ध उपन्यास पर आधारित है और इसका निर्देशन रोचर अरुण ने किया है। इसमें विक्रांत मैसी, वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज 24 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

सवाल: कॉम्पिटिशन के दौर में खुद को कैसे रखती हैं अलग?

आईएएनएस ने सवाल घुछा, "इंडस्ट्री में कॉम्पिटिशन बहुत बढ़ गया है। आप अपनी अलग पहचान बनाए रखते हुए उस दबाव को कैसे संभालती हैं? साथ ही, आप उस वेदिका को क्या सलाह देंगी जो अभी शुरूआत कर रही थी?"

जवाब: असली कॉम्पिटिशन खुद से होता है

अभिनेत्री ने कहा, "मेरा मानना है कि असली कॉम्पिटिशन खुद से ही होता है। हर एक्टर का सफर अलग होता है, इसलिए मैं कभी खुद की तुलना दूसरों से नहीं करती। अगर मैं अपने पुराने रूप से कुछ कह पाती, तो बस यही कहती, 'आगे बढ़ती रहो' मैं आगे बढ़ती रही, और इसीलिए आज मैं यहां बैठी हूं।"

मुसाफिर कैफे: एक खास कहानी

- प्रसिद्ध उपन्यासकार दिव्य प्रकाश दुबे के लोकप्रिय उपन्यास पर आधारित
- निर्देशन: रोचर अरूण
- मुख्य कलाकार: विक्रांत मैसी, वेदिका पिंटो, महिमा मकवाना
- स्ट्रीमिंग: 24 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध

"मैं खुद को चुनौती देना चाहती हूं, खुद को हैरान करना चाहती हूं और काम करते रहना चाहती हूं। – वेदिका पिंटो"

अली गोनी की वजह से मेरे गेम में आया था सुधार, तभी आखिर तक टिका रहा : अर्सलन गोनी

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता अर्सलन गोनी इन दिनों वेब रियलिटी शो 'द अलायंस' को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेता ने आईएएनएस के साथ बातचीत में अपने और अली गोनी के बीच बॉन्ड के बारे में बात की।

अभिनेता ने माना कि शो में अली गोनी के आने से उनके गेम में थोड़ा सुधार जरूर आया था। उन्होंने कहा, 'हां, अली के आने के बाद, मैं थोड़ा और तेज हो गया था और आखिरी दिन तक टिका रहा, तब भी जब पूरा घर चाहता था कि मैं चला जाऊं।'

उन्होंने आगे बताया कि उनके इस तरह से गेम खेलने पर दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। उन्होंने कहा, 'शो में मैंने हालातों के हिसाब से ही खेला था। मैं वहां पर कोई बनी-बनाई स्ट्रेटजी लेकर नहीं गया था। मैं बस यह देख रहा था कि मैं एक और हफ्ता टिक पाऊंगा या नहीं और अब मुझे लगता है कि मैं काफी अच्छे से टिका रहा।'

अभिनेता ने जब आईएएनएस ने सवाल किया कि शो में आपके और सोहैल के बीच असल में क्या हुआ था? इस पर अर्सलन गोनी ने बताया कि लोगों की ये गलतफहमी थी कि सोहैल भाई मुझसे नाराज होकर शो छोड़कर चले गए थे। लेकिन, ऐसा बिल्कुल नहीं था।

उन्होंने कहा, 'जब सोहैल भाई वापस आए और मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने मुझे एकदम अलग वजह बताई।

मैं कहूंगा कि जिन्हें ऐसा लग रहा है कि हम दोनों के बीच कुछ हुआ है, तो उन्हें पूरा एपिसोड देखना चाहिए। जो असल में हुआ है उसे देखे बिना किसी भी तरह की अटकलों पर भरोसा मत कीजिए।'

अर्सलन गोनी ने आगे बताया, 'मैं इससे बिल्कुल सहमत नहीं हूं। मैंने तो यही सुना है कि मैं कभी भी बिना वजह गुस्सा नहीं हुआ।

बल्कि लोग कह रहे हैं कि मैं बहुत शालीन था और मैंने न तो अपना आपा खोया और न ही किसी से बदतमीजी से बात की। इसलिए मैं इस सोच से सहमत नहीं हूं। जो भी ऐसा कह रहा है, मैं उससे पूरी तरह असहमत हूं।

हर गाने की अपनी टाइमलाइन, कुछ हिट होने में साल लग जाते हैं : अमाल मलिक

मुंबई । इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'आवारापन 2' के गाने 'ये आवारापन' को कंपोज करने वाले म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने बताया कि वे कैसे उन गानों के साथ डील करते हैं जो रिलीज के समय तो नहीं चले, लेकिन वर्षों बाद बहुत बड़े हिट बन गए।

म्यूजिक कंपोजर ने मुंबई के बीकेसी इलाके में फिल्म के प्रमोशन के दौरान आईएएनएस से ??बात की और कहा कि उनके कई ऐसे गाने हैं जिनका सफर बहुत मुश्किलों भरा रहा है।

उन्होंने मीडिया से कहा, 'मेरे पास ऐसे कई गाने हैं। मेरा मानना है कि हर गाने की अपनी एक टाइमलाइन होती है। किस्मत भी होती है। यह मूड, एनर्जी और इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप इसे किसके साथ बना रहे हैं। अगर सबकी एनर्जी अच्छी हो, तो गाने भी शानदार बनते हैं। कभी-कभी आप बहुत अच्छा गाना बनाते हैं, लेकिन यह फिल्म और हीरो पर भी निर्भर करता है। हमारे देश में म्यूजिक एक विजुअल मीडियम है। लोग पहले गाने देखते हैं, फिर सुनते हैं। इसलिए यह मायने रखता है कि गाना किस चेहरे पर फिल्माया गया है और उसकी मार्केटिंग कैसी हुई है। अमाल मलिक ने कहा कि आज के दौर में सिर्फ अच्छा म्यूजिक ही काफी नहीं है, क्योंकि इसके लिए मार्केटिंग की ताकत, लोगों की सोच और सही पोजिशनिंग जैसे कई और फैक्टर भी जरूरी हैं। उन्होंने कहा, 'आज ऐसा समय नहीं है कि आपने बहुत अच्छा गाना बनाया और वह तुरंत देखा जाने लगेगा। हो सकता है कि वह धीरे-धीरे देखा जाए, लेकिन अगर आप तुरंत कामयाबी चाहते हैं जैसे कल ही 100 मिलियन व्यूज या 5 लाख रील्स बन जाएं तो ऐसा हर गाने के साथ नहीं हो सकता।

मेरी सफलता का श्रेय पति करण को जाता है, हर कदम पर दिया साथ: सुरभि चंदना

विश्व केसरी

मुंबई । टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री सुरभि चंदना पति के साथ पिछले कई समय से शादी के बंधन में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि करियर के हर पड़ाव पर पति उनके लिए बड़ा सपोर्ट बनकर सामने आए। साथ ही, जरूरत बनने पर परिवार के खास मौकों का भी त्याग किया।

अभिनेत्री ने बताया कि दोनों 21 साल की उम्र से एक-दूसरे के साथ हैं। अब हम दोनों 36 साल के हो गए हैं। हमने साथ में सब कुछ देखा है। असल में हम साथ-साथ में ही बड़े हुए हैं।'

एक्ट्रेस ने बताया कि इन वर्षों में दोनों ने एक-दूसरे की पर्सनल और प्रोफेशनल कामयाबियां देखी हैं। उन्होंने मुझे एमबीए करते हुए देखा, मैंने उन्हें लंदन में एमबीए करते हुए देखा। फिर मैं एक्ट्रेस बनी। उन्होंने मेरी पूरी एक्टिंग यात्रा को देखा है।'

सुरभि चंदना ने बताया कि कैसे पति करण उनके साथ ऑडिशन में साथ जाया करते थे और जब वह अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश कर रही होती थीं, तो वह सब्र के साथ उनका इंतजार करते थे। उन्होंने बताया, 'करण मुझे ऑडिशन में ले जाया करते थे। मैं लाइन में खड़ी रहती थी और वह कार में मेरा इंतजार किया करते थे। ऐसे में करण ने अपने परिवार के कई जरूरी सेलिब्रेशन तक छोड़े हैं, क्योंकि उनके लिए मेरा ऑडिशन ज्यादा जरूरी होता था।'

अभिनेत्री ने कहा, 'मेरी कामयाबी का श्रेय करण को जाता है। बेशक, मेरी मां भी मुझे ऑडिशन के लिए ले जाती थीं, लेकिन करण इस यात्रा के हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं।

आज भी अगर हम कुछ बड़ा हासिल कर लेते हैं, तो हम साथ मिलकर उसे सेलिब्रेट करते हैं। यह हमेशा से छोटा सेलिब्रेशन होता है, कभी कोई बड़ी पार्टी नहीं होती। हां, हमें घूमना-फिरना पसंद है, लेकिन उससे भी ज्यादा हमें खाना पसंद है।

इसलिए हम डेट नाइट प्लान करते हैं। कभी-कभी हम मॉस्को में सेलिब्रेट करते हैं, कभी मालदीव में, तो कभी मलेशिया में। हमने कड़ी मेहनत की है और पैसे कमाए हैं, इसलिए हम ऐसा कर सकते हैं।

सामंथा रुथ प्रभु ने फैंस के साथ शेयर की मैटरनिटी मोमेंट्स की तस्वीरें, लिखा खास नोट

विश्व केसरी

मुंबई । साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु मां बनने जा रही हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गर्भावस्था के खूबसूरत पलों को फैंस संग शेयर किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्हें मैटरनिटी से जुड़ी एक किताब पढ़ते हुए देखा गया। एक तस्वीर में, अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु सोफे पर लेटी हुई इना मे की 'गाइड टू चाइल्डबर्थ' किताब पढ़ती हुई दिखीं। उन्होंने कैप्शन लिखा, 'अगस्त एनर्जी' और साथ में सफेद दिल वाले इमोजी भी लगाए।

काफी समय से अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की खबरें चल रही थीं। इन पर अभिनेत्री ने मीडिया के साथ बातचीत के दौरान जल्द ही मैटरनिटी ब्रेक लेने की बात कही थी।

सामंथा ने पिछले साल दिसंबर में एक छोटी सी सेरेमनी में फिल्ममेकर राज निदिमोरू से शादी की थी। अभिनेत्री इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मां इंति बंगारम' की सफलता का जश्न मना रही हैं। यह एक महिला प्रधान एक्शन-फैमिली ड्रामा है, जो बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है। फिल्म में गुलशन देवैया, दिगंत और गौतमी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं।

फिल्म की कहानी स्वर्ण (सामंथा) और उसके पति अनिरुद्ध के इर्द-गिर्द घूमती है, जो परिवार की बिना मर्जी के शादी करने के बाद पहली बार अपने पति के परिवार से मिलने गांव जाती है। शुरुआत में परिवार में उनका कड़ा स्वागत होता है और स्वर्ण सबका दिल जीतने की कोशिश करती है, हालांकि स्वर्ण जैसी दिखती है, उसका अतीत उससे बिल्कुल अलग और एक खतरनाक, हिंसक दुनिया से जुड़ा होता है जो अचानक सामने आ जाता है।

बी.वी. नंदिनी रेड्डी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सामंथा ने 'स्वर्ण' नाम की एक महिला का किरदार निभाया है, जो अपने अतीत को छिपाकर शांत पारिवारिक जीवन जी रही है। फिल्म की कहानी राज और डीके द्वारा लिखी गई है।

'टॉलीवुड के प्रिंस' महेश बाबू मनाएंगे 51वां जन्मदिन, कभी रीमेक फिल्मों में काम नहीं किया

विश्व केसरी

हैदराबाद । टॉलीवुड के प्रिंस कहे जाने वाले अभिनेता महेश बाबू रविवार को 51वां जन्मदिन मनाएंगे। उनका जन्म 9 अगस्त, 1975 को चेन्नई में हुआ था। फैंस धूमधाम से उनका जन्मदिन मनाने को बेताब हैं।

उन्होंने चेन्नई के सेंट बेडे एंग्लो इंडियन हायर सेकेंडरी स्कूल से पढ़ाई की है। महेश बाबू ने बचपन से ही अभिनय करना शुरू कर दिया था, लेकिन कुछ वक्त कर ब्रेक लेकर उन्होंने पढ़ाई पूरी की। वर्ष 1999 में उन्होंने लीड एक्टर को तौर पर फिल्म 'राजा कुमारुदु' से अभिनय की शुरुआत की। उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में अभिनय किया है। उन्होंने 2 दशक के लंबे करियर में 40 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया है।

एक अभिनेता के तौर पर महेश बाबू काफी फैंस के दिलों में राज करते हैं। एक्टर के अलावा वे फिल्म निर्माता भी हैं। फैंस उनको 'प्रिंस ऑफ टॉलीवुड' कहते हैं। उन्होंने कभी रीमेक फिल्मों में काम नहीं किया है। उनका खुद का प्रोडक्शन हाउस भी है। उनको फैमिली मैन के नाम से भी जाना जाता है। अभिनेता महेश बाबू अपनी कमाई का 30 प्रतिशत दान में देते हैं। यह कारण है कि वे कई विज्ञापन करते हुए दिखते हैं। वे इकलौते ऐसे अभिनेता हैं, जिनका स्टैच्यू सिंगापुर के मैडम तुसाद म्यूजियम में लगा है। उनकी फैन फॉलोइंग इस कदर है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले दक्षिण भारतीय सितारे हैं।

अभिनेता महेश बाबू ने अभिनेत्री नम्रता शिरोडकर से वर्ष 2005 में शादी की थी। नम्रता से उनकी मुलाकात वर्ष 2000 में फिल्म 'वामसी' के सेट पर हुई थी। शादी के बाद नम्रता ने अभिनय की दुनिया को छोड़ दिया था। वे हैदराबाद में परिवार के साथ रहती हैं और महेश बाबू का काम संभालती हैं।

यूक्रेन संघर्ष के बीच न्यूजीलैंड ने रूस समर्थक 33 लोगों और कंपनियों पर लगाए प्रतिबंध

विश्व केसरी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने शनिवार को यूक्रेन के साथ रूस के संघर्ष का समर्थन करने वालों के खिलाफ नए दौर के प्रतिबंधों की घोषणा की। विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स द्वारा बताए गए सैंक्शन पैकेज में 33 लोगों और कंपनियों को टारगेट किया गया था।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजीलैंड ने मार्च 2022 में रूस पर प्रतिबंध लगाने वाला अधिनियम (रशिया सैंक्शन एक्ट) लागू किया था और तब से अब तक 36 राउंड के प्रतिबंध में 2,000 से ज्यादा लोगों, कंपनियों और जहाजों के खिलाफ कार्रवाई की है। एक अलग डेवलपमेंट में अमेरिकी सीनेट ने एक बड़ा रूस सैंक्शन बिल पास किया है जिसमें भारत का नाम नहीं है, लेकिन यह उसे और रूसी ऊर्जा के दूसरे बड़े खरीदारों को 100 फीसदी तक के टैरिफ के दायरे में ला सकता है। सीनेट से 86-11 वोट से पास हुआ लिंडसे ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 अब हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स में जाएगा, जहां वरिष्ठ डेमोक्रेट्स ने इसके टैरिफ प्रोविजन पर ऐतराज जताया है।

इस कानून के तहत सरकार को व्यापारिक डेटा का इस्तेमाल करके देशों की पहचान करनी होगी, न कि कानून में उनका नाम बताना होगा। इसमें रूसी क्रूड ऑयल के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर, रूसी प्रकृतिक गैस के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर और रूसी तेल प्रतिबंध से बचने में मदद करने वाले पांच बड़े देश शामिल हैं। ये फैसले सबसे हाल के 12 महीने के समय के आधार पर होंगे और हर 180 दिन में उनकी समीक्षा की जाएगी। यह बिल रूसी अधिकारियों, अमीर लोगों, उनके परिवार के सदस्यों, बैंकों और फाइनेंशियल संस्थानों पर प्राइमरी और सेकेंडरी प्रतिबंध लगाएगा। यह यूक्रेन में मॉस्को की लड़ाई का समर्थन करने वाले विदेशी लोगों और तेल ट्रांसपोर्ट करने और प्रतिबंध से बचने के लिए इस्तेमाल होने वाले रूस के तथाकथित शैडो फ्लीट को भी टारगेट करता है।

इस कानून का नाम रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के नाम पर रखा गया, जिन्होंने 11 जुलाई को अपनी अचानक मौत से पहले व्हाइट हाउस के साथ एक समझौते पर बातचीत की थी। उनकी मौत के बाद सीनेटरों ने इस कदम पर काम तेज कर दिया। यह 1996 का ईरान सैंक्शन्स एक्ट भी 2031 तक बढ़ा देगा। यह कानून ईरान के ऊर्जा सेक्टर में निवेश करने वाली कंपनियों को सजा देता है।

यमन ने यूएनएससी के बयान का किया स्वागत, कहा- 'यही सही रास्ता'

विश्व केसरी

सना। यमन के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के उस बयान का स्वागत किया है, जिसमें सना और होदेइदाह हवाईअड्डों पर ईरानी विमानों की कथित अनधिकृत लैंडिंग को यमन की 'संप्रभुता का उल्लंघन' बताया है। सुरक्षा परिषद ने हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब और वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हमलों की भी निंदा की है।

सरकारी समाचार एजेंसी सना के हवाले से जारी बयान में यमनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा परिषद की ओर से यमन की संप्रभुता पर जोर दिया जाना सरकार के उस रुख को मजबूत करता है कि राज्य की संस्थाओं को बहाल करना और देश के सभी हिस्सों में उनका अधिकार स्थापित करना ही यमन में सुरक्षा और स्थिरता हासिल करने का 'सही रास्ता' है। मंत्रालय ने कहा कि हूती विद्रोहियों के लगातार हमले और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए उनके खतरे को देखते हुए सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों को प्रभावी ढंग से लागू करना जरूरी है।

यमनी विदेश मंत्रालय ने हूती विद्रोहियों तक हथियारों, सैन्य तकनीक और सैन्य विशेषज्ञता की आपूर्ति रोकने की जरूरत पर भी जोर दिया। बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से यमन की सरकारी संस्थाओं को मजबूत करने और उनकी क्षमताओं को बढ़ाने की अपील की गई, ताकि वे देश की संप्रभुता की रक्षा करने के साथ-साथ उसके तटों, क्षेत्रीय जलक्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

यमन में लंबे समय से जारी संघर्ष का असर सिर्फ देश की आंतरिक स्थिति तक सीमित नहीं है। लाल सागर और आसपास के समुद्री मार्गों में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों ने क्षेत्रीय सुरक्षा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए भी गंभीर चुनौती पैदा की है। गुरुवार को ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब और यमन में एक साथ बड़े हमले किए थे। पहला हमला यमन सरकार के मिलिट्री ठिकानों पर किया गया था ।

संक्षिप्त खबर

बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बढ़ाः मरने वालों की संख्या 59 हुई, मामले 18,000 के करीब

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब तक 59 लोगों की मौत हो गई है जबकि इस साल अब तक 17,880 मामले सामने आए हैं। स्थानीय मीडिया ने स्वास्थ्य महानिदेशालय यानी डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के हवाले से इसकी जानकारी दी। डीजीएचएस के अनुसार, ढाका डिवीजन इससे सबसे ज्यादा पीड़ित क्षेत्र है। कुल 6,871 दर्ज मामले रिपोर्ट हुए जिसमें से 4,404 मामले तो शहर के ही थे। 3,647 केस के साथ, बारिशाल डिवीजन दूसरे नंबर पर रहा, इसके बाद चटगांव में 3,082 और खुलना में 2,272 केस दर्ज किए गए। ढाका डिवीजन में मृतकों की संख्या भी सबसे अधिक है। सूची में ये सबसे ऊपर है, कुल 26 में से 25 ढाका में हुईं। बांग्लादेश के जाने-माने अखबार 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के मुताबिक, खुलना में 12 लोगों की मौत हुई, इसके बाद चटगांव और मैमनसिंह में क्रमशः सात और छह लोगों ने बीमारी से जान गंवाई। डेंगू, मच्छर से होने वाली वायरल बीमारी है, जो बांग्लादेश में एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का रूप लेती जा रही है। यह मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलने वाली बीमारी है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ बांग्लादेश में जूलॉजी डिपार्टमेंट (प्राणीशास्त्र विभाग) में एसोसिएट प्रोफेसर, जीएम सैफुर रहमान ने कहा कि नवीनतम आंकड़े ढाका के उच्च जनसंख्या घनत्व, लगातार एडीज मच्छर प्रजनन और अपर्याप्त वेक्टर नियंत्रण उपायों के संयोजन को दर्शाते हैं।

सख्त पाबंदियां लगा बलूचिस्तान को पाकिस्तान 11 अगस्त का जश्न मनाने से रोक नहीं सकता : बलूच कार्यकर्ता

विश्व केसरी

क्वेटा। बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने पाकिस्तानी मिलिट्री पर आरोप लगाया कि वह 11 अगस्त को होने वाले बलूचिस्तान स्वतंत्रता दिवस समारोह में रुकावट डालने की हर मुमकिन कोशिश कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बलूच पक्के इरादे वाले लोग हैं और वो पाकिस्तानी प्रशासन के दबाव में झुकने या पूरे प्रांत में लगाई गई धारा 144 की पाबंदियों को मानने से इनकार करते हैं। बलूचिस्तान सालाना परंपरा को जारी रखते हुए 11 अगस्त को 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने वाला है। ये बलूच मानवाधिकार समूह द्वारा इस इलाके पर पाकिस्तान के 'अवैध कब्जे' के खिलाफ है। 1947 में कलात रियासत ने ब्रिटिश इंडिया के बंटवारे के बाद कुछ समय के लिए बलूचिस्तान को आजाद मुल्क घोषित किया था। उसी ऐतिहासिक दिवस को याद करते हुए बलूच अपने स्वतंत्रता दिवस के तौर पर मनाते हैं। 1948 में पाकिस्तान ने जबरन इस इलाके पर कब्जा कर लिया और बलूच नेशनलिस्ट्स इसका लगातार विरोध करता आया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मीर ने आरोप लगाया कि 'कब्जा करने वाली' पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान में बड़े पैमाने पर पाबंदियां लगाई हैं, जिसमें 7 अगस्त से 30 अगस्त तक इंटरनेट शटडाउन भी शामिल है ताकि राष्ट्रीय जश्न में बाधा डाली जा सके। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि बलूचों के पक्के इरादे के आगे पाकिस्तानी सेना की मौजूदगी कोई मायने नहीं रखती।

प्रवासी संघर्ष के बीच स्पेन ने इटली से आने वाले लोगों पर अस्थायी बॉर्डर चेकिंग लागू करने का किया ऐलान

विश्व केसरी

मैड्रिड। स्पेन ने घोषणा की है कि वह इटली से आने वाले यात्रियों के लिए आंतरिक सीमा जांच को अस्थायी रूप से फिर से लागू करेगा। इससे पहले इटली ने स्पेन से आने वाले यात्रियों पर सीमा नियंत्रण हटाने से इनकार कर दिया। इटली ने हालात को देखते हुए कम से कम 15 अगस्त तक अपने फैसले को ना बदलने का ऐलान किया।

यह विवाद स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी एन्क्लेव सेउता में हाल ही में हुई प्रवासी संकट के बीच सामने आया है। स्पेन सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान के अनुसार, बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर यह अस्थायी जांच शनिवार से शुरू होगी और 7 सितंबर तक लागू रहेगी, जब तक कि स्थिति में कोई बदलाव न हो। इन उपायों में पहचान पत्र और दस्तावेजों की रैंडम जांच शामिल होगी। स्पेन सरकार ने कहा कि इटली ने 1 अगस्त को बिना किसी पूर्व सूचना के स्पेन से आने वाले यात्रियों पर एकतरफा तौर पर सीमा जांच फिर से शुरू कर दी थी। सरकार ने इन उपायों को अनुचित, भेदभावपूर्ण और यूरोपीय संघ (ईयू) के हितों के खिलाफ बताया। स्पेन ने इटली से इन उपायों को तुरंत वापस लेने को कहा है।

वहीं, शुक्रवार को इटली की सरकार ने कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा प्रबंधन की चिंताओं का हवाला देते हुए, कम से कम 15 अगस्त तक स्पेन से आने वाले तीसरे देश के नागरिकों पर अस्थायी चेकिंग जारी रखेगी। रोम ने कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा प्रबंधन से जुड़े मामलों पर अल्टीमेटम या बाहरी दबाव स्वीकार नहीं करता है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस बात पर भी जोर दिया गया कि ये नियंत्रण हवाई या समुद्री रास्ते से यात्रा करने वाले स्पैनिश या दूसरे ईयू नागरिकों पर लागू नहीं होते हैं। साथ ही, इटली के बॉर्डर अधिकारी सही तरीके से सीमा पार यात्रा में रुकावट को कम से कम करने की कोशिश करेंगे।

इटली के प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने 31 जुलाई को सेउटा में प्रवासियों के बड़े पैमाने पर आने के बाद सीमा नियंत्रण उपायों की घोषणा की। जुलाई के आखिर में लगभग 80,000 लोग स्पैनिश इलाके में आए, जिनमें से लगभग 75,000 बाद में अपनी मर्जी से वापस लौट गए।

एच-1बी प्रोफेशनल्स के लिए बढ़ सकती हैं चुनौतियां, सीनेटर ने उठाए सवाल

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका में रिपब्लिकन सीनेटर एरिक शिमट ने श्रम विभाग से एच-1बी और ग्रीन कार्ड के रास्ते से जुड़ी पीईआरएम प्रक्रिया में बड़े बदलाव करने को कहा है। इस प्रस्ताव का असर सबसे ज्यादा भारतीय टेक प्रोफेशनल्स पर पड़ सकता है।

सीनेटर एरिक शिमट ने कार्यवाहक श्रम सचिव कीथ सॉन्डरलिंग को पत्र लिखकर पीईआरएम यानी प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक समीक्षा प्रबंधन प्रक्रिया को आधुनिक बनाने की मांग की है। नियोक्ता आमतौर पर पीईआरएम को ही किसी विदेशी कर्मचारी को अमेरिका में स्थायी नौकरी के लिए ग्रीन कार्ड दिलाने के पहले चरण के रूप में इस्तेमाल करते हैं।

एरिक शिमट ने लिखा, 'पीईआरएम और एच-1बी प्रोग्राम के दुरुपयोग से कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी श्रमिकों को रख लेती हैं। विभाग को इस दुरुपयोग को रोकना चाहिए और नियमों का असली मकसद बहाल करना चाहिए। उन्होंने पत्र में भारत का नाम नहीं लिया और न ही एच-1बी या ग्रीन कार्ड के नियमों में सीधे बदलाव किया। उन्होंने सिर्फ श्रम विभाग से नियम दोबारा लिखने और ऑडिट, संदिग्ध धोखाधड़ी तथा पीईआरएम आवेदकों के ओपीटी और एच-1बी वीजा के पिछले इस्तेमाल का डेटा सार्वजनिक करने को कहा है।

अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा की रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2025 में सभी स्वीकृत एच-1बी याचिकाओं में 70 प्रतिशत भारतीयों की थीं। कई भारतीय छात्र वीजा और ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के जरिए एच-1बी नौकरी तक पहुंचते हैं और फिर नियोक्ता द्वारा प्रायोजित स्थायी निवास के लिए आवेदन करते हैं। विशेषज्ञों का कहना है ।

ऑस्ट्रेलियाः एच5एन1 बर्ड फ्लू के मामले बढ़े, संक्रमित पक्षियों की संख्या पहुंची 200 पार

विश्व केसरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में एच5एन1 बर्ड फ्लू के मामले दिन पर दिन बढ़ते जा रहे हैं। तादाद 200 पार पहुंच चुकी है। इस बीच दक्षिण-पूर्वी राज्य विक्टोरिया ने इस जानलेवा स्ट्रेन को पोल्ट्री में फैलने से रोकने के लिए नए एहतियाती कदम उठाने शुरू कर गिए हैं।

फेडरल डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर, फिशरीज एंड फॉरेस्ट्री (डीएएफएफ) ने एक अपडेट में कहा कि शनिवार तक ऑस्ट्रेलिया में एच5एन1 स्ट्रेन के 203 कन्फर्म या पॉजिटिव मामले सामने आए थे। इसके साथ ही अगस्त में अब तक एच5एन1 बर्डफ्लू 290 फीसदी बढ़ गया है, जबकि जुलाई के आखिर में यह तादाद 52 थी। शनिवार को साउथ ऑस्ट्रेलिया (एसए) में पाए गए 147 में से 28 पक्षियों में संक्रमण की पुष्टि की गई। डीएएफएफ ने कहा कि एसए में सभी 28 नए मामले जंगली समुद्री पक्षियों के थे।

विक्टोरिया संक्रमित पक्षियों की तादाद के मामले में दूसरे नंबर पर रहा। यहां किसी ऑस्ट्रेलियाई राज्य के मुकाबले दूसरे सबसे ज्यादा यानी 43 मामले सामने आए, जिनमें 36 पक्षियों के संक्रमित होने की पुष्टि गुरुवार और शुक्रवार को हुई थी। राज्य के पश्चिम में एसए बॉर्डर के पास ये मिले थे। विक्टोरियन सरकार ने शुक्रवार को एक निर्देश जारी किया। जिसके मुताबिक मेलबर्न समेत राज्य के दक्षिणी तटीय इलाके पर स्थित पोल्ट्री फॉर्म जिनके पास कम से कम 50 पक्षियों का झुंड है, उन्हें इन जीवों को शुरू में 14 दिनों के लिए घर के अंदर रखना होगा। विक्टोरिया की कृषि मंत्री माइकेला सेटल ने कहा कि सरकार को उम्मीद है कि इस एहतियाती कदम से एच5एन1 स्ट्रेन को फैलने से रोका जा सकेगा।

होर्मुज स्ट्रेट के पास मर्चेंट जहाज पर हमला, इंजन रूम में आग लगने के बाद क्रू ने मांगी मदद

विश्व केसरी

लंदन। होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी एंट्रेंस के पास एक मर्चेंट जहाज में हमले के बाद उसमें आग लग गई। लंदन टाइम के अनुसार, शुक्रवार शाम को शिप-टू-शिप रेडियो कम्युनिकेशन ने यह जानकारी दी। यह रिकॉर्डिंग जो खास तौर पर न्यूज एजेंसी सिन्हुआ को एक नाविक से मिली थी, एक ओपन मैरीटाइम रेडियो चैनल पर भेजी गई; उसमें क्रू मेंबर आग से जूझते हुए और मदद मांगते हुए दिखे।

कम्युनिकेशन के मुताबिक, जहाज ओमानी तट के पास था जब उस पर हमला हुआ, जिससे इंजन रूम में आग लग गई। चालक दल ने जहाज की कार्बन डाइऑक्साइड अग्निशमन प्रणाली सक्रिय कर दी और बैलास्ट ऑपरेशन के जरिए आग पर काबू पाने की कोशिश की। रिकॉर्डिंग में बताया गया कि जहाज की हाइड्रोलिक प्रणाली के फेल होने से आग बुझाने के प्रयास और जटिल हो गए। संचार के एक अन्य हिस्से में आसपास के कई जहाजों ने कहा कि वे सहायता देने के लिए घटनास्थल की ओर बढ़ रहे हैं। हाल के दिनों में होर्मुज स्ट्रेट के आसपास के पानी में जहाजों पर कई हमले हुए हैं, जिनमें से ज्यादातर घटनाएं स्ट्रेट के ओमानी साइड के पास शिपिंग रूट पर हुईं। इससे पहले जुलाई की शुरुआत में ओमान के तट के पास होर्मुज स्ट्रेट में एक कमर्शियल जहाज में आग लग गई थी। अमेरिका-ईरान के बढ़ते तनाव की वजह से इस अहम जलमार्ग से शिपिंग में रुकावट आ रही थी। ऐसे में ब्रिटिश समुद्री अधिकारियों ने चेतावनी दी थी।

यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने कहा कि उन्हें ओमान के कुमजार से लगभग 8 नॉटिकल मील उत्तर-पश्चिम में एक घटना की रिपोर्ट मिली है। मिलिट्री अधिकारियों ने यूकेएमटीओ को बताया कि एक जहाज में आग लग गई थी, हालांकि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

भारत और साइप्रस के बीच माइग्रेशन एग्रीमेंट पर चर्चा, दोनों देशों के बीच सुरक्षित आवाजाही पर जोर

विश्व केसरी

निकोसिया। भारत के साइप्रस में उच्चायुक्त मनीष ने शुक्रवार को साइप्रस के माइग्रेशन और इंटरनेशनल प्रोटेक्शन के डिप्टी मिनिस्टर निकोलस ए. आयोनाइड्स से मुलाकात की और इंडिया-साइप्रस माइग्रेशन और मोबिलिटी एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने की दिशा में हो रही प्रगति पर चर्चा की।

साइप्रस में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडि?या प?लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'उच्चायुक्त मनीष ने प्रवासन और अंतरराष्ट्रीय संरक्षण उप मंत्रालय के उप मंत्री निकोलस ए. आयोनाइड्स और स्थायी सचिव चारालाम्बोस रूसोस से मुलाकात की। उच्चायुक्त ने साइप्रस की अर्थव्यवस्था और समाज में भारतीय पेशेवरों और कामगारों के महत्वपूर्ण योगदान का जिक्र किया। उन्होंने भारतीयों के कल्याण, उनके साथ निष्पक्ष व्यवहार और उनकी भलाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कुछ भारतीय कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं को भी उठाया और भारत-साइप्रस के बीच सुरक्षित, कानूनी और कौशल आधारित आवाजाही को मजबूत बनाने पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने इस समझौते को तय समय सीमा के भीतर अंतिम रूप देने के लिए तेजी से आगे बढ़ने पर बात की।

अमेरिका के यूटा में जंगल की आग बुझाते समय हेलीकॉप्टर हुआ क्रैश, दो लोग लापता

विश्व केसरी

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के यूटा राज्य में लगी जंगल की भीषण आग को बुझाने के दौरान शुक्रवार (स्थानीय समय) को एक फायरफाइटिंग हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, दो लोगों को ले जा रहा एक सिकोरस्की एस-64 हेलीकॉप्टर, स्थानीय समय के हिसाब से सुबह करीब 10 बजे यूटा के रिचफील्ड के पास क्रैश हो गया।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फायर अधिकारियों ने कहा कि हेलीकॉप्टर वाइडमाउथ 2 में लगी आग के पास क्रैश हुआ। यह अभी यूटा के 2026 की दूसरी सबसे बड़ी जंगल की आग है। अधिकारियों के मुताबिक, इमरजेंसी कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया है। हेलीकॉप्टर में सवार दो लोगों की हालत के बारे में तुरंत जानकारी नहीं मिल पाई। फिशलेक नेशनल फॉरेस्ट में यूएस फॉरेस्ट सर्विस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इमरजेंसी कर्मचारी मौके पर हैं। इसमें कहा गया, 'हमारी सबसे पहली प्राथमिकता इस घटना पर कार्रवाई करना है। स्थानीय, राज्य और फेडरल अधिकारी कार्रवाई में मदद कर रहे हैं। जानकारी मिलते ही डिटेल जारी कर दी जाएगी। कृपया सब्र रखें क्योंकि इस घटना पर कार्रवाई जारी है और सुरक्षा उपायों को सबसे पहले प्राथमिकता दी जा रही है।'

राज्य की इंटर-एजेंसी पब्लिक इन्फॉर्मेशन एजेंसी 'यूटा फायर इंफो' के अनुसार 27 जुलाई को बिजली गिरने से लगी जंगल की आग ने अब तक 1,05,000 एकड़ यानी करीब 425 वर्ग किमी क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। आग पर अब तक 19 फीसदी काबू पाया जा सका है। 600 से ज्यादा दमकल कर्मचारी आग बुझाने में लगे हैं। लकड़ी, झाड़ियों और घास के जलने से बढ़ती आग के कारण कम से कम छह इमारतें तबाह हो गई हैं।

2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को बिना किसी शर्त के लागू करें : राहुल गांधी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। महिला आरक्षण को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच 'एक्स' पर बहस देखने को मिली। राहुल गांधी ने सरकार से 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को तुरंत बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग की।

यह विवाद राहुल गांधी के महिलाओं पर दिए बयान के बाद शुरू हुआ। राहुल गांधी ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसके बाद शनिवार को किरेन रिजिजू ने उनके वीडियो को रिपोस्ट करते हुए कहा कि यह कांग्रेस के नजरिए में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह कांग्रेस पार्टी का सकारात्मक संदेश लगता है। राहुल गांधी के दिल में महिलाओं को लेकर बदलाव दिख रहा है। अब मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस महिला आरक्षण विधेयक का बिना शर्त समर्थन करेगी।

रिजिजू के पोस्ट पर राहुल गांधी ने तुरंत जवाब दिया। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट कर लिखा, ' किरेन रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते आपसे बेहतर यह कौन जानता होगा। महिला आरक्षण विधेयक 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है, कांग्रेस के पूर्ण समर्थन के साथ।'

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा, 'सवाल यह है कि तीन साल बाद भी वह लागू क्यों नहीं हुआ और अब आप उसे परिसीमन से बेवजह क्यों जोड़ना चाहते हैं? 2023 का कानून लागू कीजिए। बिना किसी शर्त के।' दरअसल, वीडियो में राहुल गांधी ने कहा था, 'मैं सोच रहा था कि भारत की महिलाओं की ऊर्जा फंसी हुई है, उसे व्यक्त करने की इजाजत नहीं है, कल्पना करने की आजादी नहीं है। मेरे लिए कोई भी देश तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक वहां की महिलाएं खुद को व्यक्त न कर सकें।'

उन्होंने कहा था कि महिलाओं की आवाज दबने से देश की तरक्की पर असर पड़ता है। मेरी राजनीति का एक बड़ा हिस्सा यही है कि लोग समझें कि महिलाओं की अभिव्यक्ति के बिना हमारा देश अधूरा और पिछड़ा है।

राहुल गांधी ने कहा था कि महिला सशक्तिकरण सिर्फ बिजनेस या राजनीति तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि महिलाएं बिजनेस या राजनीति में अच्छा करें, बल्कि यह भी है कि वे अपने घरों में, परिवार में और सार्वजनिक जगहों पर खुलकर बोल सकें और सड़कों पर आराम से चल सकें।

उन्होंने कहा था, 'महिलाओं को यह आजादी होनी चाहिए कि वे दूसरों से अलग राय रख सकें, अपने माता-पिता, पति, भाई-बहन से सवाल कर सकें। भारत को सच में विकसित होना है तो पितृसत्ता और पुरुषों के कड़े नियंत्रण से महिलाओं को थोड़ी आजादी मिलनी ही चाहिए।'

महिला आरक्षण विधेयक, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी कहा जाता है, 2023 में संसद से पारित हुआ था। इसके तहत लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं। कांग्रेस का कहना है कि कानून बनने के बावजूद इसे लागू नहीं किया गया है।

बेंगलुरु पुलिस ने शहर में अवैध प्रवासियों का पता लगाने के लिए 'ऑपरेशन मुक्ता' शुरू किया

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने शनिवार को 'ऑपरेशन मुक्ता' नाम से एक विशेष अभियान शुरू किया है। इसका मकसद शहर के अलग-अलग हिस्सों में कथित तौर पर रह रहे अवैध प्रवासियों की पहचान करना और उनका पता लगाना है। इसके तहत कई इलाकों में छापेमारी और वेरिफिकेशन का काम किया जा रहा है।

इस अभियान के तहत, पुलिस टीमों ने व्हाइटफील्ड, कडुगोडी, महादेवपुरा और अन्य इलाकों में तलाशी ली और दस्तावेजों की जांच की। ये तीनों इलाके बेंगलुरु के प्रमुख टेक्नोलॉजी कॉरिडोर का हिस्सा हैं और यहां कई मल्टीनेशनल आईटी और बायोटेक्नोलॉजी कंपनियां मौजूद हैं। व्हाइटफील्ड डिवीजन के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) सिदुल्ला अदावत ने बताया कि बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर पूरे शहर में यह स्पेशल ड्राइव शुरू की गई थी। उन्होंने कहा, 'बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर के आदेशों के अनुसार, व्हाइटफील्ड डीसीपी डिवीजन समेत पूरे शहर में एक स्पेशल ड्राइव चलाई जा रही है। इस अभियान में 500 से ज्यादा पुलिसकर्मी और अधिकारी शामिल हैं। यह अभियान जारी रहेगा।'

डीसीपी के अनुसार, पुलिस टीमों ने कई संदिग्ध अवैध प्रवासियों का पता लगा लिया है और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद कुछ लोगों को उनके संबंधित देशों में वापस भेज दिया गया है। अदावत ने कहा, 'व्हाइटफील्ड डिवीजन में अलग-अलग पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में आने वाली 30 से ज्यादा जगहों पर जांच की जा रही है। अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति मिलता है, तो हम उसके दस्तावेजों की जांच करेंगे। अगर हमें किसी दूसरे देश का पहचान पत्र या कोई ऐसा सुराग मिलता है, जिससे पता चले कि वे बिना इजाजत के यहां रह रहे विदेशी नागरिक हैं, तो मामले की जानकारी 'फ़ॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफ़िस' (एफआरआरओ) को दी जाएगी।' उन्होंने कहा कि सक्षम अधिकारियों से देश से निकालने के आदेश मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी और अवैध प्रवासियों को उनके संबंधित देशों में वापस भेज दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबर

चीनी मांझे की खरीद ब्रिक्री में संलिप्त पाए जाने पर आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत में चीनी मांझों की खरीद-बिक्री प्रतिबंधित है। इसके बावजूद दिल्ली के सीलमपुर इलाके में पुलिस को जानकारी मिली कि कोई शख्स अवैध रूप से चीनी मांझों की खरीद-ब्रिक्री में संलिप्त है। पुलिस ने उसे फौरन गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहम्मद जमीर के रूप में हुई है। उसके पास से चीनी मांझे के 30 रोल भी बरामद हुए हैं। इसके बाद पुलिस ने इस बारे में शीर्ष पुलिस अधिकारियों को जानकारी दी गई। इसके बाद पुलिस के निर्देश पर बाकायदा एक टीम का गठन किया गया, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने उस आरोपियों को ना महज गिरफ्तार किया, बल्कि उसके पास 30 प्रतिबंधित चीनी मांझे की रील भी बरामद की। पुलिस उसे गिरफ्तार करके अब उससे पूछताछ करने की प्रक्रिया में जुटी हुई है, ताकि इस पूरे मामले के बारे में अधिक से अधिक जानकारी जुटाई जा सके। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, चीनी मांझे की खरीद ब्रिक्री प्रतिबंधित है, जिसे देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223(ए) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। हालांकि, आरोपी के खिलाफ किसी भी प्रकार का आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। लेकिन, पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

बटाला ग्रेनेड हमले में शामिल तीसरा आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

चंडीगढ़। बटाला ग्रेनेड मामले में पंजाब पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। जालंधर की काउंटर इंटेलिजेंस और बटाला पुलिस ने मिलकर चलाए गए एक ऑपरेशन में हमले में शामिल तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित एक टेरर मॉड्यूल का सदस्य है, जिसे पुर्तगाल में बैठा बीकेआई का मास्टरमाइंड चला रहा था। शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपी, मॉड्यूल के दूसरे सदस्यों के साथ मिलकर पुर्तगाल में बैठे अपने हैंडलर के कहने पर 1 अगस्त को बटाला के अर्बन एस्टेट पुलिस पोस्ट पर हुए हमले में शामिल था। घटना के बाद आरोपी छिप गया था और पूरे पंजाब में पुलिस ठिकानों पर ऐसे ही और हमले करने की योजना बना रहा था। डीजीपी ने पोस्ट के माध्यम से बताया कि पूरे टेरर नेटवर्क का पता लगाने, विदेशी हैंडलर और स्थानीय सपोर्ट नेटवर्क की पहचान करने और साजिश से जुड़े सभी कनेक्शनों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। पंजाब पुलिस पूरे राज्य में टेरर नेटवर्क को खत्म करने, संगठित अपराध को रोकने और शांति, सुरक्षा व जन-सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 4 अगस्त को भी पंजाब पुलिस की ओर से आईएसआई-समर्थित दो आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया था, जिसमें नौ को गिरफ्तार किया गया था। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया था कि अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने आईएसआई समर्थित सीमापार के दो आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

खराब मौसम की चेतावनी के कारण अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई

विश्व केसरी■

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के जम्मू डिवीजन में खराब मौसम और मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए अधिकारियों ने शनिवार को अमरनाथ यात्रा रोकने का फैसला किया। किसी भी यात्री को यहां से घाटी की ओर जाने की इजाजत नहीं दी गई।

शुक्रवार तक 4.75 लाख से ज्यादा यात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन कर लिए हैं, इसलिए अब जम्मू पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या भी कम हो गई है।

अधिकारियों ने बताया कि आज जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से यात्रियों के किसी नए जत्थे को घाटी की ओर जाने की इजाजत नहीं दी गई।

अधिकारियों ने कहा कि मौसम के हिसाब से हालात का जायजा लिया जाएगा और इस दौरान जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जाएगी, क्योंकि तीर्थयात्री यात्रा के बेस कैंप तक पहुंचने के लिए इसी सड़क का इस्तेमाल करते हैं। यह यात्रा 3 जुलाई को हुई थी और यह 57 दिनों के बाद 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के त्योहारों के साथ संपन्न होगी।

फिलहाल दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप रूट से यात्रा करने की इजाजत किसी भी यात्री को नहीं है, क्योंकि वहां ट्रैक की मरम्मत का काम चल रहा है। यात्री उत्तर कश्मीर के गांदरबल जिले में बालटाल बेस कैंप से यात्रा कर रहे हैं।

इससे पहले, अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने के सात साल बाद सुरक्षा कारणों से एक दिन के लिए रोकी गई अमरनाथ यात्रा गुरुवार को फिर से शुरू हुई थी। 1,801 तीर्थयात्रियों का एक नया समूह (जिसे अधिकारियों ने 28वां जत्था बताया) कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह 2.45 बजे जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर में बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

दक्षिण बंगाल में 10 अगस्त से भारी बारिश की संभावना, मछुआरों को चेतावनी

विश्व केसरी■

कोलकाता। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को कहा कि बंगाल की खाड़ी में बन रहे एक नए निम्न दबाव के कारण मंगलवार से दक्षिण बंगाल के कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने मछुआरों को चेतावनी जारी की है।

अलीपुर स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के अधिकारियों के अनुसार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर आज बाद में निम्न दबाव बनने की संभावना है। साथ ही इस क्षेत्र में चक्रवाती परिसंचरण भी मजबूत हो रहा है। आने वाले दिनों में दक्षिण बंगाल में बारिश जारी रहने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने मछुआरों को अगले 24 घंटों तक गहरे समुद्र में न जाने की सलाह दी है, क्योंकि निम्न दबाव के कारण समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। पूरे राज्य में मंगलवार तक छिटपुट बारिश जारी रहने की उम्मीद है। अगले दो दिनों में तटीय जिलों में बारिश की तीव्रता बढ़ने की संभावना है, दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मिदनापुर और पश्चिमी मिदनापुर के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है। कोलकाता, हावड़ा, हुगली, बांकुरा और झाड़ग्राम जिलों में भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

मंगलवार से पश्चिमी और तटीय जिलों के साथ-साथ गंगा के मैदानी दक्षिण बंगाल के अन्य हिस्सों में बारिश की तीव्रता और बढ़ने की आशंका है।

इसके विपरीत, उत्तरी बंगाल में बारिश की गतिविधि में कमी आने की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में उत्तरी बंगाल के पांच जिलों में छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान लगाया है, और फिलहाल इस क्षेत्र के लिए कोई बड़ी मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है।

अखिलेश यादव का तंज, बोले- बेसुध को सब माफ, जनता इन्हें क्षमा करने के मूड में नहीं

विश्व केसरी■

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बिना नाम लिए निशाना साधा है। लखनऊ अग्निकांड में अपना बच्चा खोने वाली एक मां से कथित दुर्व्यवहार और अभद्र भाषा के इस्तेमाल का जिक्र करते हुए अखिलेश ने कहा, 'ऐसे लोगों से सभ्य भाषा और अच्छे व्यवहार की उम्मीद करना ही बेकार है।'

अखिलेश ने कहा कि जनता ऐसे लोगों को माफ करने के मूड में नहीं है और अंत में लिखा- 'अलविदा!'

अखिलेश यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'बेसुध को सब माफ़!' उन्होंने लिखा, 'जो लखनऊ अग्निकांड में उस एक दुखी मां के साथ, जिसने अपना बच्चा खोया हो, कैमरे के सामने सरेआम बदजुबानी और दुर्व्यवहार कर सकते हैं, ऐसे लोगों से सद्-वचन एवं सद्-व्यवहार की अपेक्षा ही निरर्थक है।'

सपा प्रमुख ने आगे कहा, 'व्यक्ति को स्वयं का नहीं तो उन पदों का सम्मान करना चाहिए जिस पर वह बैठे हैं या फिर शीघ्र ही वापस जाकर जिस पद पर उन्हें बैठना है।' उन्होंने कहा, 'वाणी में सरस्वती मां का वास होता है, ये न परलोक की मां का सम्मान करना जानते हैं, न इहलोक की मां का। इनके तो दोनों लोक बिगड़ गए।'

अखिलेश यादव ने लिखा, 'हमने इन्हें मन से माफ किया क्योंकि वो किसी और के असर में हैं। जाते हुए लोगों से क्या तो शिकवा, क्या शिकायत।' उन्होंने अपने पोस्ट के अंत में कहा, 'जनता इन्हें माफ़ करने के मूड में नहीं है।'

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बदल रही है अंग्रेजों के समय की न्याय व्यवस्था : मोहन यादव

विश्व केसरी■

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंग्रेजों के शासनकाल के समय की न्याय व्यवस्था में बदलाव लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां न्यायालय को न्याय का मंदिर कहा जाता है। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 'न्याय तक पहुंच बढ़ाने' पर आयोजित वेस्ट जोन क्षेत्रीय कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि छोटे-छोटे मामलों में मध्यस्थता के माध्यम से निपटान केस पेंडेंसी को कम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंग्रेजों के समय की न्याय व्यवस्था को बदला जा रहा है। मुख्यमंत्री यादव ने भारतीय न्याय परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी परंपरा पंच परमेश्वर की संवाद की न्याय परंपरा रही है।

हमारे संविधान में हज़ारों वर्ष की भारतीय न्याय परंपरा रही है, इसलिए न्यायालयों को न्याय का मंदिर कहा जाता है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि आधुनिक तकनीक के आधार पर न्याय प्रणाली में भी व्यापक बदलाव हुए हैं। ई-फाइलिंग, डिजिटल रिकॉर्ड, वन डेटा-वन केस, वर्चुअल सुनवाई और आधुनिक न्याय प्रबंधन जैसी प्रणालियों के माध्यम से न्याय व्यवस्था का कायाकल्प किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सदियों पुराने औपनिवेशिक दौर के कानूनों के स्थान पर नए कानून लागू किए गए हैं। इसी कड़ी में जन-विश्वास अधिनियम के माध्यम से छोटे-छोटे उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर कानूनों को अधिक सरल और नागरिक हितैषी बनाया गया है। मध्यप्रदेश भी इसी दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित कर प्रदेश के सभी नागरिकों के लिए समान कानून लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

जो सरकार संवाद नहीं करती, वह समस्याओं का समाधान नहीं खोज सकती : रमाशंकर राजभर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद रमाशंकर राजभर ने इलाहाबाद में राहुल गांधी के छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम को लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़ने के लिए नेताओं को लोगों के बीच जाना पड़ता है।

सपा सांसद रमाशंकर राजभर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'इलाहाबाद में छात्रों से बातचीत के लिए राहुल गांधी के कार्यक्रम को पहले अनुमति दी गई, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया और फिर दोबारा अनुमति मिली। अब छात्रों के साथ हो रही बातचीत की चर्चा हर जगह है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।'

रमाशंकर राजभर ने कहा कि लोकतंत्र में बातचीत बेहद जरूरी है। जो सरकार पीड़ितों या समस्याओं से जूझ रहे लोगों से संवाद नहीं करती, वह समस्याओं का समाधान नहीं खोज सकती। उन्होंने राहुल गांधी की छात्रों के बीच जाकर बातचीत करने की पहल को सराहनीय बताया।

झारखंड में छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर सपा सांसद ने कहा कि दिल्ली में हुआ आंदोलन वास्तव में छात्रों का आंदोलन था और उसका नेतृत्व भी छात्रों ने किया था।

उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने कई बार छात्रों से बातचीत की है और छात्रों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं की। राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को यह तक कहा है कि जांच की आंच अगर उनके अपने घर तक पहुंचे, तब भी किसी तरह की हिचक नहीं होनी चाहिए। उनके मुताबिक, जननेता का रवैया ऐसा ही होना चाहिए।

लगातार बारिश के चलते केरल के सात जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

विश्व केसरी■

तिरुवनंतपुरम। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में तीव्र वर्षा के एक और दौर की चेतावनी जारी करने के बाद शनिवार को केरल में हाई अलर्ट जारी रहा, जिसके तहत सात जिलों को ऑरेंज अलर्ट के अंतर्गत रखा गया है।

पथानामथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टायम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। बाकी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले घंटों में मौसम अस्थिर रह सकता है, जिससे संवेदनशील क्षेत्रों में जलभराव, अचानक बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है।

एहतियात के तौर पर, अधिकारियों ने कई प्रभावित जिलों में शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी है, जिनमें आंगनवाड़ी से लेकर व्यावसायिक कॉलेज तक शामिल हैं।

हालांकि, कोझिकोड में व्यावसायिक कॉलेजों को इस बंद आदेश से छूट दी गई है। पहले से निर्धारित सार्वजनिक और विश्वविद्यालय परीक्षाएं योजना के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी। अधिकारियों ने तटीय इलाकों में भी प्रतिबंधों को कड़ा कर दिया है, तेज हवाओं और खराब मौसम की संभावना के मद्देनजर मछुआरों को समुद्र में जाने से रोक दिया गया है। केरल तट के किनारे 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है, जो कभी-कभी 60 किमी प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती हैं।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लोगों से गैर-जरूरी यात्रा से बचने का आग्रह किया है। भूस्खलन और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सलाह दी गई है कि यदि आवश्यक हो तो सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें। नदियों और नालों में जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए लोगों को जल निकायों के पास जाने, नदियों में प्रवेश करने या झरनों और अन्य संवेदनशील पर्यटन स्थलों पर जाने से बचने की चेतावनी दी गई है। सुरक्षा उपायों के तहत नदियों के किनारे मछली पकड़ने और सेल्फी लेने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। तालुक स्तर पर नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिए गए हैं, जबकि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और अग्निशमन एवं बचाव दल को उन क्षेत्रों में तैयार रखा गया है जहां भारी बारिश होने की संभावना है।

भारत का मेडिकल डिवाइस सेक्टर 2047 तक 250 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमानः रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली । भारत का मेडिकल डिवाइस उद्योग आने वाले वर्षों में तेजी से विस्तार करते हुए वर्ष 2047 तक 250 अरब डॉलर के बाजार तक पहुंच सकता है। यह बात शुक्रवार को फिक्की-डीयूए कंसल्टिंग द्वारा 'भारतीय हेल्थकेयर में मेडिकल इक्विपमेंट की सर्विस और मेंटेनेंस - सुरक्षित, भरोसेमंद और टिकाऊ मेडिकल डिवाइस मेंटेनेंस इकोसिस्टम की ओर' विषय पर जारी रिपोर्ट में कही गई है।

शुक्रवार को फिक्की (एफआईसीसीआई) के साथ मिलकर डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स द्वारा आयोजित 'इंडिया मेडिकल डिवाइस 2026' के 9वें एडिशन के उद्घाटन सत्र में जारी व्हाइट पेपर में कहा गया है कि वर्तमान में लगभग 14 अरब डॉलर के मूल्य वाला भारत का मेडिकल डिवाइस उद्योग इस दशक के अंत तक 30-50 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है और वर्ष 2047 तक इसका आकार बढ़कर 250 अरब डॉलर होने की संभावना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती आवश्यकता, अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों को तेजी से अपनाया जाना, स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियां तथा भारत को वैश्विक मेडटेक हब बनाने की महत्वाकांक्षा इस क्षेत्र की तेज वृद्धि के प्रमुख कारण होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और मेडिकल डिवाइस उद्योग सुदृढ़ीकरण योजना जैसी सरकारी पहलों से घरेलू विनिर्माण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इन योजनाओं ने भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को भी मजबूत किया है।

रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि मेडिकल डिवाइस उद्योग की दीर्घकालिक सफलता केवल उपकरणों के निर्माण पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि इसके लिए चिकित्सा उपकरणों की सर्विसिंग, रखरखाव, अंशांकन (कैलिब्रेशन) और पूरे जीवनचक्र के प्रबंधन के लिए विश्वस्तरीय व्यवस्था विकसित करना भी उतना ही आवश्यक होगा।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में चिकित्सा उपकरण समय पर रोग की पहचान, आपातकालीन उपचार, शल्य चिकित्सा और उन्नत चिकित्सा सेवाओं की रीढ़ बन चुके हैं। इसलिए इन उपकरणों का वास्तविक महत्व उनकी खरीद तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके पूरे उपयोगकाल के दौरान विश्वसनीय रखरखाव सुनिश्चित करना भी बेहद महत्वपूर्ण है।

इसमें कहा गया है कि चिकित्सा उपकरणों का नियमित और वैज्ञानिक रखरखाव मरीजों की सुरक्षा बढ़ाता है, उपचार की गुणवत्ता में सुधार करता है, उपकरणों के खराब रहने की अवधि को कम करता है, उनकी कार्यक्षमता और आयु बढ़ाता है तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए निवेश का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करता है।

'मिथिला मखाना' की बढ़ती वैश्विक मांग बिहार के किसानों के लिए पैदा कर रही नए अवसरः पीयूष गोयल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बिहार के प्रसिद्ध जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) टैग प्राप्त 'मिथिला मखाना' ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को बताया कि पहली बार बिहार से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना का ऑस्ट्रेलिया को समुद्री मार्ग के जरिए निर्यात किया गया है।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारत के जीआई-टैग वाले मिथिला मखाना ने वैश्विक बाजार में एक नया मुकाम हासिल किया है।

उन्होंने कहा, 'अपेडा यानी कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के सहयोग से जीआई टैग वाले 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना को बिहार से ऑस्ट्रेलिया निर्यात किया गया।'

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह मखाना सीधे दरभंगा के किसानों से खरीदा गया था। इस पहल से जुड़े किसानों को बाजार भाव की तुलना में लगभग 18 प्रतिशत अधिक लाभ मिला है, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

गोयल ने कहा कि मिथिला मखाना की बढ़ती वैश्विक मांग बिहार के किसानों के लिए नए अवसर पैदा कर रही है और यह राज्य के कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

गौरतलब है कि पिछले महीने भी बिहार के मखाना उत्पादकों को बड़ी सफलता मिली थी। तब पहली बार बिहार के मखाना का समुद्री मार्ग से कनाडा निर्यात किया गया था। उस समय दरभंगा से सात मीट्रिक टन फ्लेवर्ड मखाना कनाडा भेजा गया था।

उस निर्यात को भी अपेडा ने सुगम बनाया था और इसे बिहार के कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना गया था। उस समय केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि इस पहल से जुड़े किसानों को पहले की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक बेहतर कीमत मिल रही है।

ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे विकसित देशों में मिथिला मखाना की बढ़ती मांग बिहार के किसानों के लिए बड़े अवसर लेकर आ सकती है। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि मखाना प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग), पैकेजिंग और मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) से जुड़े उद्योगों में भी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

मिथिला क्षेत्र में उत्पादित मखाना अपनी गुणवत्ता और पौष्टिकता के लिए देश-विदेश में पहचान रखता है। इसे एक हेल्दी स्नैक के रूप में तेजी से लोकप्रियता मिल रही है।

ऐसे में समुद्री मार्ग से सफल निर्यात भारत की वैल्यू-एडेड कृषि उत्पाद निर्यात रणनीति को मजबूती देगा और वैश्विक 'रेडी-टू-ईट' एवं स्वास्थ्यवर्धक खाद्य बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद करेगा।

पिंच मयूरासन से पाएं मजबूत कंधे और फिट शरीर, जानिए इसे करने का आसान उपाय

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बढ़ती उम्र और कामकाज के बीच शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। आगे चलकर यही शारीरिक समस्याएं बड़ी बीमारियों का कारण बनती है। हालांकि, योग और नियमित खान-पान से इस पर सुधार किया जा सकता है। ऐसे ही चुनौतीपूर्ण और शक्तिशाली आसनों में से एक है पिंच मयूरासन, जिसे अंग्रेजी में 'फेदर पीकॉक पोज' भी कहा जाता है।

इस आसन में शरीर को सिर के बल नहीं, बल्कि कोहनियों और अग्रबाहुओं यानी कोहनी से कलाई तक के हिस्से के सहारे उल्टा साधा जाता है। देखने में जितना आसान लगता है, अभ्यास में उतना ही संतुलन, ताकत और धैर्य चाहिए। पिंच मयूरासन तन और मन दोनों के लिए फायदेमंद है। यह आसन सिर्फ बाहों, कंधों और कोर को ही मजबूत नहीं करता, बल्कि डर पर काबू पाकर आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद करता है।

आयुष मंत्रालय ने पिंच मयूरासन को संतुलन और व्युत्क्रम आसन के रूप में मान्यता दी है। इसके अनुसार, पिंच मयूरासन को करने के दौरान शरीर का पूरा भार कोहनियों और बांहों पर होता है।

यह आसन कंधों, पीठ और पैरों की हड्डियों पर असर करता है। इस आसन को करते समय जब कूल्हों को ऊपर उठाया जाता है, तो शरीर की मांसपेशियों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और पोषक तत्व तेजी से हड्डियों तक पहुंचते हैं। यह आसन शरीर को ऊर्जावान बनाता है और कमर के निचले हिस्से की मजबूती बढ़ाता है।

इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर मूवमेंट की क्षमता बेहतर होती है, जिससे अभ्यास करने वाले एडवांस्ड आर्म बैलेंस के लिए मदद मिलती है।

इस आसन को करने के लिए जमीन पर घुटनों के बल बैठकर अपनी दोनों कोहनियों और हथेलियों को फर्श पर समानांतर रखें। पैरों को सीधा करते हुए कूल्हों और हिप्स को ऊपर उठाएं, जैसे कि अधोमुख श्वानासन में करते हैं।

कोर और कंधों की ताकत का उपयोग करते हुए धीरे-धीरे पैरों को हवा में ऊपर की ओर उठाएं। सिर को जमीन से ऊपर रखते हुए पैरों को आसमान की तरफ सीधा तान दें।

उच्च रक्तचाप, कंधे या गर्दन में चोट होने पर यह आसन न करें। शुरुआत में संतुलन बनाने के लिए दीवार का सहारा लें।

रियल-टाइम ऑब्जर्वेशन टेक्नोलॉजी से कैंसर के इलाज में मिलेगी मददः डॉ. श्याम अग्रवाल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नई दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के चेयरपर्सन डॉ. श्याम अग्रवाल ने कहा कि रियल-टाइम ऑब्जर्वेशन टेक्नोलॉजी शोधकर्ताओं को यह समझने में मदद कर सकती हैं कि कोशिकाएं संभावित दवाओं पर कैसी प्रतिक्रिया देती हैं।

उन्होंने कहा कि इससे सूक्ष्म बायोकेमिकल बदलावों का पता लगाने में तेजी आ सकती है और प्री-क्लिनिकल रिसर्च के दौरान असरदार इलाज के तरीकों की बेहतर पहचान हो सकती है।

अग्रवाल ने कहा, 'कॉम्प्रिहेंसिव जीनोम प्रोफाइलिंग (सीजीपी) और मिनिमल रेसिडुअल डिजीज डिटेक्शन (एमआरडी) के साथ प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी को समझने से डॉक्टरों को कैंसर के मरीजों के लिए टारगेटेड पर्सनलाइज्ड मेडिसिन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।'

भारतीय मूल की बायोटेक उद्यमी परमिता मिश्रा, जो सैन फ्रांसिस्को स्थित 'प्रिसिजेनेटिक्स' की संस्थापक और सीईओ हैं और जीवित कोशिकाओं से रियल-टाइम बायोकेमिकल जानकारी हासिल करने वाला प्लेटफॉर्म चलाती हैं, ने कहा, 'जब शोधकर्ता जैविक 'ऑटोप्सी' पर निर्भर रहने के बजाय लगातार यह मापते हैं कि कोशिकाएं कैसा व्यवहार करती हैं, तो उन्हें ऐसी जानकारी मिल सकती है जिसे पहले देखना असंभव था।'

मिश्रा ने कहा, 'इसके असर कैंसर से कहीं आगे तक जाते हैं, जिसमें इम्यूनोलॉजी, न्यूरोसाइंस, दुर्लभ बीमारियां और रीजेनरेटिव मेडिसिन शामिल हैं।'

बयान में कहा गया है, 'पारंपरिक प्रयोगशाला तकनीकों के विपरीत, जिनमें अक्सर विश्लेषण से पहले कोशिकाओं को स्टेन करने, फिक्स करने या तोड़ने की जरूरत होती है, यह प्लेटफॉर्म जीवित बायोलॉजी की लगातार निगरानी करता है। इससे वैज्ञानिक अलग-थलग एंड-पॉइंट माप पर निर्भर रहने के बजाय समय के साथ सेलुलर व्यवहार का अध्ययन कर सकते हैं।

हर मच्छर का अपना 'फेवरेट' इंसान! 119 लोगों पर हुई रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अगर आपको लगता है कि मच्छर आपको दूसरों से ज्यादा काटते हैं, तो हो सकता है कि आप किसी खास प्रजाति के मच्छर के 'फेवरेट' हों। लेकिन जरूरी नहीं कि हर मच्छर आपको पसंद करे। एक नई स्टडी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि मच्छरों की अलग-अलग प्रजातियां अलग-अलग इंसानों की तरफ आकर्षित होती हैं।

फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (एफआईयू) के शोधकर्ताओं ने 119 लोगों पर यह अध्ययन किया। इसमें दुनिया की तीन ऐसी मच्छर प्रजातियों को शामिल किया गया, जो इंसानों में कई गंभीर बीमारियां फैला सकती हैं। शोधकर्ताओं ने देखा कि इन तीनों प्रजातियों को इंसानों की गंध और शरीर से निकलने वाले अलग-अलग रासायनिक संकेत किस तरह आकर्षित करते हैं।

अध्ययन में एडीज एजिप्टी, एडीज एल्बोपिक्टस और क्यूलेक्स क्विनक्वेफैसिएटस को शामिल किया गया। ये तीनों अलग-अलग बीमारियों को फैलाने में भूमिका निभाते हैं। इनमें डेंगू, जीका, येलो फीवर और वेस्ट नाइल जैसी बीमारियां शामिल हैं। नतीजें चौंकाने वाले थे। तीनों प्रजातियों ने एक जैसे लोगों को पसंद नहीं किया। हर प्रजाति ने इंसानी शरीर की गंध को अपने तरीके से 'पढ़ा' और उसके आधार पर तय किया कि किस इंसान के पास जाना है।

दरअसल इंसानी शरीर से एक हजार से ज्यादा तरह के वाष्पशील कार्बनिक यौगिक निकल सकते हैं। इनमें से कई के बारे में वैज्ञानिक अभी पूरी तरह नहीं जानते। यही रसायन हमारी प्राकृतिक गंध का हिस्सा बनते हैं और मच्छरों के लिए किसी तरह के संकेत का काम कर सकते हैं।

स्टडी में सामने आया कि एडीज एजिप्टी ऐसे लोगों की ओर ज्यादा आकर्षित हुआ, जिनकी त्वचा में कुछ खास वाष्पशील रसायन कम मात्रा में थे और जो शरीर पर कोई अतिरिक्त खुशबू नहीं लगा रहे थे। इस प्रजाति ने पुरुषों की तरफ हल्की ज्यादा पसंद भी दिखाई। यह मच्छर दिन के समय ज्यादा सक्रिय रहता है।

वहीं एडीज एल्बोपिक्टस, जिसे एशियन टाइगर मच्छर भी कहा जाता है, त्वचा से प्राकृतिक रूप से निकलने वाले कुछ खास केटोन्स और पौधों जैसी गंध वाले रसायनों की ओर ज्यादा आकर्षित हुआ। यह भी दिन में सक्रिय रहने वाली प्रजाति है।

तीसरी प्रजाति क्यूलेक्स क्विनक्वेफैसिएटस की पसंद और भी अलग निकली। यह मच्छर आमतौर पर रात में ज्यादा सक्रिय होता है और इंसान की त्वचा पर मौजूद माइक्रोबायोम यानी बैक्टीरिया, फंगस और दूसरे सूक्ष्मजीवों के समुदाय को पहचानने पर ज्यादा निर्भर करता है।

बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बढ़ाः मरने वालों की संख्या 59 हुई, मामले 18,000 के करीब

विश्व केसरी

ढाका । बांग्लादेश में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब तक 59 लोगों की मौत हो गई है जबकि इस साल अब तक 17,880 मामले सामने आए हैं। स्थानीय मीडिया ने स्वास्थ्य महानिदेशालय यानी डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के हवाले से इसकी जानकारी दी।

डीजीएचएस के अनुसार, ढाका डिवीजन इससे सबसे ज्यादा पीड़ित क्षेत्र है। कुल 6,871 दर्ज मामले रिपोर्ट हुए जिसमें से 4,404 मामले तो शहर के ही थे। 3,647 केस के साथ, बारिशाल डिवीजन दूसरे नंबर पर रहा, इसके बाद चटगांव में 3,082 और खुलना में 2,272 केस दर्ज किए गए।

ढाका डिवीजन में मृतकों की संख्या भी सबसे अधिक है। सूची में ये सबसे ऊपर है, कुल 26 में से 25 ढाका में हुईं। बांग्लादेश के जाने-माने अखबार 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के मुताबिक, खुलना में 12 लोगों की मौत हुई, इसके बाद चटगांव और मैमनसिंह में क्रमशः सात और छह लोगों ने बीमारी से जान गंवाई।

डेंगू, मच्छर से होने वाली वायरल बीमारी है, जो बांग्लादेश में एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का रूप लेती जा रही है। यह मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलने वाली बीमारी है।

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ बांग्लादेश में जूलॉजी डिपार्टमेंट (प्राणीशास्त्र विभाग) में एसोसिएट प्रोफेसर, जीएम सैफुर रहमान ने कहा कि नवीनतम आंकड़े ढाका के उच्च जनसंख्या घनत्व, लगातार एडीज मच्छर प्रजनन और अपर्याप्त वेक्टर नियंत्रण उपायों के संयोजन को दर्शाते हैं।

ज्यादा आबादी, गर्म मौसम और बहुत ज्यादा ब्रीडिंग ग्राउंड का मेल एडीज मच्छरों और डेंगू वायरस दोनों के लिए साल भर फैलने के लिए सही हालात पैदा करता है। यही कारण है कि ढाका एक बड़ा डेंगू हॉटस्पॉट बन गया है।

द डेली स्टार ने सैफुर के हवाले से कहा, 'कुछ ही दिन पहले, सेंट्रल मेट्रोपॉलिटन विमेंस कॉलेज में जांच के दौरान हमने पाया कि पानी के एक छोटे कंटेनर में एडीज मच्छर के लार्वा मौजूद थे।

दक्षिण कोरियाः हीटवेव के कारण बीमारों की संख्या 10 साल में 3 गुना बढ़ी

विश्व केसरी

सोल । दक्षिण कोरिया में गर्मी से जुड़ी बीमारियों का असर अगस्त के दूसरे पखवाड़े तक भी लगातार बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, गर्मियों के अंतिम दौर में लू और अत्यधिक गर्मी से बीमार पड़ने वाले लोगों की संख्या पिछले एक दशक में करीब तीन गुना हो गई है। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, गृह मंत्रालय के तहत एक शोध संस्थान ने कोरिया डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन एजेंसी (केडीसीए) के डेटा का विश्लेषण किया है। इसके अनुसार, 2011-2015 के दौरान 'इपचू' से अगस्त के अंत तक हर साल औसतन 215 मामले सामने आए थे।

'इपचू' पारंपरिक कोरियाई कैलेंडर में शरद ऋतु की शुरुआत का संकेत माना जाता है। इस साल इपचू 7 अगस्त को पड़ा। यह आंकड़ा 2016-2020 में बढ़कर सालाना औसत 658 और 2021-2025 में 638 हो गया।

इसी अवधि में गर्मी से जुड़ी बीमारियों से होने वाली मौतों में भी इजाफा हुआ है। 2012-2015 में सालाना औसत 3.3 मौतें होती थीं, जो पिछले दशक 2016 से 2025 में बढ़कर 4 से अधिक हो गई हैं। 2024 में स्थिति खास तौर पर गंभीर रही। उस साल इपचू से अगस्त के अंत तक 1,299 लोग गर्मी से जुड़ी बीमारियों की चपेट में आए, जबकि 12 लोगों की मौत हुई।

मौसम विभाग का अनुमान है कि इस साल भी अगस्त के अंत तक हीट वेव का असर जारी रहेगा, यानी गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम ही है। देश भर में दिन का अधिकतम तापमान 31-35 डिग्री सेल्सियस रहने की आशंका है। आंकड़े संकेत देते हैं कि पारंपरिक रूप से शरद ऋतु की शुरुआत माने जाने वाले समय में भी दक्षिण कोरिया में अत्यधिक गर्मी अब गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनती जा रही है।

दिनों दिन बढ़ते तापमान को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। आम लोगों को पानी पीते रहने, सुबह 11 से शाम 4 बजे तक घर से बाहर न निकलने, और ढीले और सूती कपड़े पहनें। मौसम विभाग के अनुसार अगस्त के अंत तक 31-35 डिग्री की गर्मी और लू जारी रहेगी। बुजुर्गों और बच्चों को खास सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

अश्मिता चालिहा ने बनाई फाइनल में जगह, कड़े मुकाबले में रक्षिता को हराया

नई दिल्ली । भारत की अश्मिता चालिहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में अश्मिता ने हमवतन खिलाड़ी रक्षिता रामराज को शिकस्त दी।

भारत की दोनों खिलाडियों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिली। सेमीफाइनल मुकाबले का पहला ही गेम रोमांच से भरपूर रहा। हालांकि, कड़े संघर्ष के बाद अश्मिता पहले गेम को 21-13 से अपने नाम करने में सफल रहीं। हालांकि, दूसरे गेम में रक्षिता ने जोरदार वापसी की और गेम को 21-16 से जीतते को स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, तीसरे गेम में अश्मिता ने रक्षिता को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया और उन्होंने गेम को 21-13 से अपने नाम करते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। फाइनल मुकाबले में अश्मिता चालिहा की भिड़ंत अब चीन की हान कियानक्सी से होगी।

अनुभवी अश्मिता ने शुक्रवार को जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। एक अन्य कड़े क्वार्टर फाइनल मुकाबले में, रक्षिता ने चीनी ताइपे ओपन चैंपियन तन्वी शर्मा को 18-21, 21-19, 21-18 से शिकस्त देकर अंतिम चार का टिकट हासिल किया था।

पुरुष डबल्स में पृथ्वी के. रॉय और कृष्णा प्रसाद जी की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के मैन वेई चोंग और सोह वूई यिक से 21-7, 21-8 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई। रविवार को समाप्त होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 सीरीज इवेंट का कुल प्राइज फंड 250,000 अमेरिकी डॉलर है।

यह टूर्नामेंट 2007 में शुरू हुआ था और 2010 तक इसे इंटरनेशनल चैलेंज-लेवल टूर्नामेंट (इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट का चौथा लेवल) के तौर पर आयोजित किया गया।

इसके बाद 2011 में इसे बीडब्ल्यूएफ ग्रां प्री गोल्ड इवेंट में बदल दिया गया। साल 2017 में ग्रां प्री गोल्ड इवेंट बंद होने के बाद कोरिया मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 का हिस्सा बन गया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सीडब्ल्यूजी 2026 की गोल्ड मेडलिस्ट बॉक्सर अरुंधति को किया सम्मानित

विश्व केसरी ■

जयपुर । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को अपने कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र का दौरा किया और स्टार बॉक्सर अरुंधति चौधरी से उनके घर पर मुलाकात की। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में अरुंधति की शानदार उपलब्धि के लिए उन्हें और उनके परिवार को सम्मानित किया।

अरुंधति का प्रदर्शन कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार रहा। उन्होंने 70 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। दौरे के दौरान, ओम बिरला ने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने पर अरुंधति को बधाई दी और उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की सराहना की ।उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार का, बल्कि पूरे कोटा-बूंदी क्षेत्र का मान बढ़ाया है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि अरुंधति की सफलता युवाओं, खासकर उन बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है जो खेल और अन्य क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाना चाहती हैं। उन्होंने युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और एथलीटों को उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक समर्थन और अवसर प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में सफलता के लिए बॉक्सर को बधाई देते हुए ओम बिरला ने कहा कि ऐसी उपलब्धियां भारत के युवाओं की क्षमता को दर्शाती हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि अरुंधति कड़ी मेहनत जारी रखेंगी और अपने खेल करियर में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगी। बिरला ने अरुंधति को पूरे समर्पण के साथ देश का प्रतिनिधित्व जारी रखने और भारत के साथ-साथ कोटा-बूंदी क्षेत्र का और नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अरुंधति और उनके परिवार को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि उनकी यात्रा और अधिक युवा एथलीटों को खेल अपनाने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

ओम बिरला ने कहा कि दृढ़ संकल्प और उपलब्धि की कहानियां युवा पीढ़ी को चुनौतियों से पार पाने और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्यों को पाने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बेटियों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए समान अवसर दिए जाने चाहिए। इस दौरे ने क्षेत्र की खेल उपलब्धियों को मिल रही बढ़ती पहचान और राजस्थान व देश का बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों का समर्थन करने के महत्व को भी रेखांकित किया।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी मौजूद थे। नेताओं ने अरुंधति को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी और उनके खेल करियर में निरंतर सफलता की कामना की।

एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने छोड़ा इंग्लैंड लायंस के हेड कोच का पद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने लगभग दो साल तक इंग्लैंड लायंस का हेड कोच बने रहने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया है। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर इस साल के आखिर में अपने कोचिंग करियर का अगला चैप्टर शुरू करने वाले हैं। वह बिग बैश लीग में सिडनी थंडर टीम से जुड़ेंगे।

सितंबर 2024 में इंग्लैंड लायंस के हेड कोच की जिम्मेदारी संभालने वाले फ्लिंटॉफ ने कहा कि उन्होंने इंग्लैंड के अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों और कोचों को तैयार करने में मदद करने के बाद पद छोड़ने का फैसला किया है। फ्लिंटॉफ ने कहा, 'दुर्भाग्य से मैंने लायंस के साथ अपने रोल से हटने का फैसला किया है। मैंने न केवल देश के सबसे अच्छे युवा क्रिकेटरों के साथ काम करके अपना समय बिताया है, बल्कि उन्हें आगे बढ़ते देखकर मुझे बहुत गर्व भी हुआ है।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं कोचों और स्टाफ को उनके जुनून, बिना थके काम और हर दिन दिए जाने वाले सपोर्ट के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। खासकर, एड बार्नी, जिनके साथ मुझे काम करना बहुत पसंद था, और रॉब का भी जिन्होंने इंग्लिश क्रिकेट में सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक के लिए मुझ पर भरोसा दिखाया। मैं इस साल के आखिर में सिडनी थंडर के साथ काम शुरू करने और यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि कोचिंग मुझे कहां ले जाती है।'

यह घोषणा सिडनी थंडर द्वारा आने वाले बिग बैश लीग सीजन के लिए फ्लिंटॉफ को अपना हेड कोच बनाने के दो महीने बाद हुई है, जो ऑस्ट्रेलिया के घरेलू प्रतियोगिता में उनकी पहली फुल-टाइम कोचिंग भूमिका होगी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मेंस परफॉर्मेंस डायरेक्टर एड बार्नी ने अपने कार्यकाल के दौरान इंग्लैंड लायंस की टीम को सफलता दिलाने का क्रेडिट फ्लिंटॉफ को दिया। बार्नी ने कहा, 'फ्लिंटॉफ ने लायंस के माहौल को एक ऐसे प्रोग्राम में बदलने में मदद की है जिसका युवा खिलाड़ियों पर बड़ा असर पड़ा है। उन्होंने ऐसा माहौल तैयार किया जो हर समय बेहतरीन काम को सपोर्ट और बढ़ावा देता है, उन्होंने युवा खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को आगे लाने में मदद की है।' 'कोच भी उनके साथ आगे बढ़े हैं, चाहे वे कोचिंग की शुरुआत में हों या दशकों का अनुभव रखते हों।

'सड़क सुरक्षा सप्ताह' के तहत कोलकाता पुलिस ने निकाली शहर में साइकिल रैली

विश्व केसरी ■

कोलकाता । 'सड़क सुरक्षा सप्ताह 2026' के तहत कोलकाता पुलिस ने शनिवार को सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और ट्रैफिक नियमों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक साइकिल रैली आयोजित की। कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय कुमार नंदा ने इस रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह रैली विक्टोरिया मेमोरियल से शुरू हुई और प्रिंसिप घाट होते हुए लालबाजार में समाप्त हुई। इस कार्यक्रम में लगभग 150 लोगों ने हिस्सा लिया। रैली का मुख्य उद्देश्य खासकर दोपहिया वाहन चलाने वालों के बीच सड़क पर सुरक्षित तौर-तरीकों को बढ़ावा देना था।

पुलिस कमिश्नर अजय कुमार नंदा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि करीब 8 से 10 किलोमीटर की यह जागरुकता रैली रही है। करीब 150 लोग शामिल हुए हैं, जिनमें पुलिसकर्मी और साइकिलिंग क्लब के लोग शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि आज बाइक राइडर्स के लिए ऐसा कोई प्रोग्राम नहीं है। हालांकि, ट्रैफिक विंग ने कोलकाता में राइडर्स को सही तरीके से हेलमेट पहनने, सही तरह का हेलमेट चुनने और सुरक्षा से जुड़ी दूसरी सावधानियों के बारे में जागरूक करने के लिए पहले ही अलग-अलग जागरूकता कार्यक्रम और बाइक रैलियां आयोजित की हैं। आज का कार्यक्रम ट्रैफिक विंग की ओर से आयोजित साइकिल रैली है।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि पिछले एक हफ्ते से 'सड़क सुरक्षा सप्ताह' चल रहा है। इस अभियान के तहत कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हम स्कूली बच्चों और समाज के अलग-अलग वर्गों के लोगों तक पहुंचकर उन्हें ट्रैफिक नियमों व सड़क पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक कर रहे हैं। इसी पहल के तहत आज साइकिल रैली आयोजित की गई है।

कमिश्नर अजय कुमार नंदा ने कहा कि यह अभियान रविवार को खत्म होगा। हम समापन कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे। साइकिलिंग क्लब के लोग भी कार्यक्रम के जरिए अपना संदेश देंगे।

श्रीलंका इलेवन के खिलाफ देवदत्त पड्डिकल का शतक, जायसवाल और पंत रहे फ्लॉप

विश्व केसरी ■

कोलंबो । भारत और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के बीच तीन दिवसीय वॉर्म-अप मैच खेला जा रहा है। मैच के दूसरे दिन (शनिवार) को भारत की तरफ से बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पड्डिकल ने शतक लगाया। शतक लगाने के बाद उन्हें रिटायर हर्ट कर दिया गया, ताकि दूसरे बल्लेबाजों को मौका दिया जा सके।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे देवदत्त पड्डिकल ने वनडे फॉर्मेट के मुताबिक बल्लेबाजी की। पड्डिकल ने 121 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 103 रन की पारी खेली। इस शानदार पारी के बाद उन्हें रिटायर हर्ट कर दिया गया। भारतीय टीम मैनेजमेंट इस वॉर्म-अप मैच में दूसरे बल्लेबाजों को मौका देना चाहता है, इसलिए पड्डिकल को उनकी शानदार पारी के बाद वापस बुला लिया गया।

भारतीय पारी की शुरुआत करने के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल आए थे। जायसवाल अपना खाता नहीं खोल सके। उन्हें पारी की दूसरी ही गेंद पर विश्वा फर्नांडो ने आउट कर दिया। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी नहीं चले और 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ध्रुव जुरेल भी 1 रन बनाकर आउट हो गए।

रिपोर्ट लिखे जाने तक भारतीय टीम ने पहली पारी में 54 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 199 रन बना लिए हैं। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए रवींद्र जडेजा 46 और मानव सुथार 5 रन बनाकर खेल रहे हैं।

इससे पहले दिन की शुरुआत में श्रीलंका इलेवन ने अपनी पहली पारी पहले दिन के स्कोर 8 विकेट पर 363 रन पर घोषित कर दी।

श्रीलंका की तरफ से निशान मदुशंका और रविन्दु रसंथा ने पहले विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी की। पहले विकेट के रूप में मदुशंका 11 चौकों और 1 छक्के की मदद से 66 रन बनाकर आउट हुए।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने की शेर-ए-पंजाब टी20 कप के खिलाड़ियों संग मुलाकात, अभिषेक-अर्शदीप भी रहे मौजूद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग की शुरुआत 30 अगस्त से होने जा रही है। टूर्नामेंट का ऑक्शन 9 अगस्त को होना है। इससे एक दिन पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने जा रहे खिलाड़ियों संग खास मुलाकात की।

भगवंत मान ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खिलाड़ियों संग हुई मुलाकात की तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों में मुख्यमंत्री के साथ भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भी नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने लिखा, 'शेर-ए-पंजाब टी20 कप के खिलाड़ियों से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। पंजाब की धरती ने हमेशा देश को प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए हैं। हमारी सरकार युवाओं को खेलों से जोड़ने और राज्य को खेल के क्षेत्र में और भी मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।'

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने टूर्नामेंट के शेड्यूल के बारे में जानकारी देते हुए कहा, 'इस टी20 कप में 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं। सभी मैच 30 अगस्त से 13 सितंबर तक पीसीए क्रिकेट स्टेडियम, मोहाली में खेले जाएंगे। खेलता पंजाब, बढ़ता पंजाब।'

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें अमृतसर, बठिंडा, फाजिल्का, जालंधर, लुधियाना और मोहाली की टीम शामिल होंगी। 9 अगस्त को टूर्नामेंट के ऑक्शन में कुल 250 खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिसमें से तकरीबन 120 प्लेयर्स के नामों पर छह फ्रेंचाइजी बोली लगाती हुई नजर आ सकती हैं। हर टीम अधिकतम 20 खिलाड़ी अपने स्क्वॉड में रख सकती है।

हर फ्रेंचाइजी का सैलरी पर्स 45 लाख रुपये होगा। इस लीग में मूल रूप से पंजाब के रहने वाले इंटरनेशनल खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे।

अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह और भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल भी इस लीग में खेलते हुए नजर आएंगे। टूर्नामेंट में कुल 27 मुकाबले खेले जाएंगे। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग का फॉर्मेट राउंड रॉबिन होगा। इसके बाद नॉकआउट स्टेज के मुकाबले खेले जाएंगे।

कैनेडियन ओपन: फर्नांडीज ने मीरा आंद्रीवा को हराकर बनाई अंतिम 16 में जगह, ओसाका से होगा मुकाबला

विश्व केसरी ■

मॉन्ट्रियल । यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वालीं कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लेला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को हराया। मीरा आंद्रीवा इस साल फ्रेंच ओपन (रोलैंड गैरोस) की चैंपियन रही हैं। इस जीत के साथ फर्नांडीज ने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार 7 हार का सिलसिला भी खत्म कर दिया।

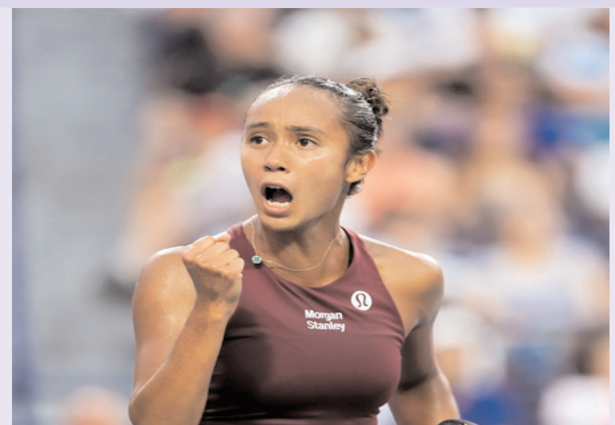

फर्नांडीज ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए हार का सिलसिला तोड़ा और अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की। इस जीत के साथ ही 30वीं रैंकिंग वाली फर्नांडीज अब राउंड ऑफ 16 में पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से भिड़ेंगी। ओसाका (11वीं वरीयता प्राप्त) ने बेल्जियम की 20वीं सीड खिलाड़ी एलिस मर्टेंस को 6-1, 6-4 से हराया था।

कनाडा की स्टार खिलाड़ी फर्नांडीज ने पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आंद्रीवा को 1 घंटे 21 मिनट में 6-1, 6-4 से हराया। इसके साथ ही वह न केवल टोरंटो में राउंड ऑफ 16 में पहुंचीं (ऐसा ही नतीजा उन्होंने 2023 में मॉन्ट्रियल में हासिल किया था), बल्कि एक साल से भी ज्यादा समय में टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ अपनी पहली जीत भी दर्ज की। उन्होंने पिछली बार आंद्रीवा जैसी ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को पिछले साल मुबाडाला डीसी ओपन में हराया था। फर्नांडीज ने विश्व की नंबर 4 खिलाड़ी जेसिका पेगुला को मात दी थी।

फर्नांडीज ने खराब फॉर्म से जूझ रही आंद्रीवा के खिलाफ 6-1, 5-1 तक आसानी से बढ़त बनाए रखी, लेकिन फिर 20 साल की आंद्रीवा ने वापसी की और आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। हालांकि 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान 0-15 पर फोरहैंड शॉट चूकना निर्णायक साबित हुआ और 30वीं सीड फर्नांडीज ने तीन प्वाइंट बाद जीत पक्की कर ली।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित संपादक : सुजीत कुमार (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251